हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

11 मार्च, 2011

खण्ड 1, अंक 6

अधिकृत विवरण

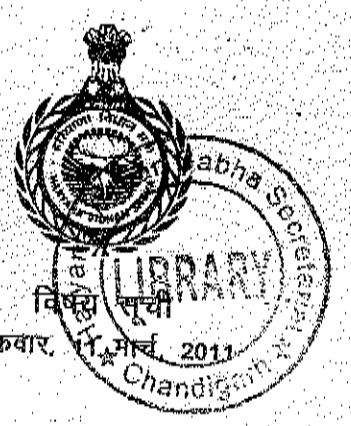

विषय सूची

शुक्रवार, 11 मार्च, 2011

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(6)1
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(6)22
अनुपस्थिति की सूचना	(6)45
अधीनस्थ विधान समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना	(6)45
सरकारी संकल्प	(6)46
(1) बी.एम.एल. हांसी ब्रांच–बुटाना ब्रांच बहुउद्देशीय योजक नहर को चालू करने के संबंध में।	
(2) पंजाब विधान सभा द्वारा पारित पंजाब समझौतों को रद्द करने के लिए अधिनियम, 2004 पर राष्ट्रपतीय संदर्भ के बारे में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा फैसला शीघ्र करने के संबंध में	
वर्ष 2011–2012 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भण)	(6)70
बैठक का समय बढ़ाना	(6)101
वर्ष 2011–2012 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भण)	(6)101

मूल्य : 220

हरियाणा विधान सभा

शुक्रवार, 11 मार्च, 2011

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हॉल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में सुबह 10.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री कुलदीप शर्मा) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now, Question Hour starts.

New Minors in Julana Constituency

***349. Shri Parminder Singh Dhull :** Will the Irrigation Minister be pleased to state —

(a) whether there is any scheme under consideration to construct new minors in Julana constituency ; and

(b) if so, the time by which the Lijwana Kalan minor, Karela minor and Biroli minor are likely to be constructed togetherwith the capacity thereof ?

Finance Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) :

(a) Yes, Sir.

(b) The scheme of Baroli Minor only is under consideration. No time frame can be given at this stage.

श्री परमिन्द्र सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, मैंने तीन माइनर्स लिजवाना, करेला और बरोली का जिक्र किया है । हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने 2008 में जुलाना की जनता को इन तीनों माइनर्स के बनाने का प्रौमिस किया था । करेला माइनर की एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल भी ले ली गई थी फिर किस वजह से यह एप्रूवल बदल दी गई है । क्या कारण हैं कि मुख्यमंत्री महोदय के वायदे को सरकार निभाने में विफल रही ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने जिन 3 माइनर्स की बात की है इनमें से लिजवाना जो माइनर है वह बुटाना ब्रांच आर.डी.11800 से निकलती है । इसकी intensity of irrigation जो है वह 100 परसैंट है । इसी ग्राउंड पर इस स्कीम को ड्राप करने का विचार किया गया है। करेला सब माइनर की intensity of irrigation 167 परसैंट है । जो टैक्नीकल स्टैंडिंग कमेटी है उसने इसको रिजैक्ट कर दिया है । यह बात हमने मुख्यमंत्री महोदय

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

के नोटिस में ला दी है । बरोली माइनर जो है उसके लिए नाबार्ड के तहत 7 करोड़ 23 लाख रूपये की राशि एप्रूव हो गई है । इसकी intensity of irrigation 99.44 परसैंट है यानि फिर भी कम नहीं है । उसके बावजूद भी मुख्यमंत्री महोदय ने यह कहा कि बरोली माइनर को दोबारा रिव्यू किया जाए । दोबारा स्टैंडिंग कमेटी को केस भेजा हुआ है । एस.ई. इंजीनियर प्रोजैक्ट और एस.ई. इंजीनियर under the Chairmanship of Chief Engineer, YWS North इसकी फिजीबिलटी को चैक कर रहे हैं । जैसे ही इसकी रिपोर्ट आ जाएगी इस पर कार्यवाही कर दी जाएगी ।

श्री परमिन्द्र सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, लिजवाना माइनर के बारे में मंत्री जी ने जो कहा है वे तथ्य वास्तविकता से परे हैं । सारा एरिया नॉन इरीगेटिड है । लिजवाना कलां, अकालगढ़, बूढाखेड़ा, लाठरवास में पानी के दर्शन भी नहीं होते । आज से 30-40 साल पहले वहां गन्ने की खेती होती थी । जुलाना मंडी को गुड़ की मंडी कहा जाता था लेकिन पानी के भेदभाव के चलते वहां ईख नाम की चीज ही खत्म हो गई है । कपास और बाजरा जैसी सीजनल फसलें भी वहां नहीं हो पाती । लिजवाना कलां माइनर इतनी जरूरी माइनर है कि टोटल इलाके में पानी नहीं है । अध्यक्ष महोदय, तीन-तीन बार मुख्यमंत्री महोदय जी की जुलाना में की गई घोषणा के बाद भी क्यों नहीं इस लिजवाना माइनर को निकाला जा रहा ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैंने बताया है लिजवाना माइनर का जो एरिया है वहां intensity of irrigation 100 परसैंट है। करेला सब माइनर के बारे में यह बिल्कुल सही है कि मुख्यमंत्री महोदय ने इसको बनाने बारे अनाउंस किया था । स्टैंडिंग कमेटी ने 22.1.2010 को जब इसको रिव्यू किया तो पाया गया कि वहां 167 परसैंट इरीगेशन है । बरोली माइनर में 99.44 परसैंट इरीगेशन है । उसके बाद भी मुख्यमंत्री महोदय ने कहा कि ठीक है लिजवाना और करेला माइनर को न बनाओ लेकिन बरोली माइनर जो है इसका दोबारा रिव्यू किया जाए। दो एस.ईज. की कमेटी बनाई गई है । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को विश्वास दिला सकता हूं कि बरोली माइनर के बारे में फिजीबिलटी रिपोर्ट सही आ गई तो इसको जरूर बनवाएंगें ।

श्री परमिन्द्र सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, इसका कारण कहीं यह तो नहीं कि वहां पर कांग्रेस का विधायक हार गया । (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, हमारी ऐसी कोई मंशा नहीं है । हमारे लिए पूरा हरियाणा एक समान है । अगर फिर भी ये संतुष्ट नहीं है तो हम इनके इलाके में जो इनके एस.ई. हैं, उनको भेज देंगें । वे खुद मौके पर जाकर देख लेंगें तथा फिर भी ये संतुष्ट नहीं होते तो इनकी बात पर दोबारा विचार कर लिया जाएगा ।

श्री कली राम पटवारी : अध्यक्ष महोदय, यहां पर नई नहरें बनाने की बात हो रही है। हमारे सफीदों क्षेत्र के अंदर 4-5 माइनर्स जैसे मुयाना सब-माइनर, एच.आर खुर्द माइनर, गंगोली माइनर, मंडी सब-माइनर ऐसी माइनर्स हैं जिनकी टेलों पर काफी दिनों से पानी नहीं पहुंचा ।

उनके लैवल खराब हैं । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि जो टेलें खराब हैं क्या उन टेलों को ठीक करवाकर पानी पहुंचाने का इंतजाम करवाएंगे ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य का सैपरेट क्वैश्चन है इस बारे में ये मुझे लिखकर भिजवा दें हम चैक करवा लेंगे । सवा साल सरकार को बने हुए हो गये हैं लेकिन माननीय सदस्य ने इस बारे में मुझे एक बार भी नहीं लिखा और न ही मुझ से कभी मिलकर इस बारे में बताया । विपक्ष के भी बहुत से सदस्य मुझे अपनी समस्याओं के बारे में पत्र लिखते हैं और मैं उनका जवाब भी देता हूं । इनके यहां कौन-कौन सी टेल्ज पर पानी नहीं पहुंच रहा उस बारे में ये मुझे लिख कर भिजवा दें मैं अधिकारियों को कहकर चैक करवा लूंगा ।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, you may please forward the request to the Irrigation Minister. Now, we are embarking upon next item.

Supply of Canal Based Water in Ambala M.C.

***320. Shri Anil Vij :** Will the Public Health Engineering Minister be pleased to state :—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to provide Canal Based water supply to the extended limit of Ambala MC ; and

(b) if so, the details of the proposals and the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

Excise & Taxation Minister (Smt. Kiran Chaudhary) :

(a) No, Sir.

(b) Question does not arise.

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, हमारे शहर में कैनाल बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीम चौधरी बंसी लाल जी के समय में आरम्भ की गई थी । इस बारे में मेरा पिछले सत्र में भी क्वैश्चन लगा था, उस दौरान हमारे अम्बाला नगर परिषद की सीमा बढ़ा दी गई थी । जो पुरानी स्कीम है वह पुराने शहर के लिए बनी हुई है । पिछले सत्र में मेरे अनुपूरक प्रश्न के जवाब में उस वक्त के पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर ने जो मेरे मित्र भी हैं, मेरे सवाल का जवाब हां में दिया था कि एक्सटैंडिड सीमा में भी कैनाल बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीम का फायदा पहुंचाया जायेगा । मेरे पास रिकार्ड है जो दिखा सकता हूं । मेरी जानकारी के मुताबिक वहां कुछ कार्यवाही हुई भी थी लेकिन अब मंत्री बदलने से जवाब भी बदल गया है । मैं मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि क्या एक्सटैंडिड एरिया में भी कैनाल बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीम का फायदा देने के लिए सरकार पुनर्विचार करेगी, ताकि सारे शहर को लाभ मिल सके?

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहती हूं कि पहली बात तो यह है कि मंत्री तो आते-जाते रहते हैं और सरकार का काम चलता रहता है and that is the consistent thing. It doesn't matter whoever is on the Chair of Minister. Work has to be done. So, that is not the situation at all as told by the Hon'ble Member. Secondly, I want to put it on record कि अम्बाला सदर के लिए सरकार ने बहुत बड़ा प्रोजैक्ट 30.81 करोड़ रूपये की लागत से कमीशन किया है जिसमें फिल्ट्रेशन प्लांट 18 एम.एल.डी. कैपेसिटी का लगाया गया है, दो एस.एन.एस. टैंक लगाये गये हैं और उसमें 13 कि.मी. की राईजनिंग मेन है । इसके अतिरिक्त चार बूस्टिंग स्टेशन बनाये गये हैं । उसके साथ-साथ Speaker Sir, I would also tell the Hon'ble Member that between 1999 to 2005 expenditure that was incurred upon irrigation water supply and sewerage, was Rs. 1499.68 lacs whereas expenditure incurred from March 2005 to till date has been Rs. 2738.81 lacs, that is more than double. इस तरह से अंबाला के लिए बहुत कुछ किया गया है। Speaker Sir, Vij Sahib is a learned and educated man. जब इन्होंने प्रश्न रखा होगा उस समय एम.सी. लिमिट नहीं थी । Now, it has been taken over by the Municipal Committee but in spite of that जहां पर कैनाल वाटर की एक्सटैंशन की फिजीबिलिटी होती है वहां हम करते हैं । वहां हम ट्यूबवैल के माध्यम से पोटेबल ड्रिंकिंग वाटर की सप्लाई दे रहे हैं । Speaker Sir, at present drinking water supply to these villages is already 55 LPCD and there are no shortage of drinking water in these villages.

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का संतोषजनक उत्तर नहीं आ पाया है। मेरा प्रश्न यह था कि जब सीमा बढ़ा दी गई है तो उस एक्सटैंडिड एरिया को भी कैनाल वाटर सप्लाई का फायदा देना चाहिए । (विघ्न)

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी विज साहब को मंत्री महोदया का धन्यवाद करना चाहिए कि उनके शहर के लिए 31 करोड़ रूपये की स्कीम दी है ।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, जिस समय स्कीम बनाई गई थी उस समय बहुत धन्यवाद किया गया था । लेकिन अभी तक उस स्कीम का शहर को पूरी तरह से लाभ नहीं मिला है । माननीय मंत्री महोदया ने जवाब दिया है कि चार बूस्टिंग स्टेशन बना दिए गए हैं । इनके अधिकारी इनको इस बारे में ठीक जानकारी नहीं देते हैं । चार में से दो का काम शुरू हुआ है और दो का काम शुरू नहीं हुआ है । इस तरह से अधिकारी गलत इन्फोर्मेशन पास करते हैं, उन अधिकारियों को थोड़ा सा कसने की आवश्यकता है। अध्यक्ष महोदय, मैं स्पेसिफिक क्वैश्चन पर आना चाहूंगा कि जब शहर की सीमा बढ़ा दी गई (विघ्न) सरकार का काम है कि अधिकारियों पर नकेल डाले । इसमें तो मैं कोई गलत बात नहीं कह रहा । यह तो आपका और हमारा सबका काम

है । जब तक नकेल नहीं डालेंगे तब तक काम नहीं होता ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि इन्होंने लिखित में भेजा होता कि ऐसा नहीं हो रहा या आहिस्ता से काम हो रहा है तो हम उस पर कार्यवाही करते । यदि कोई अधिकारी भी ठीक से काम नहीं कर रहा तो उसके बारे में भी हमें बताना चाहिए था । हम उसको कसने का काम करते।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदया को जवाब देना चाहूंगा हालांकि जवाब देना मेरा काम नहीं है । लिखकर देने की बात नहीं है क्योंकि यह सदन विधायकों के लिए सबसे बड़ा प्लेटफार्म है । इस प्लेटफार्म में ही यह बात कही गई । आप रिकार्ड निकालकर देख लें कि इस बारे में हां में जवाब दिया गया था कि ऐक्सटैंडिड सीमा तक उसको बढ़ाया जायेगा, रिकार्ड तो निकालकर हमें देखना चाहिए । अध्यक्ष महोदय, जब एक सीमा बढ़ गई तो आप उसको डिफरैंशियेट नहीं कर सकते कि पुराणी सीमा तक तो कैनाल बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीम से पानी दिया जायेगा और नई में कैनाल बेस्ड स्कीम से पानी नहीं दिया जायेगा । इसलिए मैंने कहा था और मैं फिर यही कह रहा हूं । यह विधान सभा की कार्यवाही में भी लिखा हुआ है जिसकी मेरे पास कापी भी है । इसमें यह कहा गया है कि हां सर हम ऐक्सटैंडिड सीमा में भी इसका लाभ पहुंचायेंगे । मैंने अपना क्वैश्चन इसलिए लगाया था ताकि मैं पूछ सकूं कि यह ऐक्सटैंडिड सीमा में कब तक पानी पहुंचायेंगे । मेरा सिम्पल क्वैश्चन है कि क्या माननीय मंत्री महोदया इस पर पुन: विचार करेंगी । जो स्टैंडर्ड सीमा है, जिसमें ट्यूबवैलों से पानी दिया जा रहा है वहां पर कई इलाकों जैसे गांव दिलीपगढ़ और गांव शामनगर में ट्यूबवैल्ज़ बिल्कुल भी काम नहीं कर रहे हैं और लोगों को बिल्कुल भी पीने का पानी नहीं मिल रहा है । मैं माननीय मंत्री महोदय जी से कहना चाहूंगा कि क्या वे इन सारी बातों पर पुनर्विचार करेंगी और जो ऐक्सटैंडिड सीमा है उसमें भी कैनाल बेस्ड वाटर सप्लाई का लाभ लोगों को दिलवाने की कृपा करेंगी और क्या इस कार्य के लिए कोई कारगर योजना बनाई जायेगी ?

Mr. Speaker: Vij Sahib, Hon'ble Minister has requested you that you may forward your request to her and she will look into it. Please you send it in writing.

Smt. Kiran Chaudhary : Speaker Sir, let me just clarify. जो माननीय सदस्य कह रहे हैं कि इन्होंने कैनाल बेस्ड वाटर स्कीम के लिए कहा होगा that was made for Ambala Cantonment and it is also a matter of record. सैकैण्डली, ये जो म्युनिसिपल लिमिट्स हैं these have now been extended and by that time Corporation was not formed. He knows about it because he is a very learned legislator and very knowledgeable man. In that area Public Health department cannot work. In spite of that wherever potable water is required, we are providing potable water to 16 other villages जिनके नाम हैं; कालाहारी, टुण्डला, बोह-बब्याल, रामगढ़, चांदपुर, सरसरी, रामपुर, खुड्डा खुर्द, तलहेड़ी,

[Smt. Kiran Chaudhary]

खोजकीपुर, नन्हेड़ा, मच्छौंडा, शाहपुर, कोट-कछुआ खुर्द आदि और उनकी कालोनीज़ हैं ये सारे के सारे म्युनिसिपल कमेटी की एक्सटैंडिड लिमिट के अन्दर आ गये हैं So, he must understand that as far as my department is concerned, we cannot do this work. This work has to be done by the Municipal Committee.

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, मेरे सवाल का सही जवाब नहीं आया है । मैं मंत्री महोदया को यह बताना चाहूंगा कि म्युनिसीपल कमेटी के पास अपना वाटर सप्लाई का कोई डिपार्टमैंट ही नहीं है। (विघ्न)

Smt. Kiran Chaudhary : Speaker Sir, once the Corporation is formed no project can be taken by Public Health Department. He is not understanding that. (Interruption).

Shri Anil Vij : Speaker Sir, let me clarify. Don't be agitated. Ambala Cantonment is a separate local body and that is governed by Cantonment Board. उसका यहां कोई कंसर्न नहीं होता। वह कंटोनमैंट बोर्ड सैंट्रल डिफैंस मिनिस्ट्री के अण्डर होता है और जहां पर आलरेडी कैनाल बेस्ड वाटर स्कीम है । स्पीकर सर, मेरा सवाल अम्बाला कैंट सदर के बारे में था । अम्बाला कैंट सदर की सीमा बढ़ाई गई और अम्बाला कैंट सदर में जो वाटर सप्लाई का काम है वह पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट करता है । आज भी वहां पर पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट के ही ट्यूबवैल्ज़ लगे हुए हैं । म्युनिसिपल कमेटी के पास वाटर सप्लाई का कोई डिपार्टमैंट ही नहीं है । यह सही बात हो सकती है कि मंत्री महोदया अभी मंत्री बनी हैं इसलिए इनको थोड़ा समय लग सकता है लेकिन मैं यह चाहूंगा कि वे इसको जरूर देखें ।

श्रीमती किरण चौधरी : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि यहां पर टाईम की कोई बात नहीं है । मैं इनको यह बताना चाहती हूं कि मैं जो बात कहती हूं वह सही कहती हूं and I know what am I talking about? The fact is that अम्बाला कैंटोनमैंट से आगे भी गांव हैं जिनके अन्दर पोटेबल वाटर @ 55 LPCD सप्लाई किया जा रहा है। Now, because it has been taken over by the Municipal Corporation. No new works can be taken-up by the Public Health Department.

Mr. Speaker : Hon'ble Minister, Anil Vij is going to forward his request to you. You may kindly consider it.

Smt. Kiran Chaudhary : Hon'ble Speaker Sir, I can't consider the forwarded request because it is not within my limit to do it. How can consider it?

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी यह ठीक नहीं कह रही हैं । वह इनकी लिमिट में है । म्यूनिसिपल कमेटी के पास drinking water supply का विभाग काफी पहले हुआ करता था ।

Smt. Kiran Chaudhary : Speaker Sir, I will send him the entire detail so that he may satisfy and if he is not satisfied, he is most welcome to come and meet me and I will satisfy him.

श्रीमती सुमिता सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहती हूँ कि आज से 30-40 साल पहले जो सीवरेज लाईन डाली गई थी, वे कमजोर हो चुकी हैं और अब तो जनसंख्या भी बढ़ गई है जिसके कारण उन पर लोड भी बढ़ गया है । यह सभी शहरों की समस्या है खास तौर से मेरे शहर करनाल में सारा सीवरेज टूटा हुआ है । क्या मंत्री जी बतायेंगी कि वहाँ पर सीवरेज की कैपेस्टी बढ़ाने का कोई प्रावधान करने जा रहे हैं ?

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, जो पुराने सीवरेज हैं धीरे-धीरे हम उनकी कैपेस्टी भी बढ़ा रहे हैं । इसके अलावा हमारे पास हाईड्रोलिक मशीनें भी हैं जिनसे हम समय-समय पर इनकी सफाई भी करवाते रहते हैं । That is part of the Department and we will do that subject to the availability of funds.

श्री राजपाल भूखरी : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के की कुछ प्रोपोजल्स हैं । मेरा मंत्री जी से अनुरोध है कि उनको जल्दी से जल्दी एप्रूव किया जाये ।

Mr. Speaker : Alright, proposal may be sent in writing.

श्री कली राम पटवारी : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश के अन्दर नहरों पर आधारित जितने भी जलापूर्ति केन्द्र हैं वहां पर 32 दिन में नहर का पानी आता है लेकिन जो टैंक हैं उनकी कैपेस्टी इतनी नहीं है कि वे 32 दिन का पानी स्टोर कर सकें । मैं मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि क्या वे इन टैंकों की कैपेस्टी बढ़ाने का कोई प्रावधान करेंगे?

Mr. Speaker : He wants to know whether the capacity of the storage tanks in canal-based water scheme is going to be increased?

Smt. Kiran Chaudhary : Mr. Speaker Sir, this is a separate question. He can give me separate notice or send it to me separately. It has nothing to do with the question that was asked by him.

Construction of Building of Government College of Barwala

***550. Shri Ram Niwas Ghorela :** Will the Education Minister be pleased to state whether it is fact that the Government college, Barwala is functioning in a Dharamshala; if so, the time by which the building of the aforesaid college is likely to be constructed/completed?

शिक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल) : हां, श्रीमान् जी। विपणन बोर्ड, हरियाणा द्वारा राजकीय महाविद्यालय, बरवाला (हिसार) के भवन निर्माण हेतु 16 एकड़ 1 कनाल 3 मरला भूमि शिक्षा विभाग को देने बारे अपनी सहमति दे दी गई है। जैसे ही विभाग द्वारा उक्त भूमि का अधिग्रहण कर लिया जाता है वैसे ही सरकार द्वारा भवन निर्माण सम्बन्धी आगामी कार्यवाही कर ली जाएगी।

श्री रामनिवास घोड़ेला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि बरवाला के कॉलेज की बिल्डिंग की मांग काफी समय से की जा रही है । इस समय वह कॉलेज एक पंजाबी धर्मशाल में चल रहा है जिसको खाली करवाने का काफी दबाव है । क्या मंत्री जी कृपया बतायेंगी कि वह कॉलेज की बिल्डिंग कब तक बन कर तैयार हो जायेगी ?

श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहती हूँ कि बरवाला का कॉलेज 2008-09 से चल रहा है और उसमें बच्चों की संख्या भी 697 है । यह भी ठीक है कि वह पंजाबी धर्मशाला में चल रहा है । इस बारे में मैनेजमैंट ने कई बार यह भी बताया है कि वे उसको पंजाबी धर्मशाला से हटाना चाहते हैं । मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूँगी कि मार्केटिंग बोर्ड से हमें जमीन मिल गई है, पोजैशन भी मिल चुका है, इसका नक्शा तैयार हो जायेगा उसके बाद इसका निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा । इसके साथ-साथ मैं यह भी बताना चाहूँगी कि जब तक कॉलेज बनकर तैयार नहीं हो जाता तब तक हमने हैल्थ डिपार्टमैंट से बात की है तथा उनके नर्सिंग स्कूल की बिल्डिंग जो खाली पड़ी है उसमें उस कॉलेज को शिफ्ट कर देंगे ।

श्री राजेन्द्र सिंह जून : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि बहादुरगढ़ में जो लड़कियों का कॉलेज है, एक पुरानी बिल्डिंग में जिसमें पहले एक पुराना अस्पताल था, उसमें वह कालेज अब चल रहा है । वह बिल्डिंग बहुत ज्यादा पुरानी और जर्जर हो गयी है किसी भी समय वहां पर कोई भी हादसा हो सकता है । मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि क्या वह इस बिल्डिंग को तोड़कर वहां पर नयी बिल्डिंग बनवाने का प्रयास करेंगी ? वहां पर 25 एकड़ में गवर्नमैंट कालेज बना हुआ है उसमें से दस एकड़ जमीन पर क्या लड़कियों के कालेज की बिल्डिंग बनवाने का मंत्री जी प्रयास करेंगी ?

श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल : अध्यक्ष महोदय, मैं सम्मानित सदस्य को बताना चाहूंगी कि बहादुरगढ़ के जिस कालेज का इन्होंने जिक्र किया है और कहा है कि वहां के कालेज की बिल्डिंग काफी खस्ता हालत में है । हम उसके लिए बजट का प्रावधान करके अतिशीघ्र नयी बिल्डिंग बनवा देंगे ।

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, गोहाना गवर्नमैंट कालेज में लड़कों के विंग की बिल्डिंग सफीशिएन्ट नहीं हैं, उसमें क्लास रूम्ज पूरे नहीं है जबकि गर्ल्ज विंग में क्लास रूम्स ज्यादा है । मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से पूछना चाहता हूं कि क्या वहां पर इनको इंटर चेज कर देंगी ? इसके अलावा गोहाना गवर्नमैंट कालेज में प्ले ग्राउंड भी नहीं है क्या मंत्री जी वहां बॉयज विंग को विद प्ले ग्राउंड कोई अलग जगह पर बनवाने की कृपा करेंगी ?

Mr. Speaker : Can you send a separate question in this regard?

श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल : अध्यक्ष महोदय, मैं सम्मानित सदस्य को बताना चाहूंगी कि इस समय सरकार के पास इस तरह की कोई भी प्रपोजल पैंडिंग नहीं है । इसके अलावा जहां तक ये स्पोर्टस की बात कर रहे हैं कि वहां पर बच्चों के खेलने के लिए प्ले ग्राउंड नहीं है । मैं इनको बताना चाहूंगी कि गोहाना गवर्नमैंट कालेज के नजदीक ही 500 मीटर की दूरी पर चौधरी देवीलाल मिनी स्टेडियम है वहां पर स्पोर्टस.प्रोग्राम चलाए जा सकते हैं ।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूँगा कि हरियाणा में कितने जिले ऐसे हैं जहां पर गवर्नमैंट डिग्री कालेज नहीं है ? अगर कोई जिला ऐसा है तो उसमें कब तक गवर्नमैंट डिग्री कालेज बना दिया जाएगा ?

श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल : अध्यक्ष महोदय, मैं सम्मानित सदस्य को बताना चाहूंगी कि कुरूक्षेत्र जिला ऐसा है जहां पर गवर्नमैंट कालेज नहीं है । कुरूक्षेत्र की पावन और पवित्र धरती पर भगवान श्रीकृष्ण ने संदेश दिया था । वहां पर सबसे बड़ी बात यह है कि वहां बहुत बड़ी यूनिवर्सिटी है, यूनिवर्सिटी कालेजिज है। इसके अलावा 6 गवर्नमैंट ऐडेड कालेज भी हैं जिनको हम 14 करोड़ 82 लाख रूपये की ग्रान्ट-इन-ऐड देते हैं । इसके अलावा एक और कालेज जयाराम विद्यापीठ लोहार माजरा है उसके लिए भी सरकार ने कहा है कि इसको हम ग्रान्ट-इन-ऐड देंगे । इस तरह से सात ऐडेड कालेजिज हो गए और एक बड़ी यूनिवर्सिटी वहां पर हो गयी है।

Mr. Speaker : Hon'ble Minister, is there any college or university teaching department in Kurukshetra University which is providing Under-Graduate Education to the children? As far as my information is concerned, University Teaching Department has a full-fledged under graduate college within the premises of the University.

श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल : अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगी कि हमारी कुरूक्षेत्र मल्टी फैकल्टी यूनिवर्सिटी 1960 में बनी थी वहां पर इस समय हमारे पास 48 पी.जी. डिपार्टमैंटस हैं ।

Mr. Speaker : I am talking about the Under-Graduate College, UTD College i.e. University Teaching Department Degree Colleges.

Smt. Geeta Bhukkal Matanhail : Speaker Sir, there are two constituent colleges i.e. University College of Education and College of Kurukshetra, in which PG and all streams i.e. Art, Commerce, Science & Engineering, I mean to say that all courses of graduate are there.

Mr. Speaker : Therefore, I want to ask you that whether there is a college in Kurukshetra?

Smt. Geeta Bhukkal Matanhail : Yes Sir. There is a college in the premises of Kurukshetra University.

Mr. Speaker : Hon'ble Mr. Arora ji, you want to know that if there is a Government College in Kurukshetra? The reply of the Minister is that there is one College in Kurukshetra University.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल यह है कि पूरे हरियाणा में कुरूक्षेत्र जिला ही ऐसा है जहां पर गवर्नमैंट कालेज नहीं है बाकी दूसरे सभी जिलों में जहां पर यूनिवर्सिटी भी है, वहां भी कालेज है इसलिए क्या कुरूक्षेत्र में भी सरकार गवर्नमैंट कालेज बनाने का काम करेगी ?

श्री अनिल धंतौड़ी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदया से पूछना चाहूंगा कि क्या भविष्य में मेरे शाहबाद मारकंडा में भी कोई सरकारी कालेज खोलने का प्रावधान है और अगर है तो मंत्री महोदया बताएं ? शाहबाद मारकंडा में 1888 से म्यूनिसिपल कमेटी है वह बहुत पुराना शहर और धार्मिक नगरी है । वहां से देश का सबसे बड़ा नेशनल हाई वे नं01 भी गुजरता है । क्या वहां पर गवर्नमैंट कालेज खोलने का कोई प्रावधान है यदि है तो मंत्री महोदया कृपया बता दें और अगर कोई प्रावधान नहीं है तो कृपा करके मेरे यहां पर एक गवर्नमैंट कालेज खोलने की कृपा करें ।

Mr. Speaker : This is a request for a Government College in Shahabad. No need to reply.

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से शिक्षा मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि इन्होंने वैसे तो कलायत हल्के के विकास के लिए बहुत प्रयास किए हैं । इनके प्रयासरत रहने के बावजूद भी वहां इलिट्रेसी रेट बहुत ज्यादा है । कलायत में एक कपिल मुनि कॉलेज खोला हुआ है । पिछली बार जब ये सदस्या थी तब भी ये बहुत प्रयासरत रहीं कि गवर्नमैंट उस कालेज को अंडरटेक करे। सौभाग्य से आज ये शिक्षामंत्री हैं तो मैं इनसे पूछना चाहूंगा कि क्या उस कॉलेज को अंडरटेक करेंगे ?

श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सम्मानित सदस्य को बताना चाहूंगी कि मै यह मानती हूं कि कलायत शिक्षा के क्षेत्र में बहुत पिछड़ा हुआ रहा है । हाल ही में हमने वहां दो मॉडल स्कूल दिये हैं, जिनकी गवर्नमैंट ऑफ इंडिया से मंजूरी हुई थी । एक कस्तूरबा गांधी विद्यालय वहां दिया है और जिस कपिल मुनि कालेज के बारे में ये बात कर रहे हैं वह कालेज की शेप में नहीं है बल्कि एक ट्यूशन सैंटर के रूप में काम कर रहा है। म्यूनिसिपल कमेटी ने उस कपिल मुनि को 9.5 एकड़ लैंड दी है पहली बात तो वह लैंड उस कालेज के नाम नहीं है । बहुत जरूरी है कि कलायत में कालेज बनाया जाए और इसके लिए सरकार पूरा प्रयास करेगी लेकिन जिस ऐग्जिस्टिंग कपिल मुनि कालेज की बात ये कर रहे हैं, उसके नाम जमीन ही ट्रांसफर नहीं हुई है।

Mr. Speaker : But you are committed to make a college there. Even it is no longer to your constituency.

श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल : अध्यक्ष महोदय, इस समय यह कहना बिल्कुल ठीक नहीं रहेगा क्योंकि कलायत में जो कपिल मुनि कालेज है, वह कालेज की शेप में नहीं है।

Mr. Speaker : She is not committing to make a college there.

Starred question no. 452

Mr. Speaker : Hon'ble Members, this question was asked yesterday also. So, I am skipping this question.

(The starred question No. 452 was skipped)

Construction of Fly Over

***359. Shri Devender Kumar Bansal :** Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state whether there is any proposal to construct a Fly-Over on Railway Track in Sector-19, Panchkula.

PWD (B&R) Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : No, Sir.

श्री देवेन्द्र कुमार बंसल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि सैक्टर -19 पंचकूला का जो एरिया है, उसके ऊपर फ्लाईओवर पुल बनाने की बात मैंने रखी है। इसके लिए हमारी म्युनिसिपल कमेटी के पास प्रौपर फंड है। 5 करोड़ रुपये की राशि हमारे पास है इसके अलावा जो उस फ्लाईओवर की रिक्वायरमैंट्स हैं, उन्हें भी हम पूरी कर सकते हैं। तो क्या मंत्री जी हमारे फंड को देखते हुए कोई प्रपोजल बनाकर कोई ऐसा प्रौजेक्ट पास करएंगे, जिससे सैक्टर-19 में फ्लाईओवर बन जाए ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, जहां ये आर.ओ.बी. मांग रहे हैं उससे केवल 600 मीटर दूर एन.एच.-22, सैक्टर-19 पंचकूला में एक आर.ओ.बी. हम बना रहे हैं इसलिए 600 मीटर के अंदर दो आर.ओ.बी. हम नहीं बना सकते हैं।

Mr. Speaker : I think that reply should satisfy him.

श्री सुभाष चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पलवल शहर के अंदर बाई-पास पर पुल बनाए जा रहे हैं या नहीं । यदि बनाए जा रहे हैं तो वे कब तक बनेंगे ? दूसरी बात ये है कि वहां ऐक्वायरमैंट की जा रही है, जबकि वहां ऐक्वायरमैंट की जरूरत नहीं है। 195 फुट और 204.5 फुट 37 कर्म, 36 कर्म और 35 कर्म में रकबा आलरेडी टूटा हुआ है इसलिए वहां ऐक्वायरमैंट न की जाए, यह मेरा निवेदन है।

श्री अध्यक्ष : इनकी ये रिक्वैस्ट है, you may not answer.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सर, वैसे तो मैं कल ही इसका जवाब दे चुका हूं।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आपकी रिक्वैस्ट नोट कर ली गई है।

The District Palwal Cooperative Agriculture Rural & Development Bank Limited

***401. Shri Subhash Chaudhary :** Will the Cooperation Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open the District Palwal Primary Cooperative Agriculture Rural and Development Bank Ltd. at Palwal ; if so, the time by which the said bank is likely to be opened at the District Headquarter ?

Cooperation Minister (Sardar Harmohinder Singh Chatha) : No, Sir.

श्री सुभाष चौधरी : अध्यक्ष महोदय, जब पलवल जिले का नम्बर आता है तो नो का जवाब दिया जाता है । इस प्रकार से तो हमें हरियाणा के नक्शे से ही हटा दो तो हम कहीं और से देख लेंगे । पलवल में कोआप्रेटिव बैंक खोलने की मांग मैं पिछले साल से कर रहा हूं । (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : You may only ask your supplementary.

श्री सुभाष चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या हमारे पलवल जिला में कोआप्रेटिव बैंक का कार्यालय खोलने की कृपा करेंगे या नहीं क्योंकि पलवल में फरीदाबाद से ज्यादा ग्रामीण क्षेत्र है ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा : अध्यक्ष महोदय, छोटा बेटा हमेशा प्यारा होता है । पलवल सबसे छोटा जिला है और नया बना है । माननीय सदस्य थोड़ी सी तकलीफ करें और उस एरिया में रिकवरी थोड़ी सी बढ़वायें । आपका बैंक घाटे में चल रहा है । होडल का बैंक भी घाटे में चल रहा है । पलवल का बैंक घाटे में चल रहा है । वहां पर रिकवरी मिनिमम है। ये रिकवरी को बढ़वा दें तो हम वहां पर बैंक खोल देंगे ।

श्री सुभाष चौधरी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी हमारे से ही रिकवरी बढ़वाने की बात कह रहे हैं और आप बैंक नहीं खोल रहे हैं । (शोर एवं विघ्न) (हंसी)

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, पलवल में बैंक खोलने में दिक्कत ये है कि क्योंकि वहां पर सारे बैंक घाटे में चल रहे हैं । मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदेश में और कितने ऐसे बैंक घाटे में चल रहे हैं और यह बैंक खोलने के क्या नार्म्स हैं ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा : अध्यक्ष महोदय, 19 बैंक इस समय जीरो में चल रहे हैं। बाकी जहां नहीं चल रहे हैं हम कोशिश कर रहे हैं कि वहां रिकवरी बढ़ाई जाये। हमने बहुत कोशिश की है इसलिए कुछ रिकवरी बढ़ी भी है । मैं माननीय सदस्य से कहना चाहता हूं कि

माननीय सदस्य वहां पर जाकर थोड़ा सा उद्यम करें और माजरा साहब आप भी वहां जाकर कुछ उद्यम करें तो । will be very glad और हम भी प्रयास करेंगे कि बहुत जल्दी ही वहां बैंक खोल दें ।

श्री सुभाष चौधरी : अध्यक्ष महोदय, रिकवरी हमसे करा रहे हैं ।

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, गोहाना कोआप्रेटिव सैंट्रल बैंक की बिल्डिंग का टैण्डर वर्ष 2006 में हुआ था । नवम्बर में उसका टैण्डर फाईनल हो गया था। लेकिन उस पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है और कोई काम शुरू नहीं हुआ है । वे टैण्डर जो पास हुए थे उनका क्या हुआ ? इसके बारे में मंत्री जी बतायेंगें ।

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य से प्रार्थना करूंगा कि वे इस बारे में मुझे सैपरेट नोटिस दें दें ।

Mr. Speaker: Hon'ble Member, please send a separate notice to the Minister in this regard.

Desilting of Bhakra Canal

***542. Dr. Ajay Singh Chautala :** Will the Irrigation Minister be pleased to state when Bhakra canal from Abubshahar to Ziro head was desilted/cleaned togetherwith the intervals at which the canal is required to be desilted/cleaned?

Finance Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) : Sir, Bhakra Canal from Abubshahar to Zero Head i.e. from RD 432000 to 449500 was desilted/ cleaned during September 2006 and April, 2009. The canal is cleaned at an interval of 2-3 years depending upon the quantuim of slush/weed in the canal.

डॉ. अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि इस नहर की सफाई पर वर्ष 2009 में कितना पैसा खर्च हुआ है और क्या सफाई के दौरान इस नहर को बन्द करने के लिए पहले स्वीकृति ली गई या नहीं और यह नहर सफाई के लिए कितने समय तक बन्द रही ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, यह जो भाखड़ा मेन ब्रान्च है यह फतेहाबाद और सिरसा जिले को फीड करती है और यह भाखड़ा मेन कैनाल से निकलती है । यह अबूब शहर से शुरू होती है जो आर.डी. 32000 पर पड़ती है । जो माननीय सदस्य ने बात पूछी है उसके बारे में मैं इनको बताना चाहूंगा कि पहले तो यह सितम्बर, 2006 में साफ की गई उस समय इस पर 8 करोड़ 98 लाख रूपये खर्च किए गये और वर्ष 2009 में 7 करोड़ 56 लाख रूपये सफाई पर खर्च किए गये । यह बात बिल्कुल सही है कि इसमें जो सरदूल ब्रान्च और सरहिन्द फीडर इसके बैक फेस में आता है । यह नहर लगातार चलती रहती है तो इसलिए इसमें काफी डिविडिंग हो जाती है । अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को आश्वासन देना चाहूंगा कि हम 30.6.2011 तक

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

इसकी दोबारा डिविडिंग करा देंगें । मैं समझता हूं कि तेजाखेड़ा डिस्ट्रीब्यूट्री भी इसके द्वारा फीड की जाती है । बिलयाली जो हैड है यहां से यह ओरिजनेट करती है । माननीय सदस्य की मंशा इसकी डिविडिंग करवाने की है तो हम 30.6.2011 तक इसकी डिविडिंग करवा देंगें ।

डॉ. अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय का इस बात के लिए धन्यवाद करना चाहूंगा कि इन्होंने कहा कि डिविडिंग करवा देंगें । अध्यक्ष महोदय, ये जो 2009 में सफाई की बात कह रहे हैं उसके बारे में मैं कहना चाहूंगा कि जहां तक मुझे जानकारी है जीरो हैड पर सफाई नहीं हुई । दूसरी बात मैं इनसे यह कहना चाहता हूं कि उसकी कितनी स्वीकृति ली गई और कितने समय तक यह बंद रखी गई ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, यह कितने दिन बन्द रखी गई, इसकी मेरे पास अभी जानकारी नहीं है लेकिन मैं इतना जरूर कहूंगा कि हमने उस समय सफाई करवाई थी और उस पर 7.56 लाख रूपये खर्च हुए थे । मैं जानता हूं कि यह इनका एरिया है । आने वाले समय में 11 लाख रूपये खर्च करके चाहे वह बन्द करनी पड़े, आपके इलाके में विशेषकर तेजाखेड़ा डिस्ट्रीब्यूट्रीज में दबादब पानी चलाएंगें।

श्री प्रदीप चौधरी : अध्यक्ष महोदय, हमारा जो कालका विधानसभा क्षेत्र है उसमें पिंजौर ब्लाक, रायपुररानी ब्लाक , बरवाला ब्लाक का काफी क्षेत्र शिवालिक का एरिया है । हमारे यहां नहरों का कोई ऐसा प्रावधान नहीं है और न ही कोई पानी के साधन हैं । हमारे यहां छोटे-मोटे किसान हैं, उबड़-खाबड़ क्षेत्र है । सिंचाई के लिए बांध बनाने का काम शुरू किया गया है। दमदमा क्षेत्र में भी बांध बनाने का काम शुरू किया गया था । उसको मंजूर हुए एक साल हो गया है लेकिन अभी तक उस पर काम शुरू नहीं हुआ । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि दलोकड़ा, नंदपुर में जो छोटे छोटे डैम बनाए गए थे उनके एरियाज को भी बढ़ाया जा सकता है । ऐसे ही रायपुररानी एरिया में भूंढ का क्षेत्र है, कम्बाले का एरिया है वहां पर भी सिंचाई के साधनों की कमी है । हमारे यहां सिंचाई के साधन नहीं हैं । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार की हमारे यहां सिंचाई के साधनों के लिए बांध बनाने की कोई योजना है ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में ये सैपरेट नोटिस दे दें । ये शिवालिक एरिया की बात कर रहे हैं । हम सिरसा के एक कोने की बात कर रहे हैं और ये दूसरे कोने में पहुंच गए । 31 करोड़ रूपये की स्कीम हमने बना रखी है जिसके तहत छोटे छोटे चैक डैम बनाएंगें । ये मुझे पर्सनली मिल लें या फिर मुझे लिखकर दें दें हम इनको जवाब दे देंगे ।

Repair of Sewerage Lines in Rania

***579. Shri Krishan Lal Kamboj :** Will the Public Health Engineering Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the sewerage lines in Rania City; if so, the

time likely to be taken to repair the said sewerage lines ?

Excise & Taxation Minister (Smt. Kiran Chaudhary) : No, Sir. There is no damaged sewer in Rania City.

श्री कृष्ण लाल कम्बोज : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने मेरे प्रश्न के जवाब में तो पहले ही मना कर दिया लेकिन यह तथ्य की बात है कि मेरे ख्याल से कम से कम 10 मकान सीवरेज की वजह से गिर चुके हैं । उन में से शायद 2-3 मकानों की मुरम्मत के लिए ही डी.सी. की तरफ से पैसे दिए गए हैं । कागजों में तो ये हमारे शहर के बारे में बता रहे हैं कि वहां सीवरेज व्यवस्था खराब नहीं है लेकिन वास्तव में हमारे शहर की सीवरेज व्यवस्था बहुत खराब हालत में हैं । हमारे यहां सारी सड़कें टूटी हुई पड़ी हैं । पानी जो आगे जाता है उसकी सप्लाई की आगे कोई व्यवस्था नहीं है। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां से एक किलोमीटर पर एक माइनर बनी हुई है जिसको बने हुए मेरे ख्याल से कम से कम 15 साल हो गए है लेकिन वह वैसे ही पड़ी हुई है इसलिए मेरी एक डिमांड है कि पाइप लाइन जोड़ कर उसमें पानी डाला जाए ।

श्री अध्यक्ष : यह एक डिमांड है इसलिए इसके रिप्लाई की जरूरत नहीं है ।

Smt. Kiran Chaudhary : Sir, would you allow me to clarify the position to put on record?

Mr. Speaker : O.K.

Smt. Kiran Chaudhary : Sir, for Rania, I want to say that the population of Rania was 20,958 (as per the census of 2001) and in 2009, a project was sanctioned amounting to Rs. 591.30 lacs which was approved on 23.1.09 और वह 2010 में कमीशनड हो गया है। In spite of it, it is not a very big town but still so much work has been done. ये कह रहे हैं सीवरेज डैमेज होते हैं लेकिन जो सीवरेज हैं they are not damaged, they get choked. The sewerage lines are absolutely alright. ये चोक इसलिए होते हैं कि ओपन रेन के दौरान जो पोलीथीन, जूट बैग्ज आदि पानी के साथ सीवरेज में आ जाते हैं और सीवरेज चौक हो जाते हैं । Actually, garbage connects to the main sewerage line and आगे जाकर प्रोब्लम होती है । We have received 25 complaints in December, 2010, 36 complained have been received in January, 2011 and 38 in February, 2011 and these complaints are redressed from time to time. The Hon'ble Member has brought this thing. He is also a representative of that area. यह मुहिम चलाया जाये कि जो प्लास्टिक बैग्ज हैं उनको ओपन ड्रेन में न डालें। प्लास्टिक बैग्ज सरकार की तरफ से तो पहले ही बैन हो चुके हैं। This is something which the people themselves are not aware and do not take care of और यह तो होता रहेगा। As far as the department is concerned, from time to time, मानसून आने से पहले हम लोग सभी सीवरेज लाईंज को हाईड्रोलिक

[Smt. Kiran Chaudhary]

मशींज से साफ करवाते हैं । इसी तरह से जो शिकायतें आती हैं उनको भी हम टाईमली रीड्रैस करवाते हैं। यदि कहीं कोई रह गये हैं तो माननीय सदस्य लिखकर भिजवा दें हम उनको भी रीड्रैस करवायेंगे । मैं सभी से अनुरोध करूंगी कि ओपन ऐन में जो पोलीथीन और जूट बैग्ज का गंद लोग डालते हैं उसके लिए हम लोग भी मुहिम चलायें । They should involve all the people of the area so that they may become well-aware about it.

Construction of Road

***404. Shri Krishan Lal Panwar :** Will the Agriculture Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new road from village Madlauda to village Jaushi-Majra of Panipat ; if so, the time by which the aforesaid road is likely to be constructed ?

Agriculture Minister (Sardar Paramvir Singh) : No, Sir.

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय कृषि मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि वहां लोगों ने खुद कलैक्शन करके अर्थ वर्क का काम पूरा कर रखा है क्या मंत्री जी वहां सड़क बनाने के लिए पुनर्विचार करेंगे ?

Mr. Speaker : Are you going to reconsider it?

Sardar Paramvir Singh : Sir, we will get it examined again.

कर्नल रघुबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि सरकार की बाढड़ा हल्के में कोई नई सड़क बनाने की योजना है । यदि हां तो कब तक बनाई जायेगी ? अध्यक्ष महोदय, मैंने मंत्री जी को बड़ी लम्बी सूची सड़क बनाने की दी हुई है।

Mr. Speaker: Send a separate notice in this regard.

Tharmal Plant at Khedar

***428. Shri Naresh Selwal :** Will the Power Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide employment to a member of each family whose land has been acquired for Khedar Power Plant ?

बिजली मंत्री (श्री महेन्द्र प्रताप सिंह) : हां, श्रीमान जी।

श्री नरेश सेलवाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जिन किसानों की जमीन खेदड़ पावर प्लांट के लिए अर्जित की गई है उनके परिवार के सदस्यों को नौकरी कब तक दी जायेगी ?

तारांकित प्रश्न संख्या 422

(इस समय माननीय सदस्य श्री दिलबाग सिंह, सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह प्रश्न नहीं पूछा गया ।)

Upgradation of School

***545. Dr. Bishan Lal Saini :** Will the Education Minister be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Secondary School of village Jamalpur falling in Block Mustafabad (Yamuna Nagar) to Senior Secondary School ; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the school of village Chamrori of Block Radaur ?

Education Minister (Smt. Geeta Bhukkal Matanhail) :

(a) No Sir.

(b) Yes Sir, the proposal regarding upgradation of Govt. High School Chamrori falling in Block Radaur is under consideration of the Government.

डॉ. बिशन लाल सैनी : अध्यक्ष महोदय, मेरे दो सवाल थे उनमें से एक का जवाब हाँ में है और दूसरे का जवाब ना में है । मुझे बहुत खुशी हुई कि कम से कम एक काम तो रादौर का हो गया है और मैं इसके लिए माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूँगा लेकिन मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूँ कि यह स्कूल कब तक अपग्रेड हो जायेगा?

श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहती हूँ कि जिस प्रकार से शिक्षा के क्षेत्र में हरियाणा ने बहुत ज्यादा तरक्की की है । हमारे माननीय मुख्य मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा हरियाणा को शिक्षा का हब बनाना चाहते हैं । यहाँ पर राईट टू ऐजूकेशन एक्ट लागू हो चुका है और शिक्षा हर बच्चे का अधिकार बन चुका है लेकिन हमारा भी यह दायित्व बनता है कि ज्यादा से ज्यादा बच्चे हम स्कूलों में लेकर आयें ताकि ड्रॉप आउट रेट को कंट्रोल किया जा सके । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूँगी कि नये नॉर्म्स के मुताबिक हमारे पास जो भी नाम अपग्रेडेशन के लिए आये हैं अगर बच्चों की संख्या की कमी के कारण स्कूल अपग्रेड नहीं हो पाये तो मैं इस सदन के माध्यम से यह कहना चाहूँगी कि हमें पूरी कोशिश करनी चाहिए कि बच्चों को जहाँ शिक्षा का अधिकार मिला है तो ज्यादा से ज्यादा बच्चों को एनरॉल करवायें ताकि बच्चों की कमी की वजह से स्कूल अपग्रेड होने से न बच जायें। जिस राजकीय उच्च विद्यालय जमालपुर का जिक्र माननीय सदस्य ने किया है वहाँ पर बच्चों की संख्या 90 है जबकि नॉर्म्स के मुताबिक 150 बच्चे होने चाहिएं जिसके कारण वह अपग्रेड

[श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल]

नहीं हो पा रहा है । अगर बच्चों की संख्या पूरी हो जायेगी तो हम देख लेंगे । इसी प्रकार से जिस राजकीय उच्च विद्यालय चमरोड़ी को हम अपग्रेड कर रहे हैं वहाँ पर भी कमरों की संख्या 11 है जबकि कमरों की संख्या 14 होनी चाहिए लेकिन बच्चों की संख्या जहाँ 150 होनी चाहिएं वहाँ पर 296 है । इसलिए हमने यह आश्वासन दिया है कि इस बार जब भी स्कूल अपग्रेड होंगे तो हम इसको अपग्रेड कर देंगे । इस गाँव की लगभग 1626 की जनसंख्या है। वहाँ पर प्राइमरी स्कूल भी है, हाई स्कूल भी है और बहुत अच्छी बात है कि इस स्कूल की बच्ची काजल ने 2008-09 में मैट्रिक की परीक्षा में काफी अच्छा परफोर्म किया था । इसके अलावा अगर पूरे यमुना नगर जिले की बात की जाये तो मैं बताना चाहूँगी कि मिडल स्कूल से हाई स्कूल हमने 13 अपग्रेड किये हैं, हाई स्कूल से सीनियर सैकेंड्री 11 अपग्रेड किये हैं और इसी प्रकार से प्राइमरी से मिडल 4 स्कूल अपग्रेड किये हैं । अध्यक्ष महोदय, अगर आपकी अनुमति हो तो मैं सम्मानित सदन को यमुना नगर जिले के जो बाकी स्कूल अपग्रेड हुए हैं, उनके नाम भी बता दूँ ताकि यमुनानगर के जो हमारे बाकी सदस्य हैं उनको भी पता चल जाये कि कौन-कौन से स्कूल अपग्रेड हुए हैं ।

Mr. Speaker: Hon'ble Minister, you may read.

श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल : मिडल से हाई स्कूल में राजकीय उच्च विद्यालय नाचरौन, कोटला, काठकड़, कालेश्र, रामपुर खेदड़, सोलेमन कोही, पहाड़पुर कलां, खोडन, बीबीपुर, सासौली, शादीपुर, सुडौली, यमुनानगर और बक्करवाला । हाई स्कूल से सीनियर सैकेण्डरी जो 11 अपग्रेड हुए हैं उनमें बिलासपुर, माछरौली, मुगलवाली, छछरौली, भटौली, हरीपूर कम्बोज । गवर्नमैंट सीनियर सैकेण्डरी स्कूल जगाधरी, गवर्नमैंट सीनियर सैकेण्डरी स्कूल सढौरा, गवर्नमैंट सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, फतेहगढ़ टुंडी, गवर्नमैंट सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, ढोढर और डाम्बोल । गवर्नमैंट प्राईमरी टू मिडल चार स्कूल अपग्रेड किए हैं । ये हैं-गवर्नमैंट प्राईमरी स्कूल वापा, गवर्नमैंट प्राईमरी स्कूल उन्हेड़ी, गवर्नमैंट प्राईमरी स्कूल सादरी, गवर्नमैंट प्राईमरी स्कूल फतेहगढ । मिडल टू हाई जो स्कूल अपग्रेड किए हैं वे इस प्रकार हैं- गवर्नमैंट मिडल स्कूल हामिसपुर, गवर्नमैंट मिडल स्कूल छोटाबास । सर, मैं यह सदन की नालेज के लिए बता रही हूं । चाहे सदस्यों ने स्कूल की अपग्रेडेशन के लिए केस नहीं भी भेजें होंगे, तब भी हमने यह अपग्रेड किए हैं । सर, गवर्नमैंट मिडल स्कूल पालोवाल, गवर्नमैंट मिडल स्कूल, टीफीपुर, गवर्नमैंट मिडल स्कूल छोटाबास, गवर्नमैंट मिडल स्कूल, खरेड़ा माडल टाउन, गवर्नमैंट मिडल स्कूल, पोटली, गवर्नमैंट मिडल स्कूल राजेहड़ी, गवर्नमैंट मिडल स्कूल, थासा ठक्कड, गवर्नमैंट मिडल स्कूल, मानसपुरा, गवर्नमैंट मिडल स्कूल, गिरहेड़ी, गवर्नमैंट मिडल स्कूल, हडताल, गवर्नमैंट मिडल स्कूल, दौलतपुर। सर, मैं सारे हरियाणा की ही स्टेटमैंट बता देती हूं । प्राईमरी टू मिडल स्कूल 1072, मिडल टू हाई स्कूल 2067 और हाई टू सीनियर सैकेण्डरी स्कूल 419 और कुल मिलाकर 1758 स्कूल अपग्रेड किए गए हैं ।

Construction of General Bus Stand at Gharaunda

***606. Shri Narender Sangwan :** Will the Transport Minister be

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, खेदड़ प्लांट के लिए 1998 में जमीन ऐक्वायर की गई थी । उस समय ऐसी कोई नीति नहीं थी कि जिस किसान की जमीन ऐक्वायर होगी उसके परिवार के सदस्यों को नौकरी दी जायेगी । लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी ने किसानों के हित को सर्वोपरि समझते हुए 2007 में एक आर.एंड आर. पोलिसी निर्धारित की जिसके तहत यदि एक परिवार की 2 एकड़ से ज्यादा जमीन ऐक्वायर होगी तो उसके परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जायेगी । इस पौलिसी के मुताबिक हम नौकरी देने भी जा रहे हैं । यह प्लांट तकरीबन एक साल पहले और कौमर्शियल आपरेशन करीबन 7-8 महीने पहले शुरू हुआ है । इसके लिए जो पात्र परिवार हैं उनके सदस्यों की क्वालीफिकेशन के आधार पर एप्लीकेशंज ली गई हैं । तकरीबन 527 एप्लीकेशन हमें मिली हैं जो परिवार उस पोलिसी के अंदर आते हैं । उनकी जांच प्रक्रिया इस वक्त चल रही है । जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद हम उनको पॉवर प्लांट्स में या जहां उपलब्ध होंगी, नौकरी प्रदान करेंगे ।

श्री कृष्ण लाल पंवार : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि पानीपत थर्मल पावर प्लांट सन 1974-75 में कमीशंड हुआ था उस समय वहां के लैंड लूजर किसानों के बच्चों को नौकरियां दी गई थी लेकिन कुछ किसान ऐसे थे जिनके बच्चे इस लाभ से वंचित रह गये थे, क्या मंत्री जी उनको नौकरी दिलवाने के बारे में विचार करेंगे ?

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि वे इसके लिए मुझे सैपरेट नोटिस दें उसके बाद स्थिति को पूरी तरह से ऐग्जामिन करवाकर इनको जवाब दे दिया जायेगा ।

Mixing of Pure Drinking Water with Contaminated Water

***409. Shri Ghanshyam Saraf :** Will the Public Health Engineering Minister be pleased to state—

(a) the steps being taken to over-come the problem of seepage of contaminated sewerage water in the clean drinking water due to construction of sewerage water treatment plant near the Public Health Engineering Department Water Works.

(b) whether it is a fact that the aforesaid treatment plant was proposed to be constructed on Dhana road, if so, the reasons for not constructing it on the aforesaid site; I and

(c) the time by which the aforesaid treatment plant is likely to be constructed togetherwith the time by which the public of Bhiwani is likely to be benefited by it ?

Excise & Taxation Minister (Smt. Kiran Chaudhary) :

(a) Sewage Treatment Plant is not being constructed near the Public Health Engineering Department water works. Only an intermediate pumping station is being constructed near the

[Smt. Kiran Chaudhary]

Public Health Engineering Department water works at Bhiwani. The structure will be a water tight Reinforced Cement Concrete structure and there will not be any contamination of drinking water from this Pumping Station. इसमें कोई कन्टामिनेशन नहीं होगा।

(b) No, Sir. The aforesaid pumping station is proposed to be constructed near old water works as per the original proposal. However, the Sewage Treatment Plant is to be constructed on Dhana Road as per original proposal.

(c) The intermediate pumping station is likely to be completed by December, 2011 along with rising main and Sewage Treatment Plant on Dhana Road and the public of Bhiwani will be benefited by this infrastructure by the end of January, 2012.

श्री घनश्याम सर्राफ : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि मेरे हल्के में एक मांगल गांव है जिसका वाटर टैंक धंस गया था । क्या उसको दोबारा बनवाया जायेगा और जिन अधिकारियों और ठेकेदार ने यह अनियमितता की थी क्या उनके खिलाफ कोई ऐक्शन लिया जायेगा ?

Mr. Speaker: You may please send your complaint in writing.

श्रीमती किरण चौधरी : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि जिस गांव के वाटर टैंक की ये बात कर रहे हैं उसको दोबारा बनवा दिया जायेगा और जिन अधिकारियों ने इस मामले में अनियमितता बरती थी, उनके खिलाफ डिपार्टमैंटल ऐक्शन ले लिया गया है ।

श्री घनश्याम सर्राफ : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या भिवानी में सीवरेज सफाई कर्मचारियों की कमी है, अगर कमी है तो उसको कब तक पूरा कर लिया जायेगा?

श्री अध्यक्ष : यह पृथक प्रश्न है । वैसे भिवानी मंत्री जी का भी शहर है यहाँ आपको किसी चीज की कमी नहीं होगी ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहती हूँ कि माननीय सदस्य बिल्कुल फिक्र ना करें क्योंकि भिवानी हमारा भी शहर है और आने वाले समय में यह कमी भी पूरी कर ली जायेगी । न केवल भिवानी की बल्कि पूरे हरियाणा में जो-जो खामियाँ रह गई हैं उनको दूर कर लिया जायेगा । अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को विशेष तौर से बताना चाहूँगी कि सीवरेज ट्रीटमैंट प्लांट का जो अवार्ड होना था वह भी 25 मार्च, 2011 को दे दिया जायेगा और 30 मार्च, 2011 तक वाटर वर्क्स का अवार्ड भी हो जायेगा । सभी काम बहुत तेजी से चल रहे हैं माननीय सदस्य को चिन्ता करने की जरूरत नहीं होनी चाहिए ।

pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a General Bus Stand at Gharaunda ?

परिवहन मंत्री (श्री ओम प्रकाश जैन) : नहीं, श्रीमान् जी।

श्री नरेन्द्र सांगवान : अध्यक्ष महोदय, घरौंडा जो कस्बा है उसकी आबादी लगभग पचास हजार के करीब है । वहां से जो लड़कियां कालेजों में जाती हैं उनके लिए बसिज नहीं रुकती हैं और अगर रुकती भी हैं तो आगे जाकर रुकती हैं जिसकी वजह से लड़कियों को भागकर बसिज को पकड़ना पड़ता है इस कारण वहां कभी भी हादसा हो सकता है । मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जो वहां पर बस स्टैंड की जगह है उस पर क्या वे बस स्टैंड बनाएंगे ? मंत्री जी की तो वहां पर सुसराल भी है बस स्टैंड बनाने की वहां पर सख्त जरूरत है इसलिए क्या वे वहां पर बस स्टैंड बनाएंगे ?

श्री ओम प्रकाश जैन : अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी ने गलत कहा है । जिस दिन मैं मंत्री बना था उस दिन ही मैंने पब्लिकली कहा था कि घरौंडा वालों का आधा हिस्सा भी मेरा है । ऐसी बात नहीं है कि वहां पर बसिज नहीं रुकती, घरौंडा में बसिज रुकती हैं । घरौंडा पानीपत और करनाल के बीच में है । बीस किलोमीटर वह पानीपत से है और इतना ही वह करनाल से भी है । हमने वहां पर एक बस क्यू शैल्टर 2.60 लाख रुपये की लागत से बनाया हुआ है । मैं स्वंय घरौंडा का विकास चाहता हूं इसलिए मैं सदस्य महोदय से कहना चाहूंगा कि इस बारे में हम गहनता से विचार करेंगे ।

To Implement the Registry System

***583. Shri Dharam Singh Chhoker** : Will the Revenue and Disaster Management Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to introduce registration system for Shamlat Deh land of 12 Muslim villages (Rana Majra, Kundla, Garhi Besak, Jalalpur II, Ramal, Pathargarh, Tamasabad, Nawada Aar, Nawada Par, Nagla Aar, Nagla Par and Dhansouli) of Bapouli block in Samalkha Constituency ; if so, the time by which the aforesaid registration system is likely to be introduced ?

Revenue Minister (Shri Satpal Sangwan) : No Sir.

श्री धर्म सिंह छोकर : अध्यक्ष महोदय, हमारे समालखा विधान सभा क्षेत्र के करीब 12 मुस्लिम गांवों की आबादी यमुना के साथ बसी हुई है । मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि क्या इन गांवों की शामलातदेह भूमि के लिए रजिस्ट्रेशन सिस्टम आरम्भ करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ? मेरा मंत्री जी से निवेदन है कि मेरे सवाल के बारे में एक कमेटी बनाकर कोई निर्णय लेने का आश्वासन मंत्री महोदय दें । (विघ्न)

P.W.D. (B & R) Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Speaker Sir, I just want to bring one fact to your notice that first time in the history of Haryana Vidhan Sabha under your leadership, we were on

[Shri Randeep Singh Surjewala]

question No. 15. Speaker Sir, I want to express gratitude on behalf of the whole House to you, the way you conducted the House. Everybody has participated and we have been able to reach on 15th question, otherwise, normally 10 to 12 questions used to take up in the Question Hour. (Interruption).

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now, the Question Hour is over. (Interruption).

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Brick-Lining of Dadupur—Nalvi Canal

***439. Shri Anil Dhantori :** Will the Irrigation Minister be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government for brick-lining of Dadupur-Nalvi Canal; and

(b) the food prevention measures formulated and likely to be implemented for District Kurukshetra particularly for Shahbad and Thanesar blocks ?

वित्त मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) :

(क) नहीं श्रीमान् जी।

(ख) श्रीमान् जी, कुरुक्षेत्र जिले को बाढ़ से बचाने के लिए सरकार ने जनवरी, 2011 में 2649.71 लाख रुपये की लागत से 13 योजनाओं को स्वीकृत किया है। इन योजनाओं में 627.25 लाख रुपए की लागत की 4 योजनाएं शाहबाद तथा थानेसर ब्लाकों की सम्मिलित हैं।

Saline Drinking Water

***596. Shri Raghubir Singh Tewatia :** Will the Public Health Engineering Minister be pleased to state whether it is a fact that the drinking water is saline in the villages namely Dudhaula, Amru, Meerapur, Badhaula in District Palwal of Prithla Constituency and Bhanakpur, Nangla-Jogian,

Harfala, Mohalla, Kaboolpur Bangar and Sikrona etc., District Faridabad ; if so, the steps taken by the Government to supply potable drinking water in the aforesaid villages ?

आबकारी एवं कराधान मंत्री (श्रीमती किरण चौधरी) : जी हां श्रीमान्, अमरु, मीरापुर और बधौला गांवों को छोड़ कर गांव नंगल जोगियान, हरफला, मौहल्ला, कबूलपुर बांगर और सिकरौना के लिए वैकल्पिक पीने योग्य पानी के स्रोत उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। दुधौला और भनकपुर गांवों के लिए स्वच्छ पेयजल प्रदान करने के लिए क्रमशः 126 लाख रुपये और 162 लाख रुपये के अनुमान तैयार किए जा चुके हैं और इन्हें अगले वित्त वर्ष में अनुमोदित करवाया जाएगा।

Village Bhoda Kalan

***618. Shri Ganga Ram :** Will the Revenue and Disaster Management Minister be pleased to state whether it is a fact that village Bhoda Kalan of District Gurgaon falls within Pataudi Block, but instead of placing it in Tehsil Pataudi, it has been placed in Tehsil Farukh Nagar ; if so, the time by which the aforesaid anomaly is likely to be removed ?

राजस्व मंत्री (श्री सतपाल सांगवान) : हां श्रीमान् जी, मामले में दिनांक 31.3.2011 के बाद विचार किया जायेगा क्योंकि प्रशासनिक सीमाओं में जनगणना कार्य समापन होने तक कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता।

The Number of PHC, CHC and General Hospitals in the State

***443. Shri Abhey Singh Chautala :** Will the Health Minister be pleased to state —

(a) the number of PHC, CHC and General Hospitals in the state ;

(b) the number of posts of Doctors, Specialists and Para Medical Staff sanctioned for each PHC, CHC and General Hospital; and

(c) the number of Doctors, Specialists and Para Medical Staff posted in each PHC, CHC and General Hospital togegherwith the number of vacancies in the aforesaid categories ?

स्वास्थ्य मंत्री (राव नरेन्द्र सिंह) : श्रीमान् जी, एक वक्तव्य सदन के पटल पर रखा गया है।

वक्तव्य

(क) 441 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 111 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और 53 सामान्य अस्पताल

[राव नरेन्द्र सिंह]

(ख)

(i) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

क्र. सं.	पदनाम	नं.
1.	चिकित्सा अधिकारी	एक
2.	महिला चिकित्सा अधिकारी	एक
3.	दन्तक सर्जन	एक
4.	औषधकारक	एक
5.	स्टाफ नर्स	एक
6.	प्रयोगशाला तकनीशियन	एक
7.	सेवादार	एक
8.	स्वीपर	एक

(ii) सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

क्र. सं.	पदनाम	नं.	विशेष
1.	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	एक	1 वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी और 5 विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारी, 1 फिजिशियन, एक शल्य चिकित्सक, एक गायनोकोलोजिस्ट, एक बाल रोग विशेषज्ञ, एक हड्डी रोग विशेषज्ञ और एक ऐनेस्थटिस्ट होना चाहिए।
2.	विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारी	पांच	
3.	चिकित्सा अधिकारी	दो	
4.	दन्तक सर्जन	एक	
5.	रेडियोग्राफर	एक	
6.	औषधकारक	दो	
7.	नर्सिंग सिस्टर	एक	
8.	पब्लिक हैल्थ नर्स	एक	
9.	प्रयोगशाला तकनीशियन	एक	
10.	स्टाफ नर्स	छः	
11.	लेखाकार	एक	
12.	स्टैनो टाईपिस्ट	एक	
13.	लिपिक	एक	
14.	चालक	एक	
15.	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	सोलह	ड्रेसर 1, वार्ड बाय–2, स्वीपर–3, माली–1 चौकीदार–1, आया–1, सेवादार–1, चतुर्थ श्रेणी–5 और धोबी–1

(iii) सामान्य अस्पताल

क्र. सं.	पदनाम	200 बिस्तरीय	100 बिस्तरीय
1.	चिकित्सक	36 से 55 के बीच में	
2.	दन्तक सर्जन	1	1
3.	आडियोमैटरिस्ट	1	—
4.	फिजियोथिरापिस्ट	1	1
5.	बायोकैमिस्ट	1	—
6.	मैट्रन	1	1
7.	नर्सिंग सिस्टर	10	5
8.	स्टाफ नर्स	45	26
9.	सहायक मैट्रन	1	—
10.	डायटीशियन	1	—
11.	रेडियोग्राफर	1	1
12.	औषधकारक	5	5
13.	प्रयोगशाला तकनीशियन	4	3
14.	दन्तक मैकेनिक	1	—
15.	शल्य कक्ष सहायक	2	2
16.	सफाई निरीक्षक	1	—
17.	मुख्य लिपिक	1	1
18.	लेखाकार	1	1
19.	लिपिक	2	2
20.	कैशियर	1	1
21.	स्टोर कीपर	3	2
22.	केयर टेकर/स्टेवार्ड	1	—
23.	स्टैनोग्राफर	1	—
24.	इलैक्ट्रिशियन	1	1
25.	पलम्बर	1	1
26.	मुख्य कुक	1	—
27.	धोबी	5	3
28.	कारपेंटर/पेंटर	1	1
29.	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी (स्वीपर इत्यादि)	94	60

[राव नरेन्द्र सिंह]

(ग)

(i) जिला अम्बाला

संस्था का नाम	चिकित्सक			दन्तक सर्जन			पैरा मैडिकल		
	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
सामान्य अस्पताल, अम्बाला शहर	23	28	—	2	2	0	38	33	5
ट्रामा केन्द्र	14	12	2	0	0	0	23	11	12
सामान्य अस्पताल, अम्बाला छावनी	12	10	2	1	1	0	36	34	2
सामान्य अस्पताल, नारायणगढ़	12	12	0	1	1	0	30	21	9
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चौड़मस्तपुर	8	5	3	1	1	0	16	13	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नग्गल	2	2	0	1	1	0	7	6	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पंजोखड़ा	2	2	0	1	1	0	7	5	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नूरपुर	2	2	0	1	1	0	7	4	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, माजरी	2	2	0	1	1	0	7	6	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बोह	2	2	0	1	1	0	5	5	0
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, शहजादपुर	5	5	0	1	1	0	18	9	9
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कुराली	2	1	1	1	1	0	7	3	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अम्बली	2	2	0	1	1	0	7	4	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पतरेड़ी	2	2	0	1	1	0	7	7	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मुलाना	8	8	0	1	1	0	16	10	6
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बराड़ा	5	5	0	1	1	0	16	10	6
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नौहनी	2	2	0	1	1	0	7	5	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उगाला	2	1	1	1	1	0	7	7	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सभलहेड़ी	2	1	1	1	1	0	8	7	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बीहटा	2	2	0	1	1	0	8	5	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, साहा	2	2	0	1	0	1	4	2	2
(ii) जिला भिवानी									
सामान्य अस्पताल	36	31	5	3	2	1	135	107	28
सामान्य अस्पताल, दादरी	12	8	4	1	0	1	33	33	0
सामान्य अस्पताल, बवानी खेड़ा	3	0	3	1	1	0	4	3	1
सामान्य अस्पताल, सिवानी	6	5	1	1	1	0	7	6	1

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
सामान्य अस्पताल, देवराला	2	1	1	1	0	1	3	2	1
के.एल.जे. नैत्र अस्पताल	5	5	0	0	0	0	13	12	1
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बौन्द	5	3	2	1	0	1	22	21	1
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, धनाना	3	1	2	1	1	0	15	13	2
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, गोपी	5	3	2	1	0	1	21	18	3
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, झोझू	8	6	2	1	1	0	26	23	3
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कैरू	5	3	2	1	0	1	24	18	6
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लोहारू	8	5	3	1	0	1	25	14	11
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मानहेडू	5	4	1	1	1	0	22	20	2
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मीरान	5	2	3	1	1	0	17	12	5
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, तोशाम	8	2	6	1	1	0	19	19	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बामला	2	1	1	1	1	0	16	15	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खरक कलां	2	1	1	1	1	0	13	11	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रानीला	2	0	2	1	1	0	15	14	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अचीना	2	1	1	1	0	1	18	17	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सांवड़	2	1	1	1	0	1	16	15	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मानकावास	2	1	1	1	1	0	13	11	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जूई	2	2	0	1	1	0	14	12	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दिनोद	2	1	1	1	1	0	14	13	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ढाणी माहू	2	0	2	1	0	1	14	12	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, तालू	2	1	1	1	0	1	13	12	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अलखपुरा	2	1	1	1	0	1	13	11	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सूई	2	1	1	1	1	0	15	12	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुरां	2	2	0	1	1	0	9	7	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चांग	2	0	0	1	1	0	15	15	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बारवा	2	2	0	1	1	0	9	8	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गूरेरा	2	2	0	1	0	1	12	9	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, लिलस	2	2	0	1	0	1	13	10	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, झूपा कलां	2	2	0	1	0	1	16	13	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सोहासरा	2	2	0	1	0	1	12	10	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बहल	2	1	1	1	0	1	19	17	2

[राव नरेन्द्र सिंह]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नकीपुर	2	1	1	1	0	1	13	11	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ढिगावा	2	1	1	1	0	1	11	10	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बलकरा	2	1	1	1	0	1	12	11	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सन्तोखपुरा	2	2	0	1	0	1	12	12	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, माई कलां	2	1	1	1	0	1	13	12	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हड़ोदी	2	1	1	1	0	1	14	12	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कादमा	2	2	0	1	0	1	14	13	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, छप्पार	2	1	1	1	1	0	14	13	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बाढड़ा	2	1	1	1	0	1	15	13	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बिरान	2	2	0	1	0	1	14	14	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जमालपुर	2	2	0	1	0	1	13	12	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बुशन	1	1	0	1	0	1	11	10	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सांडवा	2	1	1	0	0	0	10	10	0
पी.पी.सी./आर.बी.सी.	3	3	0	0	0	0	34	34	0
सिविल डिस्पैंसरी, हुडा	1	1	0	1	1	0	3	3	0
(iii) जिला फरीदाबाद									
बी.के. अस्पताल	36	39	—	2	3	—	92	62	30
सामान्य अस्पताल, बल्लभगढ़	12	7	5	1	1	0	29	20	9
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, खेड़ी कलां	3	2	1	1	1	0	17	15	2
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कुराली	5	2	3	1	0	1	25	14	11
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पाला	2	2	0	1	1	0	12	11	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, तिगांव	2	2	0	1	1	0	10	6	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पाली	2	3	—	1	1	0	12	12	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, धौज	2	1	1	1	1	0	9	7	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अनंगपुर	2	2	0	1	1	0	10	9	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, फतेहपुर बिलोच	2	0	2	1	1	0	3	0	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मोहना	2	2	0	1	1	0	9	8	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पाली मोहब्बताबाद	2	2	0	1	1	0	0	0	0

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पनहेरा खुर्द	2	2	0	1	1	0	12	9	3
(iv) जिला फतेहाबाद									
सामान्य अस्पताल	32	32	0	2	2	0	49	38	11
सामान्य अस्पताल, टोहाना	12	8	4	1	1	0	32	29	3
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, भट्टू कलां	5	4	1	1	1	0	57	37	20
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रतिया	8	7	1	1	0	1	65	37	28
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, भूना	8	3	5	1	0	1	60	49	11
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जाखल	8	10	—	1	1	0	50	37	13
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बनगांव	2	2	0	1	0	1	5	3	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़ोपल	2	2	0	1	0	1	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भोथन कलां	2	2	0	1	0	1	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बिरढ़ाना	2	2	0	1	1	0	5	2	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नेहला	2	1	1	1	1	0	5	5	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, महमूदपुर रोही	2	2	0	1	0	1	5	3	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, झलनिया	2	0	2	1	0	1	5	3	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पिरथला	2	2	0	1	0	1	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, समैण	2	2	0	1	0	1	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कुलां	2	2	0	1	0	1	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मामुपुर	2	3	—	1	0	1	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मियोद कलां	2	2	0	1	0	1	5	2	3
(v) जिला गुड़गांव									
सामान्य अस्पताल	36	57	—	2	2	0	79	75	4
सामान्य अस्पताल, सोहना	8	6	2	1	1	0	22	15	7
सामान्य अस्पताल, हेली मण्डी	7	2	5	1	1	0	9	6	3
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पटौदी	12	10	2	1	1	0	32	18	14
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, फरुखनगर	5	4	1	1	1	0	18	13	5
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बंबोला	3	1	2	1	1	0	9	3	6
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मन्दपुरा	2	1	1	1	1	0	12	9	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भोड़ाकलां	2	2	0	1	1	0	11	8	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कासन	2	2	0	1	1	0	10	6	4

[राव नरेन्द्र सिंह]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भंगरौला	2	2	0	1	1	0	10	9	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गढ़ी हरसरू	2	1	1	1	1	0	10	7	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गुड़गांव गांव	2	1	1	1	1	0	10	9	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बजीराबाद	2	2	0	1	1	0	11	11	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दौलताबाद	2	1	1	1	1	0	5	2	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बादशाहपुर	2	1	1	1	1	0	9	7	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भौंडसी	2	2	0	1	1	0	9	5	4
(vi) जिला हिसार									
सिविल सर्जन, कार्यालय	0	0	0	0	0	0	137	127	10
सामान्य अस्पताल	36	34	2	2	2	0	109	97	12
तपेदिक अस्पताल, हिसार	3	4	—	0	0	0	9	2	7
उप--सिविल सर्जन (मलेरिया)	0	0	0	0	0	0	237	205	32
सामान्य अस्पताल, हांसी	12	11	1	1	1	0	20	20	0
सामान्य अस्पताल, आदमपुर	8	6	2	1	1	0	15	13	2
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिसवाल	5	4	1	1	1	0	16	11	5
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मंगाली	5	4	1	1	1	0	13	11	2
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, आर्यनगर	5	3	1	1	1	0	14	14	0
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बरवाला	8	3	5	1	1	0	18	13	5
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, उकलाना	8	4	4	1	0	1	16	11	5
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिसाय	5	4	1	1	1	0	14	12	2
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सोरखी	3	3	0	1	0	1	9	9	0
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नारनौंद	5	2	3	1	1	0	16	13	3
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मिर्चपुर	5	2	3	1	1	0	0	0	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, काजलान	2	1	1	1	1	0	10	6	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, धोबी	2	2	0	1	1	0	7	4	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, न्योली कलां	2	2	0	1	0	1	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चूली बागड़िया	2	2	0	1	0	1	8	6	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कैमरी	2	2	0	1	0	1	7	7	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नलवा	2	2	0	1	0	1	6	5	1

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, तलवंडी रूका	2	1	1	1	0	1	6	4	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, लाडवा	3	2	1	1	1	0	0	0	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चौधरीवास	2	1	1	1	0	1	7	6	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बालसमन्द	2	1	1	1	0	1	7	6	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गावड़	2	2	0	1	0	1	6	5	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सातरोड़ कलां	2	2	0	1	0	1	8	8	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अग्रोहा	2	1	1	1	0	1	7	4	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, धांसू	2	0	2	1	1	0	7	6	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, लांधड़ी	2	2	0	1	0	1	9	8	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दौलतपुर	2	2	0	1	0	1	6	2	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पाबड़ा	2	2	0	1	1	0	8	7	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हसनगढ़	2	2	0	1	0	1	8	3	5
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, डाटा	2	2	0	1	0	1	7	7	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गुराना	2	1	1	1	0	1	6	4	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उमरा	2	2	0	1	1	0	8	8	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुठी सनैण	2	2	0	1	0	1	6	5	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुठी मंगल खां	1	1	0	1	0	1	6	5	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बास	2	1	1	1	0	1	12	11	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, थुराना	2	1	1	1	0	1	1	1	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खाण्डाखेड़ी	2	2	0	1	0	1	7	5	2
(vii) जिला जीन्द									
सामान्य अस्पताल	32	22	10	2	2	0	60	53	7
सामान्य अस्पताल, नरवाना	12	7	5	1	1	0	52	37	15
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सफीदों	10	6	4	1	0	1	46	45	1
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जुलाना	6	3	3	1	1	0	48	47	1
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, उचाना	12	8	4	1	1	0	45	44	2
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, उझाना	2	2	0	1	0	1	47	44	3
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कालवा	2	1	1	1	1	0	40	37	3
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कण्डेला	5	3	2	1	1	0	38	39	1

[राव नरेन्द्र सिंह]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, खड़क रामजी	3	3	0	1	1	0	38	38	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हाठ	1	0	1	1	0	1	10	10	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मुवाना	1	0	1	1	1	0	11	9	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जै जैवन्ती	1	1	0	1	0	1	9	9	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शामलो कलां	2	1	1	1	1	0	8	8	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, निडाना	1	1	0	1	0	1	9	9	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिंसर	2	1	1	1	0	1	8	7	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, छातर	1	0	1	1	0	1	10	7	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, डुमरखां खुर्द	2	2	0	1	0	1	10	8	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दुर्जनपुर	2	1	1	1	0	1	8	5	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अमरगढ़	2	1	1	1	0	1	8	5	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, धनौरी	2	1	1	1	0	1	8	6	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दनोदा कलां	2	2	0	1	0	1	9	7	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, धमतान साहिब	2	1	1	1	1	0	8	6	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, धातरथ	1	1	0	1	1	0	9	8	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रजाना कलां	2	1	1	1	0	1	8	6	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिवनभल	2	0	2	1	0	1	7	7	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अलेवा	2	1	1	1	0	1	7	7	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, डोला	2	0	2	1	0	1	9	8	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, घोघड़ियां	2	1	1	1	0	1	8	6	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दरियावाला	2	2	0	1	1	0	9	8	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रामराय	2	1	1	1	0	1	8	6	2
(viii) जिला झज्जर									
सामान्य अस्पताल	33	34	—	2	2	0	49	48	1
सामान्य अस्पताल, बहादुरगढ़	14	21	—	1	1	0	46	42	4
सिविल डिस्पैंसरी	1	1	0	1	1	0	0	0	0
सामान्य अस्पताल, बेरी	2	2	0	0	0	0	1	1	0
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डिघल	6	7	—	1	1	0	21	18	3

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जमालपुर	8	6	2	1	1	0	21	15	2
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ढाकला	8	4	4	1	1	0	21	15	2
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, छारा	3	2	1	1	0	1	13	13	0
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, दुबलधन	4	4	0	1	0	1	21	16	5
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बादली	6	2	4	1	1	0	15	11	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बाढ़सा	2	2	0	1	0	1	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जहांगीरपुर	2	2	0	1	0	1	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, छुड़ानी	2	2	0	1	0	1	5	5	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दुजाना	2	2	0	1	1	0	5	5	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भंभेवा	2	1	1	1	0	1	5	5	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खरड़	7	6	1	1	0	1	9	9	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बहु झोलरी	2	2	0	1	0	1	5	3	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बिरोहड़	2	1	1	1	0	1	5	3	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मातनहेल	2	2	0	1	0	1	5	5	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, साल्हावास	2	1	1	1	1	0	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिलानी	2	1	1	1	0	1	5	5	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मछरौली	2	1	1	1	0	1	5	5	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, तुम्बाहेड़ी	2	1	1	1	0	1	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कनोदा	2	2	0	1	0	1	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गुणा माजरा	2	1	1	1	0	1	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जसौर खेड़ी	2	1	1	1	0	1	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, माण्डोटी	2	2	0	1	1	0	5	5	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, छुछकवास	2	2	0	1	1	0	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दुबलधन माजरा	3	2	1	1	0	1	5	3	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जहाजगढ़	2	2	0	1	1	0	5	3	2
(ix) जिला करनाल									
सामान्य अस्पताल	22	35	—	2	2	0	111	106	5
सामान्य अस्पताल, नीलोखेड़ी	12	7	5	1	1	0	27	21	6
सामान्य अस्पताल, असन्ध	14	4	10	1	1	0	22	13	9
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, तरावड़ी	5	3	2	1	1	0	11	9	2

[राव नरेन्द्र सिंह]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, निसिंग	4	3	1	1	1	0	14	14	1
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बलाह	3	2	1	1	1	0	5	5	0
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, घरौंडा	8	2	6	1	1	0	10	9	1
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, इन्द्री	7	4	3	1	1	0	16	10	6
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, निगदू	2	2	0	1	0	1	3	3	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सगा	2	2	0	1	0	1	3	3	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बरोटा	2	2	0	1	1	0	3	3	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जुण्डला	2	2	0	1	1	0	4	4	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, साम्मली	2	2	0	1	1	0	3	3	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सालवन	1	0	1	1	0	1	3	3	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कुटैल	2	2	0	1	1	0	3	3	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चौरा	1	1	0	1	1	0	3	3	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गगसीना	2	2	0	1	0	1	3	3	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़सत	2	2	0	1	1	0	3	2	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पोपड़ा	2	2	0	1	0	1	3	3	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उपलाना	2	1	1	1	1	0	3	3	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जलमाना	2	1	1	1	1	0	4	4	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भादसों	2	2	0	1	0	1	3	3	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, घीर	2	2	0	1	0	1	3	3	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खुखनी	2	2	0	1	0	1	3	3	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कुंजपुरा	2	1	1	1	1	0	4	4	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मधुबन	2	2	0	1	1	0	3	3	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, काछवा	1	1	0	1	1	0	3	3	0
(x) जिला कैथल									
सामान्य अस्पताल	32	38	—	2	2	0	21	17	4
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, गुहला	8	7	1	1	1	0	47	28	19
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, राजौंद	5	4	1	1	0	1	32	19	12
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कौल	5	3	2	1	1	0	27	10	17
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुण्डरी	5	2	3	1	0	1	23	14	9
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सीवन	6	6	0	1	1	0	36	23	13

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कलायत	8	4	4	1	1	0	43	22	21
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खड़कन	1	1	0	1	0	1	6	3	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कंगथली	2	2	0	1	0	1	12	6	6
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भांगल	2	2	0	1	1	0	7	5	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, किठाना	2	2	0	1	0	1	7	4	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जाखौली	2	2	0	1	1	0	7	4	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, करोड़ा	2	4	—	1	0	1	8	4	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ढाण्ड	2	3	—	1	0	1	9	6	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रसिना	1	1	0	1	1	0	8	5	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पाई	2	2	0	1	0	1	8	4	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हाबड़ी	2	1	1	1	0	1	8	2	6
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मुण्डरी	2	2	0	1	0	1	8	5	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पाड़ला	2	2	0	1	0	1	8	5	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, क्योड़क	1	2	—	1	0	1	9	7	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बाता	2	2	0	1	0	1	6	5	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बालू	1	1	0	1	0	1	7	4	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, देबण	1	2	—	1	0	1	8	7	1
(xi) जिला कुरुक्षेत्र									
एल.एन.जे.पी. अस्पताल	32	44	—	2	2	0	56	55	1
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लाडवा	8	8	0	1	0	1	26	26	0
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पेहवा	8	7	1	1	1	0	25	20	5
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, शाहबाद	8	7	1	1	1	0	19	18	1
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, झांसा	3	2	1	1	0	1	7	4	3
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मथाना	5	6	—	1	1	0	15	15	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बबैण	2	2	0	1	1	0	11	7	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गुढ़ा	2	2	0	1	1	0	9	4	5
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, टाटका	2	3	—	1	1	0	7	5	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सियाना सैदन	2	2	0	1	1	0	8	8	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ठसका मिरांजी	2	1	1	1	1	0	8	5	3

[राव नरेन्द्र सिंह]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रामगढ़ रोड	2	1	1	1	0	1	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कलसाना	2	1	1	1	1	0	11	9	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ढोल	2	2	0	1	0	1	6	5	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, इस्माईलाबाद	2	2	0	1	1	0	9	7	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, डीघ	2	2	0	1	0	1	10	9	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अमीन	2	2	0	1	1	0	6	5	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बरना	2	2	0	1	0	1	11	10	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, धुराला	2	1	1	1	1	0	10	7	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, किरमच	2	0	2	1	0	1	10	9	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खानपुर कोलियां	2	2	0	1	1	0	10	8	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पीपली	2	2	0	1	1	0	8	8	0
टी.बी. क्लीनिक, कुरुक्षेत्र	1	1	0	0	0	0	4	4	0
सिविल डिस्पैंसरी, थानेसर	1	1	0	1	1	0	1	1	0
जिला जेल, कुरुक्षेत्र	2	2	0	0	0	0	1	1	0
(xii) जिला मेवात									
सामान्य अस्पताल	32	24	8	2	0	2	40	7	33
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नूंह	12	6	6	1	1	0	44	19	25
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुन्हाना	5	5	0	1	1	0	31	10	21
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, फिरोजपुर झिरका	8	4	4	1	0	1	33	14	19
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, घसेरा	2	1	1	1	1	0	19	11	8
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उजीना	2	1	1	1	1	0	17	10	7
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, तावडू	3	3	0	1	1	0	19	13	6
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, एम.पी. अहीर	2	2	0	1	1	0	15	7	8
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नगीना	3	0	2	1	1	0	18	6	12
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मरोड़ा	2	1	1	1	1	0	17	3	14
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बिवन	2	2	0	1	0	1	15	2	13
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पिनंगवां	2	1	1	1	0	1	20	8	12
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शिंगार	2	1	1	1	1	0	20	8	12
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, तिगांव	2	1	1	1	1	0	18	3	15

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(xiii) जिला नारनौल									
सामान्य अस्पताल	32	21	11	2	1	1	50	28	22
टी.बी. अस्पताल	1	0	1	0	0	0	4	2	2
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, महेन्द्रगढ़	12	5	7	1	1	0	21	13	8
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, अटेली	8	3	5	1	0	1	22	15	7
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कनीना	5	0	5	1	1	0	21	11	10
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नांगल चौधरी	5	4	1	1	1	0	20	11	9
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नांगल सिरौही	5	2	3	1	1	0	14	4	10
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सतनाली	1	0	1	1	1	0	11	8	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, माधोगढ़	2	2	0	1	0	1	6	4	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पाली	2	2	0	1	1	0	6	4	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बाच्छोद	2	1	1	1	1	0	7	3	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सीमा	2	1	1	1	0	1	7	3	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मुण्डिया खेड़ा	2	0	2	1	0	1	1	2	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भोजावास	2	2	0	1	1	0	7	4	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिरोही बहाली	2	1	1	1	0	1	7	4	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बायल	2	1	1	1	1	0	7	1	6
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बुद्धवाल	2	1	1	1	1	0	7	4	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अन्तरी	2	1	1	1	0	1	7	4	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बामनवास	2	2	0	0	0	0	3	1	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मालड़ावास	2	1	1	1	0	1	4	0	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शेहलंग	3	2	1	1	1	0	11	6	5
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, धनोन्दा	2	1	1	1	1	0	7	6	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दोचाना	3	1	2	1	0	1	14	8	6
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रामपुरा	2	1	1	1	1	0	6	3	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बलाहकलां	2	1	1	1	0	1	6	2	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चिलरो	2	1	1	1	0	1	4	2	2

[राव नरेन्द्र सिंह]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(xiv) जिला पानीपत									
सिविल सर्जन, कार्यालय	9	6	3	0	0	0	11	11	0
भीम सैन सच्चर, सामान्य अस्पताल	34	38	—	2	2	0	59	53	6
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, समालखा	8	6	2	1	0	1	21	21	0
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, अहरा	4	3	1	1	1	0	26	25	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बापोली	2	2	0	1	0	1	20	19	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पट्टी कल्याणा	2	1	1	1	1	0	16	16	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चुलकाना	2	2	0	1	1	0	14	14	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नारायणा	2	1	1	1	1	0	15	15	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, आटा	2	2	0	1	0	1	7	7	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नौल्था	2	1	1	1	1	0	19	19	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, माण्डी	2	3	—	1	1	0	23	23	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कदि	2	2	0	1	1	0	17	18	—
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सींख	2	2	0	1	1	0	15	14	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मतलौडा	2	1	1	1	1	0	17	13	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिवाह	2	1	1	1	1	0	13	13	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, काबड़ी	2	2	0	1	1	0	25	21	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उझा	2	1	1	1	0	1	15	12	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उग्राखेड़ी	2	1	1	1	1	0	15	15	0
शहरी मलेरिया स्कीम	0	0	0	0	0	0	7	7	0
जेल डिस्पैंसरी	2	1	1	0	0	0	1	1	0
(xv) जिला पंचकूला									
सामान्य अस्पताल	51	59	—	3	4	—	109	104	5
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कालका	12	12	0	1	1	0	50	30	20
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रायपुररानी	8	9	—	1	1	0	27	21	6
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मोरनी	2	2	0	1	1	0	14	9	5
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पिंजौर	2	2	0	1	1	0	19	11	8
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुराना पंचकूला	2	2	0	1	1	0	16	14	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नानकपुर	2	2	0	1	1	0	9	7	2

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बरवाला	2	2	0	1	1	0	12	8	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हंगोला	2	3	—	1	1	0	12	5	7
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कोट	2	3	—	1	1	0	12	7	5
(xvi) जिला पलवल									
सामान्य अस्पताल	31	26	5	2	2	0	42	17	25
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, हथीन	8	5	1	1	1	0	13	2	11
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, औरंगाबाद	5	4	1	1	1	0	11	3	8
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, होडल	8	6	2	1	1	0	13	8	5
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, दुधोला	3	3	0	1	1	0	6	3	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अमरपुर	2	1	1	1	1	0	3	2	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अलावलपुर	2	2	0	1	1	0	3	1	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सोलेरा	2	1	1	1	1	0	3	0	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रसूलपुर	2	2	0	1	1	0	3	0	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नग्गल जाट	2	1	1	1	0	1	3	0	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मण्डकोला	2	2	0	1	1	0	4	0	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उटवार	1	1	1	1	1	0	3	1	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हसनपुर	2	1	1	1	1	0	5	1	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, तपा	2	1	1	1	1	0	3	0	3
उप जेल	1	0	1	0	0	0	1	1	0
(xvii) जिला रोहतक									
सामान्य अस्पताल	32	36	—	2	2	0	61	61	0
सामान्य अस्पताल, महम	12	8	4	1	1	0	73	70	3
सामान्य अस्पताल, कलानौर	12	13	—	1	1	0	68	63	5
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, किलोई	6	4	2	1	1	0	59	60	—
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चिड़ी	5	4	1	1	0	1	35	34	1
सामुदायिक, स्वास्थ्य केन्द्र, सांपला	8	5	3	1	1	0	49	58	—
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मदीना	5	1	4	1	1	0	15	11	4
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कहानौर	5	2	3	1	1	0	17	12	5
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खरावड़	2	2	0	1	1	0	7	7	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हसनगढ़	2	1	1	1	1	0	6	6	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भालौट	2	2	0	1	1	0	7	7	0

[राव नरेन्द्र सिंह]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सांघी	2	1	1	1	1	0	6	6	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पाकसमा	2	2	0	1	1	0	7	6	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, धिलोड़कलां	2	2	0	1	0	1	6	6	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, लाखनमाजरा	2	1	1	1	0	1	3	3	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, समरगोपालपुर	2	2	0	1	1	0	13	13	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मोखरा	2	2	0	1	1	0	6	6	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गिरावड़	2	2	0	1	1	0	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बलम्भा	2	3	—	1	1	0	8	8	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, फरमाना बादशाहपुर	2	2	0	1	0	1	6	7	—
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पिलाना	2	1	1	1	0	1	5	4	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बनियानी	2	2	0	1	1	0	7	7	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बालन्द	2	2	0	1	1	0	11	11	0
(xviii) जिला रिवाड़ी									
सामान्य अस्पताल	18	31	—	2	2	0	55	35	20
सामान्य अस्पताल, कोसली	8	5	3	1	1	0	15	10	5
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बावल	8	6	2	1	1	0	15	12	3
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, खोल	3	2	1	1	1	0	10	7	3
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मीरपुर	5	5	0	1	1	0	15	12	3
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, गुरावड़ा	3	2	2	1	1	0	15	8	7
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नाहर	8	3	2	1	1	0	15	10	5
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कसोला	2	2	0	1	1	0	7	4	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, टांकड़ी	2	1	1	1	0	1	7	5	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, संघवाड़ी	2	1	1	1	0	1	7	4	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बासदुदा	2	2	0	1	1	0	7	6	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भाड़ावास	2	2	0	1	1	0	7	5	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, धारूहेड़ा	2	2	0	1	1	0	7	5	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जाटुसाना	2	0	2	1	1	0	7	4	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, डहीना	2	2	0	1	1	0	7	3	4

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, फतेहपुरी	2	1	1	1	0	1	7	4	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गुड़ियानी	2	1	1	1	1	0	7	4	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बावा	2	1	1	1	0	1	7	4	3
(xix) जिला सिरसा									
सामान्य अस्पताल	18	24	—	2	2	0	51	42	9
ट्रामा सैंटर सामान्य अस्पताल, सिरसा	14	0	14	0	0	0	24	16	8
ट्रेनिंग स्कूल	0	0	0	0	0	0	6	6	0
जिला मलेरिया अधिकारी, सिरसा	0	0	0	0	0	0	5	2	3
सामान्य अस्पताल, चौटाला	6	4	2	1	1	0	13	10	3
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डबवाली	8	7	1	1	1	0	32	20	12
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ओढ़ां	8	7	1	1	1	0	24	15	9
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रानिया	4	2	2	1	0	1	28	16	12
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ऐलनाबाद	7	4	3	1	1	0	29	16	13
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गोरीवाला	2	1	1	1	0	1	14	7	7
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जोलावाली	2	2	0	1	0	1	18	12	6
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, देशूजोधा	2	2	0	1	0	1	14	10	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कालूआना	2	2	0	1	0	1	11	6	5
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, माधोसिंघना	3	1	2	1	1	0	21	16	5
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दड़बी	2	2	0	1	0	1	16	10	6
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पनिहारी	1	2	—	1	1	0	14	11	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नाथूश्रीचौपटा	2	1	1	1	0	1	22	18	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रंधावा	2	2	0	1	0	1	13	8	5
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दड़वाकलां	2	2	0	1	0	1	15	11	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, डिंग	2	1	1	1	0	1	12	10	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़ा गुढ़ा	3	1	2	1	1	0	26	16	10
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रोड़ी	2	2	0	1	1	0	20	11	9
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कालांवाली	2	2	0	1	0	1	21	12	9
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पन्नीवाला मोटा	2	1	1	1	1	0	11	8	3
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खारियां	2	2	0	1	1	0	16	10	6

[राव नरेन्द्र सिंह]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, केहरवाला	2	2	0	1	0	1	16	8	8
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भालेखां	2	1	1	1	0	1	15	11	4
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जगमलेरा	2	2	0	1	0	1	15	4	11
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दादु	2	1	1	0	0	0	0	0	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गंगा	2	0	2	1	0	1	0	0	0
(xx) जिला सोनीपत									
सामान्य अस्पताल	33	34	—	2	2	0	55	53	2
सामान्य अस्पताल, गोहाना	8	7	1	1	0	1	42	41	1
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मुडलाना	4	3	1	1	1	0	24	23	1
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़खालसा	5	2	3	1	1	0	20	19	1
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, गन्नौर	8	7	1	1	1	0	38	37	1
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जुंआ	3	2	1	1	1	0	18	18	0
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, खरखौदा	3	4	—	1	1	0	24	24	0
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, फिरोजपुर बांगड़	5	3	2	1	1	0	14	12	2
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खानपुर	2	0	2	1	0	1	6	6	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रूखी	2	1	1	1	1	0	6	6	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, लाठ	2	1	1	1	1	0	6	6	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भैंसवाल	2	2	0	1	1	0	7	7	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बनवासा	2	1	1	1	1	0	8	8	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मदीना	2	2	0	1	0	1	6	6	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सरगथल	2	1	1	1	0	1	5	5	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बुटाना	2	1	1	1	1	0	8	8	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जागसी	2	2	0	1	0	1	6	5	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जखौली	2	2	0	1	2	—	6	6	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हलालपुर	2	1	1	1	1	0	7	7	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दुभेटा	2	1	1	0	0	0	6	6	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मोईमाजरी	1	0	1	1	0	1	7	7	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बेगा	2	1	1	1	0	1	7	7	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुरखास	4	3	1	1	1	0	7	7	0

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, माहरा	2	2	0	1	0	1	6	6	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मुरथल	2	2	0	1	1	0	7	7	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बुटाना जफराबाद	2	2	0	1	0	1	6	6	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भठगांव	2	1	1	1	1	0	6	6	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, फरमाना	4	2	2	1	1	0	6	6	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रोहट	2	1	1	1	0	1	6	6	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बिधलान	2	1	1	1	1	0	5	5	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिसाना	2	2	0	1	0	1	5	5	0
(xxi) जिला यमुनानगर									
मुकुन्द लाल सामान्य अस्पताल	18	18	0	2	2	0	46	39	7
सामान्य अस्पताल, जगाधरी	9	11	—	1	1	0	26	22	4
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मुस्तफाबाद	6	3	3	1	1	0	27	19	8
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, खिजराबाद	3	2	1	1	0	1	21	8	13
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बिलासपुर	3	0	3	1	1	0	44	18	26
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सढ़ौरा	8	4	4	1	1	0	23	13	10
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रादौर	8	5	3	2	1	1	42	22	20
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नाहरपुर	6	5	1	1	0	1	40	27	13
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भम्भोल	2	2	0	1	1	0	17	9	8
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अरनौली	2	2	0	1	1	0	15	6	9
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खारवान	2	2	0	1	1	0	17	6	11
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कोट मुस्तरका	1	0	1	1	0	1	17	6	11
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, छछरौली	2	2	0	1	0	1	16	8	8
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हैबतपुर	1	0	1	1	1	0	3	2	1
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मुगलावाली	2	1	1	1	0	1	3	3	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रसूलपुर	2	1	1	1	1	0	14	8	6
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अलाहार	2	2	0	1	0	1	17	8	9
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कलानौर	2	2	0	1	1	0	17	11	6
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सबेपुर	2	2	0	1	1	0	16	9	7
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बुड़िया	2	1	1	1	1	0	13	5	8
हुडा डिस्पैंसरी	1	1	0	1	1	0	3	3	0

विभाग में विशेषज्ञों का कोई पृथक काडर नहीं है।

Repair of Roads in Badhra Constituency

***383. Col. Raghbir Singh :** Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the following roads in Badhra Constituency.

(i) Dadri to Dhani Phogat-Patuwas ;

(ii) Village Adampur Dadhi to Dadhi Chhillor ;

(iii) Village Tikan to Kheri Sansanwal-Mehrana ;

(iv) Village Mori to Gothra ;

(v) Village Balkara to Mandoli ;

(vi) Village Datauli to Changrod ;

(vii) Village Palri to Balrod ;

(viii) Village Govindpura to Khorda ;

(ix) Village Kari Dharni to Kari Rupa-Sirsali Damdma-Dwarka ;

(x) Village Badrai to Sohri ;

(xi) Village Kadma to Dhani Bhalitea ;

(xii) Village Kakroli Hukmi to Ladawas-Shyamkalan ;

(xiii) Village Gopalwas to Dhani Gujjar ;

(xiv) Village Jawa to Jhojhu Kalan ;

(xv) Village Kalyana to Charkhi Dadri ;

(b) If so, the time by which the work for repair is likely to be started and completed ?

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : श्रीमान् जी, जवाब सदन के पटल पर रखा गया है।

विवरण

सड़क वार स्थिति निम्न प्रकार से है :—

क्र.सं.	सड़क का नाम	मरम्मत का प्रस्ताव विचाराधीन है	मरम्मत का कार्य शुरू एवं पूर्ण होने की समय अवधि
1.	दादरी से ढाणी फौगाट–पोतुवास	नहीं	लागू नहीं है
2.	गांव आदमपुर दाढ़ी से दाढ़ी छिल्लर	नहीं	लागू नहीं है
3.	गांव तिकान से खेड़ी संसनवाल महराना	नहीं	लागू नहीं है

क्र.सं.	सड़क का नाम	मरम्मत का प्रस्ताव विचाराधीन है	मरम्मत का कार्य शुरू एवं पूर्ण होने की समय अवधि
4.	गांव मोड़ी से गोठरा	हां	31.07.2011
5.	गांव बलकरा से मंदोली	नहीं	लागू नहीं है
6.	गांव दतौली से चांगरोड	नहीं	लागू नहीं है
7.	गांव पालड़ी से बालरोड	नहीं	लागू नहीं है
8.	गांव गोविन्दपुरा से खोरदा	नहीं	लागू नहीं है
9.	गांव कारी धरनी से कारी रूपासिरसाली दमदमा–द्वारका	नहीं	लागू नहीं है
10.	गांव बदराई से सोहड़ी	हां	30.06.2011
11.	गांव कादमा से ढाणी भालिटया	नहीं	लागू नहीं है
12.	गांव काकरोली हुकमी से लाडावास–श्यामकलां	हां	30.06.2011
13.	गांव गोपालवास से ढाणी गुज्जर	नहीं	लागू नहीं है
14.	गांव जावा से झोझू कलां	नहीं	लागू नहीं है
15.	गांव कल्याणा से चरखी दादरी ;	नहीं	लागू नहीं है

अनुपस्थिति की सूचना

Mr. Speaker : Hon'ble Members, please there is an announcement. (Interruption). I am to inform the House that I have received a communication from Shri Zile Ram Sharma, Chief Parliamentary Secretary expressing his inability to attend the sitting of the House today the 11th March, 2011 as he has to go to Delhi due to the illness of his wife.

अधीनस्थ विधान समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now, Shri Jagbir Singh Malik, MLA, Chairperson Committee on Subordinate Legislation will present the 39th Report of the Committee on Subordinate Legislation for the year 2010-11.

Chairperson Committee on Subordinate Legislation (Shri Jagbir Singh Malik) : Sir, I beg to present the 39th Report of the Committee on Subordinate Legislation for the year 2010-11.

सरकारी संकल्प

(i) बी.एम.एल. हांसी ब्रांच-बुटाना ब्रांच बहुउददेशीय योजक नहर को चालू करने के संबंध में

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now, the Finance Minister will move the Official Resolution. (Interruption).

Mr. Speaker : Mr. Arora rest assured that anything you want to raise you may raise but kindly cooperate with me.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * *

Mr. Speaker : Nothing is to be recorded which has been stated without the permission of the Chair. (Interruption).

Finance Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) : Sir I beg to move :

> "That the present Government gave a solemn promise to the people of Haryana in its manifesto and thereby constructed BML-Hansi Branch-Butana Branch multipurpose link channel in order to ensure equitable distribution of water to dry and arid regions of the State. The canal constructed at the cost of ` 392 crores will ensure fair and proper distribution of water out of the existing usage. This link channel will benefit 18 Districts of Haryana, namely Kaithal, Jind, Ambala, Yamunanagar, Bhiwani, Rewari, Mahendergarh, Rohtak, Jhajjar, Palwal, Faridabad, Gurgaon, Mewat, Karnal, Panipat, Sonepat, Kurukshetra and Hansi Tehsil of District Hisar. This link channel is an important lifeline of this State as it will translate dream of every Haryanvi in parched areas. This House unanimously passes a resolution for taking all necessary steps resulting in operationalizing of this multipurpose link channel."

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है । यह मामला हरियाणा के हर नागरिक के साथ जुड़ा हुआ है इसलिए पहले हम सरकार से इस बारे में प्रश्न पूछना चाहते हैं । (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात सुनें ।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, यह कौन सा रैजोल्यूशन है ? क्या यह सरकार का रैजोल्यूशन है या कांग्रेस पार्टी का रैजोल्यूशन है ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, पहले आप यह बात बतायें । (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : I will entertain. (Interruption) First listen to me.

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

I may saying something. Hon'ble Members please resume your seats. (Interruption) But listen to me. I want to say something. Hon'ble Members resume your seats. (Interruption) Do you have faith in me? मुझे पहले कहने तो दें । Let me say something. (Interruption)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, ये धक्का शाही कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Let me say something.

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, हम इस रैजोल्यूशन के हक में तो हैं लेकिन हम इस बारे में अपने विचार रखना चाहते हैं । इसमें 18 जिलों का नाम लिखा गया है और बाकी के तीन जिलों को छोड़ दिया गया है उनका क्या होगा। (शोर एवं व्यवधान) इसकी भाषा चेंज करनी पड़ेगी । (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय इंडियन नैशनल लोक दल के सभी सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर बोलने लगे ।)

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, आप खड़े हैं और ये लोग बैठ नहीं रहे। They have to sit down. (Interruption)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, इनको कल की बात याद रखनी चाहिए थी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, यह सदन का रैजोल्यूशन है। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I can understand your agitation. But day before when such a resolution was intended to be called, Members from this side, the opposition side said let there be a unanimous resolution of the House with regard to this issue. Therefore, the Government and the Hon'ble Minister has brought a resolution for passing unanimously. (interruption) Hon'ble Members, please, I have not completed it. (interruption)

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने घोषणा पत्र में नहीं कहा था । (शोर एवं व्यवधान) 18 जिलों को फायदा दिया गया है और जो तीन जिले रह गए हैं उनका क्या होगा ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, हम एक सुझाव देना चाहते हैं । हमारा अच्छा सुझाव है । (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम आप पर विश्वास करते थे लेकिन इस तरीके से नहीं जिस तरीके से हाउस को चलाया जा रहा है । अध्यक्ष महोदय, आप हाउस में यूनानीमसली रैजोल्यूशन एप्रूव करें । यह हाउस का रैजोल्यूशन है हम इस पर सहमत हैं लेकिन हम कांग्रेस के मैनीफैस्टो को नहीं मानेंगें । (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : I will read out :

> That this House unanimously passes a resolution for taking all necessary steps... (Interruption)

This House does not mean Congress. (Interruption) This House passes a resolution for taking all necessary steps resulting in operationalizing of this multipurpose link channel. It is not this side or that side. It is - this House. (Interruption)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, आप पहली लाइन पढें । (शोर एवं व्यवधान)

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, if they have already objection to the unanimous resolution, I withdraw this resolution. (noise and interruption)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, यह हाउस का रैजोल्यूशन है न कि कांग्रेस का घोषणा पत्र । (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : It is a House Resolution and not a Congress's resolution. (noise and interruption)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, ये इसको पौलिटिकल इशू बनाना चाहते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, they always used to put 'ifs' and 'buts' in this unanimity. Earlier also they have gone on record to say that there are technical flaws in this channel. They have repeatedly opposed this channel. But we wanted a cordial atmosphere. We wanted a consensus of the House. My learned friend Shri Chautala said that they will give the consensus. If they do not want to, then no matter of argument. If there is unanimity, I will withdraw the resolution moved by my learned friend Capt. Ajay Singh Yadav. As the Opposition is not agreed to, I withdraw the resolution. (Noise and interruption)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम हाउस के रैजोल्यूशन से सहमत हैं लेकिन चुनावी घोषणा पत्र से सहमत नहीं हैं । (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Alright Mr. Chautala, if you have an objection, I will record it. (Interruption)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इस पर सारी भाषा चेंज करनी पड़ेगी ।

Mr. Speaker : Hon'ble Chautala ji, please listen to me. (Interruption)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप इसको पास करने जा रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : आप सुनें तो सही । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप पास कर रहे हैं (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सुनें तो सही । (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी इस नहर के बनाने में सहमत नहीं हैं और we are committed to construct this canal for equal distribution of water. क्योंकि ओम प्रकाश चौटाला जी सहमत नहीं हैं वे हमेशा इसमें coma and full stop लगाते रहे हैं । So, I withdraw this Resolution.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, हम कोई कोमा, फुलस्टॉप नहीं लगा रहे । (शोर एवं व्यवधान) हम तो कह रहे हैं कि दो लाईन का रैजोल्यूशन लेकर आयें । (शोर एवं व्यवधान)

Shri Randeep Singh Surjewala: Sir, it is the version of the Leader of the Opposition. The record can be taken out. He said that the canal is technically flawed and it cannot be constructed.

डॉ. अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, पूरे सदन की मंशा है और सब लोग चाहते हैं, हम भी चाहते हैं । हमने पहले भी आपके समक्ष सहमति दी थी कि आप सभी पार्टीज को अपने ऑफिस में बिठा लें । इनको भी बुला लें, हमें भी बुला लें और बी.जे.पी. के सदस्यों को भी बुला लें ।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : निर्दलीय विधायक कहां जायेंगे ?

डॉ. अजय सिंह चौटाला : निर्दलीय विधायक तो आपकी सरकार में मंत्री बने हुए हैं। मेरे कहने का मतलब है कि सभी को बुला लें । सबकी सहमति कर लें, हम तैयार हैं । (शोर एवं व्यवधान)

Shri Randeep Singh Surjewala: Sir, there is no Committee bigger than this House. This House is sacrosanct. We have brought the Resolution here. Our learned friends have objections. Very well. Yesterday also we accepted Chautala Ji's suggestion. He is senior in age and we always accept his suggestions. Today again we are accepting. We

[Sh. Randeep Singh Surjewala]

withdraw the Resolution. But let it record that this Government headed by Ch. Bhupinder Singh Hooda is committed for construction of this canal. We will pursue construction of this canal. We will see to it that the parched area of Haryana, all these 18 districts starting from Kaithal to Rewari, will get this water. But if they oppose it, I withdraw this Resolution.

डॉ. अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, सिर्फ दो लाईन का रैजोल्यूशन आये सारा सदन सहमत है । हम हाथ खड़े करके तैयार हैं । (शोर एवं व्यवधान) ये लोग इस पर भी राजनीति करना चाहते हैं ।(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : प्लीज, आप मेरी बात सुनें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, भाई अजय सिंह जी ने जो बात कही है कि सदन के नेता, लीडर ऑफ दी अपोजीशन और दूसरे सभी पार्टी के सदस्यों को आप अपने ऑफिस में बुलाकर ड्रॉफ्ट तैयार करके सदन में रैजोल्यूशन ले आयें, हम सभी तैयार हैं ।

श्री नरेश कुमार बादली : अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : नरेश जी, प्लीज आप बैठें । (शोर एवं व्यवधान) आप सदन का ऐटमोसफीयर खराब न करें । (शोर एवं व्यवधान) अरोड़ा जी, पहले आप मेरी बात सुनें । मैं सदन की गरिमा खराब नहीं होने दूंगा और न ही मेरी ड्राईविंग सीट पर कोई बैठा है । देखिये अगर आप यह चाहते हैं कि इस रैजोल्यूशन को कांग्रेस की सरकार लेकर आई है और यह उनके मैनीफैस्टो में बी.एम.एल. का प्रॉमिस एक गलत प्रॉमिस था, तो आप कह दीजिएगा गलत प्रॉमिस था तो मैं इसको डिलिट करवा देता हूं । (विघ्न) मैं ट्रेजरी बैंचिज को, अपोजिशन और अदर मैंबर्ज को बताना चाहूंगा कि अपोजिशन सोचती है कि आपका रैजोल्यूशन गलत है, आप बी.एम.एल. बनाएंगे। उसके बावजूद भी हमको हाउस में यूनानीमिटी लानी है । अगर आपको इसी बात पर आना है तो मैं यह भी रिकार्ड करवा दूंगा कि ऑब्जैक्शन इस बात का है अदरवाईज सारा हाउस तैयार है ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, सवाल केवल इस बात का नहीं है । इनका ऑब्जैक्शन इस बात पर भी है कि जिन 18 जिलों को बी.एम.एल. से लाभ मिलेगा उनका नाम क्यों लिखा गया है । जिस इलाके के साथ अन्याय होता रहा अगर पानी का बंटवारा न्यायोचित करना है और आखिरी छोर तक पानी पहुंचाना है तथा उनका नाम लिख दिया गया तो क्या गलत है । बी.एम.एल. हमारी मैनीफैस्टो में थी यह तथ्य है इसको ये लोग स्वीकार क्यों नहीं करते । (शोर एवं व्यवधान) इसमें डिस्कशन की जरूरत ही नहीं है ।

Mr. Speaker : Is it a Congress Resolution or the House Resolution?

Voices : Sir, this is a House Resolution.

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, आप इस सदन की कार्यवाही निकलवाकर देखिए विभिन्न प्रकार की भाषाएं विपक्ष के माननीय साथियों द्वारा बोली गई हैं । कभी ये कहते हैं कि हांसी-बुटाना नहर टेक्नीकली सही नहीं है और कभी कहते हैं कि इस नहर के निर्माण पर पैसा पानी की तरह बहाया गया है । मैं यह चाहता हूं कि इस बारे में क्यों न वास्तव में जो तथ्य हैं उनको सदन के सामने लाया जाये ।

Mr. Speaker : Let Mr. Chautala make a statement.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि इस रैजोल्यूशन को हम यूनानीमस पास करवाने के लिए वचनबद्ध है यह हमने परसों भी कहा था लेकिन इस बात के लिए हम किसी भी कीमत पर सहमत नहीं हैं कि यह रैजोल्यूशन कांग्रेस पार्टी के चुनाव घोषणा-पत्र का रैजोल्यूशन है क्योंकि यह सदन का रैजोल्यूशन है । हम इसको कांग्रेस पार्टी के चुनाव घोषणा पत्र का रैजोल्यूशन किसी भी कीमत पर नहीं मान सकते । (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Leader of the House will speak.

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथियों का हमारे ऊपर सबसे बड़ा इल्ज़ाम यह है कि हमने अपने चुनाव घोषणा-पत्र में यह क्यों लिखा है? हकीकत में यही हमारा चुनाव घोषणा पत्र था । (शोर एवं व्यवधान)

Haryana Vidhan Sabha Secretariat LIBRARY Chandigarh

Mr. Speaker : Hon'ble Members, my request is if, Mr. Chautala is speaking, nobody else should speak. It is my ruling. (Interruption). Only Leader of the House can speak.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम इस बात के लिए पूरी तरह से सहमत हैं । हमने आपसे पहले भी कहा था कि समूचा सदन इस रैजोल्यूशन के पक्ष में है लेकिन इसमें जो यह भाषा लिखी गई है कि यह कांग्रेस पार्टी के चुनाव घोषणा पत्र का रैजोल्यूशन है यह हम किसी भी कीमत पर नहीं मानेंगे लेकिन अगर पूरे सदन की तरफ से यह रैजोल्यूशन आयेगा तो उसे हम मानेंगे ।

Shri Randeep Singh Surjewala : Speaker Sir, I want to say on behalf of the Treasury Benches that the Congress Party in his manifesto, it is a fact, it is a solemn fact, made a solemn promise to the people of Haryana that equitable distribution of water is their right and we shall to see it by construction of such a canal as BML Hansi-Butana-Link Canal. We will fulfill that promise. Sir, if the INLD Party and my learned friends of INLD Party have made such a solemn promise to the people of the Haryana in their manifesto the word, ''INLD'' may also be added in the resolution. (Interruption).

श्री अध्यक्ष : अरोड़ा जी, अभी जब मैंने कहा कि श्री चौटाला जी बोलेंगे और कोई नहीं बोलेगा तो सत्ता पक्ष की तरफ से कोई नहीं बोला लेकिन अब आप मंत्री जी को अपना जवाब नहीं देने दे रहे हैं । आखिरकार वे सरकार के प्रतिनिधि हैं उनको भी तो अपनी बात कहने का पूर्ण अधिकार है इसलिए उनको भी आप अपनी बात कहने का मौका दें । जो आप रनिंग कमैंट्री कर रहे हैं यह अच्छी बात नहीं है। कृपया आप मंत्री जी को अपनी बात कहने दें उन्हें डिस्टर्ब न करें । Hon'ble Minister please continue.

Shri Randeep Singh Surjewala: Speaker Sir, what Mr. Om Prakash Chautala has said, Hon'ble Chief Minister has already said. My Hon'ble Minister who have moved the resolution has said and I, on behalf of the Government, reiterate that this resolution is a unanimous resolution and not of any political party. (Interruption).

Mr. Speaker: Hon'ble Members, you cannot stand like this. You may please sit down. जब तक मेरी परमिशन नहीं मिल जाती तब तक आप नहीं बोलेंगे । मैं आपसे बुलवाऊंगा लेकिन पहले माननीय मंत्री को अपनी बात कहने दें। You can only raise your hand and not your voice. आप ऐसे खड़े नहीं होंगे, this is very wrong. (Interruption) Hon'ble Members, please don't repeat it. Yes, Capt. Ajay Singh Yadav, what do you want to say?

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, मैं इस बारे में यह कहना चाहता हूं कि यह हमारी पार्टी के मैनिफैस्टो में था । सैकेण्डली, यह जो बी.एम.एल. बनाने का काम किया गया है यह प्रावधान हमने इसलिए किया क्योंकि जो हमारे दक्षिणी हरियाणा के 18 जिले हैं वहां 97 प्रतिशत इरीगेशन एरिया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, यह ऑब्जैक्शन विपक्ष द्वारा विद्ड्रा कर लिया गया है । Now, Mr. Ajay Chautala will speak, please. (Interruption) O.K. then you will not speak. चौटाला जी, आपकी पार्टी के एक माननीय सदस्य ने मेरे बारे में यह कहा है कि मैं हाऊस को सही ढंग से नहीं चला रहा हूं जबकि मैंने अब तक ऐसा कोई भी मौका नहीं आने दिया है कि विपक्ष को किसी प्रकार की शिकायत हो और मैं आप सभी सदस्यों के सहयोग से इस महान सदन की कार्यवाही को गरिमापूर्ण ढंग से चलाना चाहता हूं लेकिन फिर भी इस प्रकार की बातें की जाती हैं तो इस प्रकार की बातों से मुझे बहुत दुख पहुंचता है ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अगर हमारे किसी सदस्य की तरफ से ऐसे अल्फाज कहे गये हैं जिससे आपको पीड़ा हुई है तो हम उसको विड्रा करते हैं लेकिन अध्यक्ष महोदय हम आपसे मूदबाना अर्ज करते हैं कि एक ऑल पार्टी रैजोल्यूशन आ जाये, पूरे सदन की तरफ से आ जाये । किसी पार्टी विशेष के चुनाव घोषणा पत्र को इसमें शामिल न किया जाये ।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, जहाँ तक हांसी-बुटाना का या एस.वाई.एल. का प्रश्न

है, हम सभी इससे सहमत हैं कि ब्लेम गेम को छोड़ कर और पास्ट हिस्ट्री को छोड़कर इसका बाकी काम पूरा होना चाहिए । हरियाणा की जनता को पानी मिलना चाहिए लेकिन जो प्रस्ताव लाया गया है इसके लिए मेरा सुझाव है और मेरे से पहले अजय चौटाला जी भी कह चुके हैं । मेरा प्रस्ताव है कि सभी पार्टियों की एक कमेटी बना दी जाये जो इस रैजोल्यूशन का ड्राफ्ट तैयार कर दे । (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं सुझाव दे रहा हूँ और जरूरी नहीं है यह रैजोल्यूशन आज ही आये यह आज भी आ सकता है और कल भी आ सकता है । हम इसको सर्वसम्मति से पास कर सकते हैं । ऑल पार्टी कमेटी बना लीजिए ताकि इसका जो ड्राफ्ट है वह सभी मिलकर तैयार करें और यह मैसेज जाना चाहिए कि हम सब एक हैं तथा कोई पार्टी इसका श्रेय न ले । इसको बैठ कर तैयार कर लेते हैं यह पूरे स्टेट का कंसर्न है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं पहले भी यह बात कह चुका हूँ और श्री अनिल विज जी ने दो नये सुझाव और दे दिये हैं। सर, जब भी बी.एम.एल. हांसी-बुटाना लिंक नहर का जिक्र होता है और मैं इस बारे में कोशिश करूँगा कि कोई ऐसी बात न कहूँ जिससे हमारे सामने वाले साथियों को ऐतराज हो । आपका भी और सदन के नेता का भी यह प्रयास है कि हम इन लोगों की जिन्दगी से जुड़े मुद्दे पर एक युनानिमिटी बनाने का प्रयास कर रहे हैं। I had specifically said about it. Sir, after the motion moved by the Hon'ble Finance Minister, who is also Irrigation Minister, Shri Anil Vij ji said, "make a committee". Somebody had earlier said, which they withdrew, "why did you name so many districts"? Somebody says why did you say that Congress Party had made a solemn promise to the people in his manifesto? If BJP had also made, if INLD had also made, if BSP had also made and if other party had made such a promise to the people then we are ready to add their party names in the resolution also. The whole crux of the resolution is the spirit of the resolution.

Mr. Speaker : Yes, it is correct.

Shri Randeep Singh Surjewala : The crux is also on the spirit of the final lines of the resolution which said, "The House unanimously passes". But still Sir, I talked Chautala Sahib. He had an objection, Shri Anil vij and his party had an objection. I clarified them on behalf of the Government that the resolution is a resolution of the House and not of any political party alone. However, Sir, the attempt has always being made with regard to this.

Mr. Speaker : The objection is why did you have such a promise in your manifesto?

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, there was a minor background to it which was major for the people of Haryana. People of Haryana in the 5 regions were being denied unjustifiably and inequitably their right to equitable distribution of water. It is totally, if I may say, a manner which was not fair. In a partisan manner, they were being denied their right to equitable distribution of water not only for irrigation but also for drinking. A long battle was fought by the then Leader of the House who was in the Opposition at that time for this purpose by the INC and none-less than the UPA Chairperson had also come to the State to support such a fair and equitable distribution of water. Finally, we made a solemn promise to the people. It is a fact that this is a Government of the INC and we are only reiterating that solemn promise and there is nothing new in it. The resolution is not being passed by Indian National Congress alone. The resolution is being passed by the House. And I have said that every time they say, "Either the canal is not technically viable, how will you puncture the canal?".... .(interruption)

Mr. Speaker : I would like to know from the Hon'ble Minister but he may kindly wind up his speech in one or two sentence. 12.00 बजे I want to know from the record of this House about the serious doubts regarding viability, technical feasibility of this plan which were raised by the Opposition saying that this was not feasible and not technically correct and the funds earmarked for this project again were not adequately used. I want to know what is the report? I want to know the viability of this channel. I want to know have you come with this resolution with the intention to propagate the Congress's policy or you want a sense of the House-the sense of the unanimity ?

डॉ. अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये बात को घुमा फिराकर कहने की बात न करें ।

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, technical aspects will be given by my learned friend, Capt. Ajay Singh. (Interruption) Sir, you are asking me some questions and I am answering to them.

Mr. Speaker : O.K.

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, I want to say one thing.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, ये बार बार वही बात दोहरा रहे हैं।

डॉ. अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमने कल भी कहा था कि हमारे दोस्त राजनीति न करें । यह राजनीति हमें भी आती है । अगर प्रदेश के हित आते हैं तो इनको प्रदेश के हित की ही बात करनी चाहिएं।

Mr. Speaker : For the sake of this project, are you ready to withdraw? We can say let there be a unanimous resolution of the House.

श्री शेर सिंह बड़शामी : अध्यक्ष महोदय, रैजोल्यूशन तो हो गया इसलिए अब इसमें सभी राजनैतिक दलों को शामिल कर लिया जाए ।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, हम पूरी ताकत के साथ इसका समर्थन करना चाहते हैं ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, अभी तो विज साहब ने कहा है कि एक कमेटी बना दी जाए । It is a unanimous resolution of the House and that's why we have moved this resolution. This resolution may be treated as all parties' resolution not of one political party i.e. the ruling party and that's why it should be treated a unanimous resolution. Still they have an objection, then I withdraw this resolution which was moved by my learned friend. But Sir, we are committed to construct this canal for the interests of the people of Haryana.

डॉ. अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमने जो बात कही वह यही कही कि इसमें कांग्रेस के मैनीफैस्टो की बात नहीं कही जाए । जहां तक हमारे सामने बैठे दोस्त बार बार इस बात को घुमा फिराकर कह रहे हैं तो ये बातें इनसे भी सुंदर तरीके से हमें भी कहनी आती हैं और हम कह भी सकते हैं परन्तु हमने कभी भी पानी के मामले पर राजनीति नहीं की और न करना चाहते हैं जबकि ये तो गृह युद्ध तक की बात कहते रहे होंगे । मैं कहता हूं कि हरियाणा प्रदेश के लोगों को पानी मिले, सबको पानी मिले ।

Mr. Speaker: Hon'ble Parliamentary Affairs Minister, Mr. Chautala has cast aspersions on you and said something like this. Let him complete, then I will ask you to say on this.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : ये कहते थे कि अगर यह नहर बनेगी तो इस पर गृह युद्ध हो जाएगा । इनके बयान हैं । जब ये सदस्य नहीं थे । उस समय आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी सदन के सदस्य थे । (विघ्न)

डॉ. अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने इस सदन के सम्मानित सदस्यों को पहले भी इस बात के लिए कहा है ।

श्री अध्यक्ष : आप गृह युद्ध की बात कह रहे थे ।

डा. अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आज पुन: अपनी बात दोहरा देता हूं कि अगर मैंने कहीं पर यह बात कही हो तो जो सदन मुझे सजा देगा मैं उसे भुगतने के लिए तैयार हूं । मेरे जो साथी बैठे हैं वे गलत ब्यानी न करें । मैं एक बार जब इस बारे में अपनी सफाई दे चुका हूं तो फिर उस बात को ये क्यों रिपीट कर रहे हैं ? (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आप मुझे अपनी बात कह तो लेने दें । हमने सदैव कहा है कि हरियाणा प्रदेश के लोगों को पानी मिले, समान बंटवारे से पानी मिले, हमें कोई दिक्कत नहीं है । हमारे लिए हरियाणा प्रदेश के हित प्यारे हैं, लोगों के हित प्यारे हैं। लोगों को पानी के मामले पर बिल्कुल भी राजनीति नहीं करनी चाहिए । हर किसान के खेत में पानी जाए, हमारी यह सोच है । ये बार बार इस मामले को घुमा फिराकर न कहें । हमने कल भी कहा था कि राजनीति करने का प्रयास न करें। जब सारा हाउस इस बात से सहमत है तो क्यों दूसरी तीसरी बात की जा रही है । ये एक लाईन का प्रस्ताव लेकर आएं हम सारे उस का समर्थन करते हैं ।

Mr. Speaker : Hon'ble Chautala ji, I will send a resolution of this House not of any individual or party. (Interruption) I think it will be a House's resolution.

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, आप प्रोसीडिंग्ज निकलवाकर देख लें । The Leader of the Opposition is on record. इन्होंने कहा है कि इसके लिए जो पैसा लगाया गया है, वह पानी की तरह बहाया गया है और मेरा नाम कहा है कि इससे रिकवर किया जाएगा । राम पाल माजरा ने कहा । (विघ्न)

श्री राम पाल माजरा : कंस्ट्रक्शन में गड़बड़ी करोगे तो क्यों नहीं कहेंगे। (विघ्न)

Shri Bhupinder Singh Hooda : Speaker Sir, I am stating the facts, which has been said on the floor of the House. You can verify it from the proceedings of the House.

Mr. Speaker: Alright, I will see the record.

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, आप लास्ट सैशन का रिकार्ड देख लें । You may go through the record and come to the decision whatever is decided. Similarly, Mr. Ram Pal Majra only yesterday or day before has said on the floor of the House that यह टैक्नीकली वॉयबल नहीं थी। This is the thing which I am telling. He said that it was provided in our manifesto. Purposely, it was for the equitable distribution of water and this intention was behind that. If they are agreeing to it, I welcome them. And if they are not agreed, they should come forward that they oppose this canal. Reasons should be known to them. But I do not know, I do not

understand why should they oppose? It is in the interest of the State and equal distribution of water will be there. Why they are opposing it I still fail to understand?

कैप्टन अजय सिंह यादव : माजरा जी ने यह कहा था कि यह नहर टैक्नीकली वॉयबल नहीं है ।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, यह जो आप ऑब्जेक्शन की बात कह रहे हैं या वॉयबिलिटी की बात कह रहे हैं, एग्रीमैंट की बात कर रहे हैं, ये कहां हैं। Where is this?

Capt Ajay Singh Yadav : Speaker Sir, I am telling you. (Interruption) Let me submit. (Interruption) रामपाल माजरा जी ने हाउस में यह कहा कि सर, सी.डब्ल्यू.सी. ने क्लीयरैंस नहीं दी है । Sir, in September, 2006, the clearance was given by the Environment Ministry और उसके बाद 27.10.2006 को सी.डब्ल्यू.सी. के इंजीनियर्ज ने डिटेल रिपोर्ट सबमिट की है। On the basis of the Chief Engineer's report and Haryana's Water Study report, the CWC found that there... (Interruption) let me speak. (Interruption)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : सर, जब हम सब सहमत हैं तो ये इश्यू ही नहीं रह जाता है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. अजय सिंह चौटाला : स्पीकर सर, बहस करवानी है तो हमें भी अपनी बात कहने दें, ये भी अपनी बात कह लें। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : I have requested Chautala Sahib to speak next after the Minister finishes his speech. After that Parliamentary Affairs Minister will speak.

Capt. Ajay Singh Yadav : Speaker Sir, CWC found that there would no inter-State ramifications and the Water Study Report was in order from the inter-State angle. There was no inter-State ramification. The project was even cleared from Hydrology/ floor angle by the Director of CWC. After that the clearance was also issued from the ground water angle by Deputy Director, Project Appraisal of CWC. Sir, Ministry of Agriculture has also given its clearance. After this there was a suit in which they said. Speaker Sir, let me read the relevant point.

> "CWC would give a hearing to the parties to the two suits before giving its opinion."

Speaker Sir, all the aspects of the State have been addressed and there are no inter-state ramifications and it is in order. So, the clearance has been given by the CWC. Sir, how Shri Ram Pal Majra

[Capt. Ajay Singh Yadav]

says that no clearance was given by the CWC? Sir, I am giving the dates when the CWC gave all the clearances. It is complete in every order. अध्यक्ष महोदय, यहां पर गलतबयानी करते हैं । सर, यह रुड़की से आया है और सारा कुछ ठीक है लेकिन फिर भी इसके बारे में ये कुछ न कुछ कहते रहते हैं। सर, यह वॉयबल है। लैवल भी ठीक है ।

स्पीकर सर, मैं इस बारे में सदन को हाईकोर्ट की जजमैंट पढ़कर सुना देता हूं : -

> "Before parting, we however, feel that it is important to unmask the petitioners, who have donned the cloak of public interest to raise such issues, which have only laid bare the fangs which do not belong to the innocent face of a farmer, but to some one else; and the petitions, especially CWP No. 19676 of 2005 are a result of an ingenuous mind with a purpose other than a public purpose. When viewed from the prism of the tests laid down by the Apex Court for a public interest litigation, we find the essential colours missing from the spectrum".

जो इन्होंने काम किए, रामपाल माजरा जी स्वयं हाई कोर्ट में जाकर बैठते थे और फारमर्ज को भी उकसाते थे । कैथल जो जीरी का एरिया है उस एरिया में भाखड़ा मेन लाईन हांसी बुटाना लिंक नहर से पानी मिलना चाहिए था और रामपाल माजरा जी इधर-उधर की बात करते हैं। कभी कहते हैं कि सी.डब्ल्यू.सी. की रिपोर्ट गलत है कभी कुछ कहते हैं । सर, जितने भी फैक्ट्स हैं, I want to put them on record. इसमें कोई ऐसी बात ही नहीं है। बाकायदा सी.डब्ल्यू.सी. की क्लीयरैंस मिली हुई है । केवल पंजाब का शेयर 5 प्रतिशत है उसका इक्विटेबल डिस्ट्रीब्यूशन हो रहा है because certain areas जहां पर टोटल इरीगेशन होती थी उसमें से 97.5 प्रतिशत इरीगेशन भाखड़ा मेन कैनाल से होती थी । लिफ्ट कैनाल से इरीगेशन होती थी वह केवल आठ प्रतिशत कम थी इसलिए इस बात को देखते हुए हमने यह हांसी बुटाना लिंक नहर बनाई थी। यह बात हमारे पार्टी मैनीफैस्टो में थी अगर इनके पार्टी मैनीफैस्टो में ये बात थी तो हम यह बात इस रैजोल्यूशन में डाल देंगे और इस बात के आदेश करेंगे। हमने एक लाईन लिख दी कि It was also the part of our manifesto. Why have they objection on it?

Mr. Speaker : You may please place your party manifesto here.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने पिछले अधिवेशन में इस महान सदन में स्पष्ट तौर पर एक बात कही थी उसे मैं पुन: दोहरा रहा हूं कि हम हरियाणा प्रदेश के लोगों को सिंचाई के लिए पानी मिले चाहे वह नहरों से मिले, डिस्ट्रीब्यूटरियों से मिले, माईनर्ज से मिले कितने ही माईनर बनें हम इसके लिए सहमत हैं । मैंने मुख्यमंत्री जी से कहा था कि सरकार यह बात

तो स्पष्ट करे कि क्या यह नहर टैक्नीकली वॉयबल है, क्या आपके पास पानी उपलब्ध है । अगर ये दोनों बातें सिरे नहीं चढ़ पायेंगी तो इस नहर बनाने पर जो पैसा खर्च हुआ है उसकी रिकवरी किससे की जायेगी ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, यह फिर वही बात कह रहे हैं । सी.डब्ल्यू.सी. ने इस बारे में क्लीयरैंस दी हुई है और 1.6 एम.ए.एफ. पानी का इक्विटेबल डिस्ट्रीब्यूशन कर रहे हैं । ये कह रहे हैं कि पानी कहां से मिलेगा तो यह पानी भाखड़ा मेन कैनाल में से ही मिलेगा । सी.डब्ल्यू.सी. ने यह कहा है कि

> "CWC is, therefore, for the view that the issues/concerns of all the party States in the matter have been addressed/ responded with the undertaking now given by Government of Haryana"

पंजाब के और राजस्थान के जो इश्यूज हैं उनके बारे में सी.डब्ल्यू.सी. ने कहा है कि वे सैटिस्फाइड हैं। रूड़की से भी हमने रिपोर्ट ली है उन्होंने यह कहा है कि इस नहर के स्त्रोत ठीक हैं । How he is saying the water is not available? जब 1.6 एम.ए.एफ. पानी है।

डा. अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमारा बोलने का अधिकार है ।

कैप्टन अजय सिंह यादव : हम आपको बता रहे हैं । ये दोबारा उसी इश्यू को उठा रहे हैं ।

डा. अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमारी बात तो सुनें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, किसी भी सदस्य को किसी प्रकार की कोई शंका हो तो उस शंका के समाधान के लिए क्या दूसरे लोगों से ये नहीं पूछ सकते । मैंने इसी सदन में बात कही थी कि हरियाणा प्रदेश के लोगों को पानी मिले उसके लिए कितनी ही नहरें निकलें, कितनी ही डिस्ट्रीब्यूटरियां निकलें और माईनर्ज निकलें हम इसके लिए शत-प्रतिशत सहमत हैं । हम चाहते हैं कि हरियाणा की प्यासी भूमि की सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था हो लेकिन सरकार इसके लिए तीन बातें स्पष्ट करे । पहली बात तो यह है कि क्या यह टैक्नीकली वॉयबल है ? (शोर एवं व्यवधान) दूसरी बात मैंने आपसे यह पूछा था कि क्या कहीं आपके पास पानी उपलब्ध है और तीसरी बात मैंने यह पूछी थी कि अगर ये दोनों बातें सिरे नहीं चढ़ रही तो इस नहर के ऊपर जो लगभग 400 करोड़ रूपये खर्च आएगा उसकी रिकवरी किससे होगी । अभी मंत्री जी कह रहे थे और आज भी यह मामला सर्वोच्च न्यायालय के विचाराधीन है। फैसला तो सर्वोच्च न्यायालय ने करना है । इसके लिए मुख्यमंत्री महोदय जी ने भी कहा था और मंत्री जी ने फिर कहा है कि 18 जिलों के लोग पानी के विरोध में हैं । अब मंत्री जी ने खुद बताया है कि कैथल जिले को पानी मिलेगा । इनसे पूछा जाए कि 18 फुट गहरी यह नहर है फिर कैथल जिले के लिए पानी कैसे निकलेगा । 18 जिलों को पानी कैसे जाएगा ? उसमें आउटलैट कैसे लगेगा? पानी कहां से जाएगा ? (शोर एवं व्यवधान) मैं पुन: सारी बातों को समाप्त करके एक बात कहना चाहता

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]
हूं कि हम इस रैजोल्यूशन से शत प्रतिशत सहमत हैं । हम चाहते हैं कि हरियाणा प्रदेश के लोगों को पानी मिले लेकिन इसके लिए फिर एक बात दोहराता हूं कि आप all party resolution ले आएं । हम इसके लिए सहमत हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, हमने शंका जाहिर की है अगर ये कहते हैं कि ठीक है तो हमने इनकी बात मान ली कि ठीक है । आप रैजोल्यूशन ले आएं। आप इसको ठीक मानते हैं तो हम आपकी बात मान लेते हैं । आप all party resolution ले आएं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि चूंकि एक ऐस्पर्शन मुझ पर लगाया गया था इसलिए पिछले सदन में मैंने दैनिक ट्रिब्यून की कटिंग दी थी । अजय चौटाला जी ने उस कटिंग में यह कहा था कि हम यह नहर नहीं बनने देंगें । अगर यह नहर बनी तो इस पर हम गृहयुद्ध करेगें । हालांते क्यां बिल्कुल इसके विपरीत हैं । गोहाना में एक पत्रकार गोष्ठी हुई थी । अब अजय सिंह चौटाला जी कह रहे हैं कि मैंने नहीं की तो यह अलग बात है। अध्यक्ष महोदय, यह दैनिक ट्रिब्यून की कटिंग है ।

Mr. Speaker : Do you have proof of that?

Shri Randeep Singh Surjewala : Yes Sir, I placed it on the floor of the House. It is a part of the proceedings of the House.

Mr. Speaker : Give it to me also.

Shri Randeep Singh Surjewala : I will give you Sir. वहां पर एक पत्रकार गोष्ठी में अजय सिंह चौटाला जी ने बाकायदा कहा कि अगर नहर बनेगी तो गृहयुद्ध हो जाएगा । अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात को भी छोड़ता हूं । मैं विवाद को और आगे न बढ़ाकर इतना ही कहना चाहूंगा कि आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी ने 3 बातें कही।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, अगर ये हमारी बातों को ठीक मानते हैं तो रैजोल्यूशन ले आएं । (शोर एवं व्यवधान)

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, we did not interrupt him. He is permitted to say whatever he wants to. We are not permitted to speak. He can say whatever he wants to. He is continued to interrupt. Sir, the mal-intention is writ large, in this case that is the truth of the matter. (Noise & interruption)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, silence please.

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, mal-intention in this case is writ large. Capt. Ajay Singh Yadav has already replied to the technical

aspect. I am only quoting in which he has just said and you have heard also. To say repeatedly that the canal is not technically viable, to say repeatedly, that you do not have the water to run into this canal, to say repeatedly, that it cannot supply water to Kaithal or other districts, to say repeatedly, that the matter is pending in Court and it will lower the result and then to say I agree, that is a very funny situation. It shows that you are not in agreement. It shows that there is a lurking doubt and suspicion in your mind. It shows that on the same day, I will qualify everything I will say I will walk with you but I will walk in opposite direction. I want to walk with you in the North direction but I have headed towards South. Sir, we can neither put ourselves into a shadow of doubt nor we can put the House into a shadow of doubt by any Hon'ble Member.

Mr. Speaker : You mean to say that there is a duality.

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, there is a complete duality. There is a mal-intention.

Mr. Speaker : If the allegation of duality is there, that one man thinks like this whereas acts the other way, in this regard Kabir said:-

चलती चक्की देखकर बिल्ख कबीरा रोय,
दो पाटन के बीच में साबत रहा न कोई ।

Shri Randeep Singh Surjewala : Absolutely correct, Sir. Well-summarized, Sir. Although, I want to say that on the one side they are saying 'Yes', we are ready to pass a resolution but on the other side they are saying that the canal is not viable. They say we are ready to pass a resolution but they are also saying that you do not have sufficient water to run into the canal. They say we are ready to pass a resolution, but they are also saying that canal will not give water to the districts mentioned in the resolution. They say we are ready to pass a resolution but they are also saying that the matter is pending in the Court.

Mr. Speaker : Hon'ble Parliamentary Affairs Minister, I think that the objection is why you made such a promise in the manifesto and why such a promise should be part of this resolution.

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, I can reply to that. We have

a very sound answer.

Mr. Speaker : Are you ready to withdraw this resolution?

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, I am not ready to withdraw this. Reason is that the solemn promise is made in our manifesto. I have repeatedly said. (Interruption)

Mr. Speaker : Are you ready to amend this resolution?

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, if Mr. Chautala is ready to withdraw his four or five objections, then I am ready to amend it. Let him withdraw all the objections. (Interruption) Sir, we want to hear him. We do not want to hear his son. We want to hear only Ch. Om Prakash Chautala.

Mr. Speaker : You are not ready to amend your resolution.

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, if he is ready to withdraw all his objections, then I am ready to withdraw that portion otherwise I will not amend the resolution. (Interruption) But let him say everything. He should say that he is ready to withdraw that.

Mr. Speaker : Yes, Madam Chaudhary, you may speak.

आबकारी एवं कराधान मंत्री (श्रीमती किरण चौधरी) : अध्यक्ष महोदय, हांसी बुटाना लिंक नहर बनकर तैयार हो गई है and it is waiting for the water to flow through it. हमारा एरिया महेन्द्रगढ़, भिवानी, सारा रोहतक यानि पूरा दक्षिणी हरियाणा उसका इंतजार कर रहा है और यह नहर बनकर कब से तैयार पड़ी है लेकिन ये लोग बार-बार उसके अंदर बाधा डाल रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

Mr Speaker : Hon'ble Minister, can I force the Opposition to turn their line? Can I force the Minister to withdraw his resolution in a certain sense? I can't. Therefore, this House has to decide. The Minister has to decide. The Leader of the Opposition has to decide and not me.

Smt. Kiran Chaudhary : I am talking in terms of people of Haryana. अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के लोगों के हित के लिए जो फंडामैंटल राईट्स हैं हम उनकी बात कर रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम इस पर सहमत हैं लेकिन इसकी भाषा

पर सहमत नहीं हैं । (शोर एवं व्यवधान) ये लोग भाषा बदल दें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप दोनों पक्ष क्या कह रहे हो मुझे समझ नहीं आ रहा। (शोर एवं व्यवधान) आप कहां खड़े हो मुझे नहीं पता । इस बात पर मुझे गालिब का एक शेर याद आ गया-

क्या खूब पर्दा है चिलमन से सटे बैठे हो,
साफ छिपते भी नहीं, सामने आते भी नहीं ।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री धर्मबीर सिंह): अध्यक्ष महोदय, आज से 8-9 साल पहले इस कुर्सी पर 2000-2005 तक माननीय चौटाला साहब बैठते थे । उस समय पूरे पांच साल तक हम विपक्ष में होते हुए इनसे मांग करते रहे कि प्रदेश में पानी का समान बंटवारा हो लेकिन ये टस से मस नहीं हुए । अध्यक्ष महोदय, आप रिकार्ड निकलवाकर देख लें हमने हर सैशन में यह बात उठाई थी । (विघ्न) जूई ही नहीं बल्कि पूरे दक्षिणी हरियाणा की बात उठाते थे कि आपकी जमीन खराब हो रही है और हमारा एरिया पानी की कमी के कारण प्यासा मर रहा है इसलिए हमें पानी का समान बंटवारा करके पानी दे दिया जाये । आज भी ये लोग ऐतराज कर रहे हैं यह ठीक नहीं है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, 1966 में हरियाणा बना उसके बाद अनेकों चीफ मिनिस्टर हरियाणा में बने और अपोजीशन भी रही लेकिन चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा से पहले किसी ने भी हरिथाणा प्रदेश में पानी के समान बंटवारे की बात नहीं की ।

श्री अध्यक्ष : मुख्यमंत्री महोदय के ऊपर तो नहर बनाने के मामले में मुकद्दमें तक चल रहे हैं । Is he happy?

श्री आनंद सिंह दांगी : स्पीकर सर, इसके बावजूद भी इस इश्यू पर सवाल जवाब होने लग रहे हैं (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, जो आपने कहा कि मेरे ऊपर मुकद्दमें चल रहे हैं इस बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि इस नहर के बनाने में if I have committed a sin then I am ready to commit this sin again and again and I will do it.

श्री आनंद सिंह दांगी : स्पीकर सर, लगातार 15 सालों तक माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस मकसद को पूरा करने के लिए संघर्ष किया है ताकि हरियाणा में नहरी पानी का न्यायोचित बंटवारा हो सके और पूरे हरियाणा प्रदेश को कम से कम पीने का पानी तो बराबर मिले । अब विपक्ष के साथी कहते हैं कि इस नहर के लिए पानी कहां से आयेगा ? अगर आप इतिहास उठाकर देखें तो जो 18 लाख एकड़ फुट पानी जो हरियाणा के डेढ़ जिले को मिल रहा है उस पानी में दक्षिणी हरियाणा के लोगों का भी हिस्सा है जिसका इस रेजोल्यूशन में जिक्र किया गया है, यह पानी उनको देने के लिए है । इसमें हमेशा राजनीति होती रही है । पहले एस.वाई.एल. की बात होती थी और अब हांसी-बुटाना लिंक नहर की बात हो रही है । अगर पानी के मुद्दे पर राजनीति न होती तो अब तक एस.वाई.एल. का पानी भी हरिशाणा में आ जाता और हरियाणा के प्यासे लोगों और खेतों को एस.वाई.एल. का पानी मिल जाता । अगर राजीव-लौंगोवाल समझौते को मान लिया

[श्री आनन्द सिंह दांगी]

जाता और उसके ऊपर ऐजीटेशन न किया जाता (शोर एवं व्यवधान) इस पानी पर राजनीति करना छोड़ें और ठीक ढंग से इस हरियाणा प्रदेश के प्यासे खेतों को जिस प्रकार से पानी देने की जरूरत है वह दिया जाये । माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने इसके लिए संघर्ष किया है उस पर सर्वसम्मति बनाने की बजाये आज उस पर भी नुक्ताचीनी शुरू हो गई है । इसके ऊपर सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ गहराई से सोचने की जरूरत है । जब एक आदमी पब्लिक के अन्दर आवाज़ उठायेगा और उस आवाज़ को (शोर एवं व्यवधान) .

श्री अभय सिंह चौटाला : स्पीकर सर, (विघ्न)

Mr. Speaker : Mr. Dangi, Shri Abhay Singh wants to say something. So, you may please continue after he finishes his statement. Yes, Mr. Abhay Singh Chautala, what do you want to say?

श्री अभय सिंह चौटाला : स्पीकर सर, राजीव-लौंगोवाल समझौते की बात अभी माननीय सदस्य श्री आनंद सिंह दांगी द्वारा यहां पर की गई । मैं आपके माध्यम से सदन और माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा कि जब राजीव-लौंगोवाल समझौते का चौधरी देवी लाल जी ने विरोध किया और विरोधस्वरूप उन्होंने हिसार से दिल्ली तक पद-यात्रा शुरू की तो उस समय माननीय सदस्य श्री दांगी सबसे ज्यादा अगुवाई करने वालों में से एक थे। आज ये कहते हैं कि अगर राजीव-लौंगोवाल समझौते को उस समय मान लिया जाता तो वह हरियाणा प्रदेश के हित में होता, अगर ऐसा था तो फिर इन्होंने भी उस समय इस समझौते का विरोध क्यों और किस लिए किया था। मैं यह कहना चाहता हूं कि विरोध करने वालों में श्री दांगी भी उस समय सबसे आगे थे । (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह दांगी : स्पीकर सर, यह बात सही है कि मैं उस समय चौधरी देवी लाल जी के साथ था । इसके साथ मैं यह भी बताना चाहता हूं कि यह लड़ाई सारे हरियाणा के लिए नहीं थी यह लड़ाई हिसार से शुरू होकर दिल्ली तक गई थी लेकिन दक्षिणी हरियाणा के लोग तब भी मरने लग रहे थे । अभय जी ने जो बात कही है वह बिल्कुल सही है क्योंकि उस समय वास्तव में हम चौधरी देवी लाल जी के लिए कोई भी कुर्बानी यहां तक कि जान तक देने के लिए भी तैयार थे ।

श्री अध्यक्ष : दांगी साहब, आपको तो भगवान का शुक्र करना चाहिए कि आज आप जिंदा हैं ।

श्री आनंद सिंह दांगी : स्पीकर सर, यह आपने बिल्कुल सही कहा है कि भगवान की कृपा की वजह से ही आज आनंद सिंह दांगी जिंदा है ।

श्री शेर सिंह बड़शामी : स्पीकर सर, आपने अभी जो माननीय सदस्य श्री आनंद सिंह दांगी के आज जिंदा होने की बात कही है यह हमारी समझ में नहीं आई । क्या आप इसे स्पष्ट करने की कृपा करेंगे ?

श्री अध्यक्ष : बड़शामी जी, मेरे कहने का यह मतलब है कि ये बहुत से आंदोलनों में गये हैं और इन्होंने लाठियां भी खाई है । यहां तक कि गोलियां भी इनके ऊपर चली हैं । इतना सब होने के बावजूद भी ये आज जिंदा है यही मेरे कहने का मतलब था ।

श्री आनंद सिंह दांगी : स्पीकर सर, यह जीवन एक संघर्ष है। इसमें उतार-चढ़ाव और सम्पत्तियां-विपत्तियां तो आती ही रहती हैं लेकिन जो इन संघर्षों का हिम्मत के साथ मुकाबला करता है उसका भगवान भी साथ देता है और जनता भी साथ देती है। जिसका सबूत यह है कि आनंद सिंह दांगी आज आपके सामने बैठा है ।

श्री अध्यक्ष : दांगी साहब, आप के ऊपर गोलियां चलाई गई लेकिन फिर भी आप जिंदा बच गये कहीं वे गोलियां नकली तो नहीं थी ?

श्री आनन्द सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, अगर वे गोलियां नकली होती तो महम की धरती पर 15 आदमी कभी भी शहीद न होते । अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि पूरे हरियाणा की जनता के सामने और इस पूरे सदन के सामने कि जिसने कर्म किया है, जनता में जा कर जिस आदमी ने संघर्ष किया है, जिसने जनता के बीच में जा कर लड़ाई लड़ी है और उस बात का नतीजा आज सामने आ रहा है तो उस बात को दूसरे तरीके से नहीं देखा जाना चाहिए । इस रैजोल्यूशन को पास करो और सभी मिलकर इसकी लड़ाई लड़ो । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : दांगी साहब, आपको भगवान का शुक्रिया अदा करना चाहिए कि आप जिन्दा हो । भगवान के भी तीन फेस होते हैं ब्रह्मा, विष्णु और महेश । इसी प्रकार से चौ. देवीलाल जी बड़े नेता थे, फिर भजनलाल और अब श्री भूपेन्द्र हुड्डा, अगर आपको त्रिमूर्ति की बात करनी है तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है ।

श्री आनन्द सिंह दांगी : नहीं, अध्यक्ष महोदय, भगवान तो सिर्फ एक ही है । इस तरह की बात न मैंने कभी की है और न ही करूँगा । जो बात सही होगी वही कहूँगा । (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, कल भी हमने शाम को बहुत अच्छे माहौल में बात की थी और सारा हाउस इस बात के लिए सहमत था । इस माहौल को अच्छा रहने दो और सीरियस इश्यू को मजाक में ना लो । सिर्फ दो लाईन का एक रैजोल्यूशन ले आओ हम उसका समर्थन करते हैं । स्पीकर सर, इस बात को खत्म करो । (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कहा कि इस नहर की तकनीकी वॉयबिलिटी नहीं है तो मैं इस बारे में बताना चाहूँगा कि जनवरी, 2006 में रूड़की का जो तकनीकी संस्थान है उसने कह दिया है कि यह जो नहर है इसकी तकनीकी वॉयबिलिटी है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : हम इस बात को मानते हैं कि इसकी वॉयबिलिटी है । हम कह रहे हैं कि यह वॉयबल है । आप प्रस्ताव लेकर आओ हम उसका समर्थन करते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मोहम्मद इलियास : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब, रैजोल्यूशन को पास करने के लिए तैयार हैं माननीय मंत्री श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला जी को अगर हरियाणा की जनता से वाकई प्यार है तो मेहरबानी करके इस प्रस्ताव को पास करवाएं । चौटाला जी भी सहमत हैं और श्री अनिल विज भी सहमत हैं तो फिर प्रस्ताव लेकर क्यों नहीं आते ?

श्री आनन्द सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, यह रैजोल्यूशन विधान सभा में कौन लेकर आया? इस रैजोल्यूशन को पास करवाने के लिए कौन लेकर आया है, मंत्री जी लेकर आये हैं । आप इसको पास करें इसके लिए सभी सहमत हैं ।

श्री अध्यक्ष : मैं यह कहना चाहता हूं कि विपक्ष को ऑब्जैक्शन इस बात का है कि इसमें कुछ वर्डिंग ऐसी है जिसको ये निकलवाना चाहते हैं । चौटाला साहब, यही बात है न ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : जी हां ।

Mr. Speaker : Hon'ble Parliamentary Affairs Minister, are you ready to amend your resolution?

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, I have repeatedly explained that Chautala ji has raised six objections but not by Arora ji. Let Chautala ji withdraw those objections and I will delete the word 'manifesto' in the resolution. Let Chautala ji get up and say that he withdraw the objections with regard to technical viability.

श्री अनिल विज : सर, ऐसा है । (विघ्न) सर, मैं इस बात को खत्म करना चाह रहा हूं । (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Let bring unanimity. Do you withdraw your objection? इस बात को खत्म करें। Give the reply in 'Yes' or 'No.'

श्री अनिल विज : सर, हर बात का जबाव 'यस' और 'नो' में नहीं दिया जाता । (interruption)

Mr. Speaker : Chautala Sahib, give the reply in 'Yes' or No'

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने ऑब्जैक्शन नहीं किया था । मैंने पहले भी यह बात कही थी और अब फिर दोहरा रहा हूं । मैंने लीडर ऑफ दी हाउस से पूछा था क्योंकि हमारे मन में इस नहर को लेकर शंका है कि क्या यह नहर टैक्नीकली वॉयबल है और क्या इस नहर के लिए पानी उपलब्ध है और अगर यह नहीं है तो फिर इसकी रिकवरी किससे होगी ? अध्यक्ष महोदय, क्या यह शक मैं व्यक्त नहीं कर सकता ?

श्री अध्यक्ष : कर सकते हैं ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह ऑब्जैक्शन नहीं है यह शंका है । अगर सरकार इसके समाधान के लिए तैयार है तो फिर मुझे किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं है ।

Mr. Speaker : Alright, he withdrew all his other objections.

Shri Randeep Singh Surjewala : No, Sir. The specific words may be deleted, Sir.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर साहब, आप फैसला कर दो ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : इन्होंने फिर कहा है कि अगर सरकार इसके समाधान के लिए तैयार है । सर, इनकी स्पीच पहले भी यही रही और अब भी वही है। 7 मार्च को इन्होंने जो कहा उसके बारे में मैं आपकी अनुमति से कहना चाहता हूं। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, इन्होंने अपनी बात विदड्रा कर ली है इसलिए अब इस बात को खत्म करें और आप रैजोल्यूशन लाएं । (विघ्न)

Mr. Speaker : Yes, I will re-read it because there is no amendment in it.

> That the present Government gave a solemn promise to the people of Haryana in its manifesto and thereby constructed BML-Hansi Branch-Butana Branch multipurpose link channel in order to ensure equitable distribution of water to dry and arid regions of the State. The canal constructed at the cost of ₹ 392 crores will ensure fair and proper distribution of water out of the existing usage. This link channel will benefit 18 Districts of Haryana, namely Kaithal, Jind, Ambala, Yamunanagar, Bhiwani, Rewari, Mahendergarh, Rohtak, Jhajjar, Palwal, Faridabad, Gurgaon, Mewat, Karnal, Panipat, Sonepat, Kurukshetra and Hansi Tehsil of District Hisar. This link channel is an important lifeline of this State as it will translate dream of every Haryanvi in parched areas. This House unanimously passes a resolution for taking all necessary steps resulting in operationalizing of this multipurpose link channel.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, आप फिर उसी बात पर आ गए । आपने फिर वही रैजोल्यूशन पढ़ दिया । हमें आपसे यह उम्मीद नहीं है ।

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, the duality & mal-intention is writ large. Sir, you may permit me. I am withdrawing the resolution. The Budget discussion may be started. (Interruption)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम इस पर सहमत नहीं होंगे, हम इस बात पर कतई सहमत नहीं होंगे ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : इन्होंने अब भी कहा है कि वह इस प्रस्ताव से सहमत नहीं है So, Speaker Sir, I am withdrawing my resolution and it may be recorded that the Government is coming to construct this canal. (interruption)

श्री शेर सिंह बड़शामी : अध्यक्ष महोदय, आज हम तैयार हैं, हम सारे तैयार हैं ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, ये हाउस का समय व्यर्थ बर्बाद कर रहे हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम किसी पार्टी के रैजोल्यूशन को नहीं मानेंगे, हम पूरे सदन के आल पार्टी रैजोल्यूशन को मानते हैं । अगर आप किसी पार्टी का रैजोल्यूशन लाएंगे तो हम इससे सहमत नहीं होंगे ।

Mr. Speaker : Are you ready to amend this because this has been given to me by the Treasury Benches and the Ministers. I on my own cannot amend it. Either he has to amend it and if he does not do it then what can I do?

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, आप इसमें से मैनीफैस्टो शब्द निकाल दें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप ऑल पार्टी रैजोल्यूशन लाएं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, अगर आप एक शब्द निकाल दोगे तो ये एक और शब्द ले आएंगे । (interruption) It is a resolution of the House. It is not any party's resolution, it is resolution of the House. (interruption) Sir, it is a resolution of the House. It is all parties' resolution, Sir.

Mr. Speaker : Are you deleting the words 'in its menifesto' from this resolution ? (Interrutpion)

Shri Randeep Singh Surjewala : Yes, Sir. With your permission I beg to move—

> That in the second line after the word, 'Haryana', the words, 'in its manifesto' are deleted.

Mr. Speaker : Motion moved —

> That in the second line after the word, 'Haryana', the words, 'in its manifesto' are deleted.

Mr. Speaker : Question is —

> That in the second line after the word, 'Haryana', the words, 'in its manifesto' are deleted.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the present Government gave a solemn promise to the people of Haryana and thereby constructed BML-Hansi Branch-Butana Branch multipurpose link channel in order to ensure equitable distribution of water to dry and arid regions of the State. The canal constructed at the cost of ₹ 392 crores will ensure fair and proper distribution of water out of the existing usage. This link channel will benefit 18 Districts of Haryana, namely Kaithal, Jind, Ambala, Yamunanagar, Bhiwani, Rewari, Mahendergarh, Rohtak, Jhajjar, Palwal, Faridabad, Gurgaon, Mewat, Karnal, Panipat, Sonepat, Kurukshetra and Hansi Tehsil of District Hisar. This link channel is an important lifeline of this State as it will translate dream of every Haryanvi in parched areas. This House unanimously passes a resolution for taking all necessary steps resulting in operationalizing of this multipurpose link channel.

Mr. Speaker : Question is—

That the present Government gave a solemn promise to the people of Haryana and thereby constructed BML-Hansi Branch-Butana Branch multipurpose link channel in order to ensure equitable distribution of water to dry and arid regions of the State. The canal constructed at the cost of ₹ 392 crores will ensure fair and proper distribution of water out of the existing usage. This link channel will benefit 18 Districts of Haryana, namely Kaithal, Jind, Ambala, Yamunanagar, Bhiwani, Rewari, Mahendergarh, Rohtak, Jhajjar, Palwal, Faridabad, Gurgaon, Mewat, Karnal, Panipat, Sonepat, Kurukshetra and Hansi Tehsil of District Hisar. This link channel is an important lifeline of this State as it will translate dream of every Haryanvi in parched areas. This House unanimously passes a resolution for taking all necessary steps resulting in operationalizing of this multipurpose link channel.

The motion was carried unanimously.

(ii) पंजाब विधान सभा द्वारा पारित समझौतों को रद्द करने के लिए अधिनियम, 2004 पर राष्ट्रपतीय सन्दर्भ के बारे में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा फैसला शीघ्र करने के संबंध में।

Mr. Speaker : Now, the Finance Minister will move the official resolution.

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) : Sir, I beg to move—

That SYL Canal is a crucial link for bringing Haryana's allocated share of Ravi Beas water to satisfy the irrigation and allied needs of large parts of Haryana. In fact it is lifeline for Haryana. Punjab

[Capt. Ajay Singh Yadav]

Termination of Agreement Act, 2004 passed by Punjab Legislative Assembly is nonest and unconstitutional. It resulted in stalling of the completion of SYL Canal. We are thankful to the Government of India for making a Presidential Reference No. 1 of 2004 on 22nd July, 2004, to adjudicate upon the validity of aforestated Act. The matter has been pursued vigorously by our Government in the Hon'ble Apex Court. The House unanimously passes a resolution for requesting Government of India for pursuing the matter in the Hon'ble Supreme Court of India for early decision of the Presidential Reference.

Mr. Speaker : Motion moved—

That SYL Canal is a crucial link for bringing Haryana's allocated share of Ravi Beas water to satisfy the irrigation and allied needs of large parts of Haryana. In fact it is lifeline for Haryana. Punjab Termination of Agreement Act, 2004 passed by Punjab Legislative Assembly is nonest and unconstitutional. It resulted in stalling of the completion of SYL Canal. We are thankful to the Government of India for making a Presidential Reference No. 1 of 2004 on 22nd July, 2004, to adjudicate upon the validity of aforestated Act. The matter has been pursued vigorously by our Government in the Honble Apex Court. The House unanimously passes a resolution for requesting Government of India for pursuing the matter in the Hon'ble Supreme Court of India for early decision of the Presidential Reference.

Mr. Speaker : Question is —

That SYL Canal is a crucial link for bringing Haryana's allocated share of Ravi Beas water to satisfy the irrigation and allied needs of large parts of Haryana. In fact it is lifeline for Haryana. Punjab Termination of Agreement Act, 2004 passed by Punjab Legislative Assembly is nonest and unconstitutional. It resulted in stalling of the completion of SYL Canal. We are thankful to the Government of India for making a Presidential Reference No. 1 of 2004 on 22nd July, 2004, to adjudicate upon the validity of aforestated Act. The matter has been pursued vigorously by our Government in the Honble Apex Court. The House unanimously passes a resolution for requesting Government of India for pursuing the matter in the Hon'ble Supreme Court of India for early decision of the Presidential Reference.

(The motion was carried unanimously.)

वर्ष 2011–2012 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भण)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the general discussion on the Budget Estimates 2011-12 will take place. I call Shri B.B. Batra to speak.

श्री शेरसिंह बड़शामी : स्पीकर सर, मैं इस पर बोलना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : इस पर तो किसी को भी ऑब्जैक्शन नहीं होना चाहिए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, जब विपक्ष के नेता को इस बारे में कोई ऐतराज नहीं है तो उनके दूसरे किसी सदस्य को तो नहीं होना चाहिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, पुरानी परम्परा यही रही है कि गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर प्रस्ताव प्रस्तुत करने वाला पहले बोलता है लेकिन बजट पर पहले विपक्ष का नेता बोलता है।

Mr. Speaker : Chautala Sahib, he will just second it and you may cooperate.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, कायदा तो यही है, पुरानी परम्परा तो यही है यह आपने देखना है कि कोई परम्परा न तोड़ी जाए।

Mr. Speaker : Please proceed Mr. Batra.

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, बजट पर पहले लीडर ऑफ दि अपोजीशन बोलते हैं।

Shri Bharat Bhushan Batra (Rohtak) : Speaker Sir, I am grateful to you for giving me opportunity to speak on the Budget. I am also thankful to the Leader of the House. (Interruption) **(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)** डिप्टी स्पीकर सर, हरियाणा प्रान्त को किसी समय में स्वर्ग कहा गया है। आज मैं बजट के बारे में एक बात कहूंगा कि उद्योग से ही प्रगति का रथ चलता है, कृषि के द्वारा गवर्नमैंट जनता का उदर भरती है, शिक्षा से समाज की आंखें खुलती हैं, साहित्य से संस्कृति का दीप जलता है। हरियाणा प्रदेश के अन्दर चहुंमुखी विकास हुआ है। आज मेरी समझ में यह नहीं आता कि इस विकास का जो पहिया है जोकि इतना तेज चल रहा है इसका गुणगान मैं कहां कहां से करूं। इससे पहले कि मैं वर्ष 2011–2012 के बजट प्रस्ताव पर चर्चा करूं, डिप्टी स्पीकर सर, मैं सदन के सामने अपने विचार रखूं, मैं एक बात सदन को बताना चाहता हूं। दिल्ली के नजदीक एक सरवर गांव हैं वहां पर विक्रमी सम्वत 1385 में एक शिलान्यास उद्धृत हुआ जिसके अन्दर हरियाणा नाम का एक देश प्रदेश है। हरियाणा नाम का देश प्रदेश है जो इस धरती पर स्वर्ग के समान है। 1385 विक्रमी सम्वत में यह लिखा हुआ पाया गया है। उससे इस हरियाणा प्रान्त की महत्ता को हम समझ सकते हैं। So far as Haryana No. 1 is concerned, there are no two opinion that Haryana has made a tremendous progress. Take any field whether it is Agriculture, Industry, Infrastructure Development, Electricity Generating, Spread of Education, Health Care System etc., our State is counted as prime mover in the country. The State has witnessed the magnificent journey of the progress. Hon'ble Deputy Speaker Sir, the Haryana alongwith Punjab ensures food security of the country. It is once produced a little more than it needed. Now, it fills the

[श्री भारत भूषण बतरा]

granaries of the country with its wheat and rice. It is the largest exporter of that aromatic Basamati rice. Sir, about industrial produce, I am telling here in the House or even to the members who are sitting in the galleries that industrial growth जो हमने की है उसके अनुसार हरियाणा प्रदेश सारे प्रदेश की 50 परसैंट कारों का निर्माण करता है । हरियाणा प्रदेश 75 परसैंट टू व्हीलर्स का निर्माण करता है । हरियाणा प्रदेश वन फोर्थ ट्रैक्टर्स का निर्माण करता है । उपाध्यक्ष महोदय, मैं पिछले 6 सालों के विकास की भी बात करना चाहूंगा । The vast roads criss-crossing the country यानि भारतवर्ष की सारी सड़कों पर सारी की सारी कारें जो चलती हैं उनमें से बहुत सारी कारें और टू व्हीलर्स हरियाणा प्रदेश में बनी हुई हैं । फॉरेन इन्वैस्टमैंट का सबसे बड़ा डैस्टीनेशन हरियाणा है । भारतीय उद्योगपति लाइन लगाकर हरियाणा में अपना बिजनैस लगाने के लिए खड़े हुए हैं । इस बात के लिए मैं कहना चाहूंगा कि हरियाणा में कितनी प्रोग्रैस हुई है । उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं किस किस फील्ड की बात आपके सामने कहूं। Sir, firstly, I will touch before this august House about the economic growth. The Gross State Domestic Product of Haryana i.e. GSDP at cost factor during the year 2009-2010 has made excellent growth of 9.9%. It is an excellent growth. किसी और प्रांत में इतनी ग्रोथ नहीं है । सर, 2004-05 में जब इनकी सरकार थी तो GSDP 95319 करोड़ थी । अब 2009-10 की बात करें तो यह 216287 करोड है । आप इस बात को देख सकते हैं कि इसमें कितनी प्रोग्रैस हुई है । (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा प्रांत की बात कर रहा हूं । आप प्रांत की बात आराम से सुनिए । जी.एस.डी.पी. के अंदर 3 सैक्टर्स काम करते हैं । माजरा जी को इस बात के लिए पता होगा कि इसके तीन सैक्टर्ज हैं प्राइमरी सैक्टर, सैकेंडरी सैक्टर और ट्रसरी सैक्टर । प्राइमरी सैक्टर में एग्रीकल्चर, माइनिंग, फिशरीज, फोरैस्टिंग वगैरह आते हैं । सैकैंडरी में मैनीफैक्चुरिंग, कंस्ट्रक्शन, इलैक्ट्रिसिटी, गैस और वाटर सप्लाई की बात आती है और तीसरा ट्रसरी सैक्टर में ट्रांसपोर्ट, बैंकिंग, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एजूकेशन और हैल्थ आते हैं। ये सारे सैक्टर्स आते हैं । 2009-10 में इन तीनों में-से पहले सैक्टर में प्वांयट 7 परसैंट इन्क्रीज हुआ है । दूसरे सैक्टर में 10.3 परसैंट और तीसरे में 16.3 परसैंट इन्क्रीज हुई है । There has been excellent and tremendous industrial progress in manufacturing of the capital goods also. Capital goods industries means tractors, cars, cranes, compressors etc. इसके अंदर 2009-10 में हमारे हरियाणा में 16.15 परसैंट वृद्धि हुई है जो आज के युग को देखा जाए तो स्टेट इकोनोमी के लिए अच्छा माना गया है। ऐग्रीकल्चर से दूसरे सैक्टरों से और इंडस्ट्रियल सैक्टर से आज शिफ्टिंग हो रही है । हमारा प्रांत राइट डायरैक्शन में जा रहा है । उपाध्यक्ष महोदय, पर कैपिटा इन्कम की मैं बात करना चाहता हूं तो 2004-05 में पर कैपिटा इन्कम हरियाणा में 37842 रूपये सालाना थी । 2008-09 में पर कैपिटा इन्कम हरियाणा के अंदर 67757 रूपये सालाना थी और वर्ष 2009-10 में 78781 रूपये सालाना है । आप इस बात का डिफरैंस देख सकते हैं कि 2004-05 में पर कैपिटा इन्कम कितनी आई और 2009-10 में कितनी आई । वर्ष 2008-09 से 2009-10 का कम्पैरीजन करें तो आप

देखेंगे कि इसमें 16.3 की शार्प इन्क्रीज हुई है । उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं वैल्फेयर ऑफ शिडयूल्ड कास्ट एण्ड बैकवर्ड क्लासिज की बात करना चाहूंगा कि इस क्षेत्र में दर्जनों ऐसी स्कीम्ज चलाई गई हैं। महात्मा गांधी रूरल डिवैल्पमैंट स्कीम, इंदिरा गांधी आवास योजना, स्वर्ण जयंती रोजगार योजना, ओल्ड एज सम्मान अलाऊंस, डा. भीम राव अम्बेडकर मेधावी छात्रा योजना, इंदिरा गांधी प्रियदर्शनी विवाह शगुन योजना आदि शुरू की हैं । यदि मैं सभी स्कीम्ज के नाम बताने लगा तो काफी समय लग जायेगा । इस तरह की बहुत सी स्कीम्ज हैं जो हमारी सरकार ने वर्ष 2005 के बाद शुरू की हैं, कुछ एक-दो स्कीम पहले की भी हो सकती हैं लेकिन ज्यादातर स्कीम तो हमारी सरकार ने चलाई हैं ।

उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक पॉवर की बात आती है, एनर्जी की बात आती है इस बारे में विपक्ष के साथी काफी शोर मचाते हैं कि बिजली नहीं आती । मैं सदन के सामने कुछ आंकड़े और रिकार्ड की बात बताना चाहूंगा कि इस समय हरियाणा प्रांत के अंदर इन्सटाल्ड जनरेशन कैपेसिटी 5761.83 मेगावाट है । जिसके अंदर 3230.50 मेगावाट बिजली स्टेट के यमुनानगर, पानीपत, हिसार आदि थर्मल प्लांट्स से, 875 मेगावाट भाखड़ा और पौंग डैम से, 1573 मेगावाट हरियाणा के हिस्से की सैंट्रल सैक्टर से और 83 मेगावाट बिजली इनडिपैंडैंट प्राईवेट पावर प्रोजैक्ट्स से मिलती है । जबकि वर्ष 2003-04 के अंदर 2010 मेगावाट और 2004-05 के अंदर 2525 मेगावाट बिजली स्टेट की इन्सटालेशन से मिलती थी । उपाध्यक्ष महोदय, यह बड़ी खुशी की बात है कि जो बजट हमारे सामने है इसमें बिजली को बढ़ौत्तरी देने के लिए 4962 करोड़ की बजट ऐलोकशन की गई है जो पिछले वर्ष के मुकाबले 713.44 करोड़ रूपये ज्यादा है । मैं एक और बात बड़े हर्ष के साथ बताना चाहता हूं कि वर्ष 2011-12 के अंदर हमारे प्रांत की इन्सटाल्ड कैपेसिटी अपने सैक्टर से, सैंट्रल सैक्टर से और भाखड़ा से 7825 मेगावाट हो जायेगी । इसके अतिरिक्त हमारे जो नये राजीव गांधी और इंदिरा गांधी थर्मल प्लांट झज्जर आदि के अंदर बन रहे हैं वे हमारी सोच के मुताबिक कम्पलीट होने पर अनुमानित 11065 मेगावाट बिजली वर्ष 2012-13 में प्रांत के पास होगी और वर्ष 2013-14 में 11305 मेगावाट बिजली प्रांत के पास होगी । उसके बाद प्रदेश में बिजली का संकट किसी हालत में नहीं रहेगा । उपाध्यक्ष महोदय, बिजली के क्षेत्र में अब जो उपब्धियां हो रही हैं वे पहले कभी नहीं हुई । लेकिन मैं सभी से अनुरोध करूंगा कि हमें बिजली की चोरी रोकने की तरफ विशेष ध्यान देना चाहिए । बिजली की चोरी ग्रामीण आंचल और अर्बन एरियाज दोनों जगह पर होती है और पिछले कुछ सालों में इन दोनों एरियाज में बिजली की कंजम्पशन भी बहुत बढ़ी है । आज के दिन गांवों के अंदर दूध भी बिजली की मशीनों से बिलौया जाता है । आज हम गांवों में एयर कंडीशन, गीजर, कूलर आदि भी लगे हुए देखते हैं । जहां एक तरफ हम बिजली की प्रोडक्शन करते हैं वहीं बिजली की चोरी रोकने के लिए भी हमें कठोर कदम उठाने चाहिए इस बात के लिए मैं पावर मिनिस्टर जी से पुरजोर सिफारिश करता हूं, वे इस समय सदन में बैठे नहीं हैं ।

उपाध्यक्ष महोदय, कल विपक्ष की तरफ से सदन में हैल्थ और हैल्थ एजूकेशन की बात उठाई गई जिसके तहत इस सदन में प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य और हीमोग्लोबिन जैसी और भी कई बातें हो रही थी । इस सबको मद्देनज़र रखते हुए जो हमारा

13.00 बजे

[श्री भारत भूषण बतरा]

हैल्थ डिपार्टमैंट है उसने बहुत ही ज्यादा प्रोग्रैस की है । मैं यह बताना चाहता हूं कि यह बड़े ही हर्ष का विषय है कि सारे भारतवर्ष में हरियाणा पहला ऐसा प्रदेश है जहां पर सभी अस्पतालों में सभी ओ.पी.डीज़. के अंदर दवाईयां मुफ्त दी जाती हैं ।

डॉ. बिशन लाल सैनी : उपाध्यक्ष महोदय, (विघ्न)

Mr. Deputy Speaker : Bishan Lal Ji, no running commentary please. Batra Ji, please continue.

श्री मोहम्मद इलियास : उपाध्यक्ष महोदय, (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : मोहम्मद इलियास जी, जब आपको बोलने का मौका मिलेगा आप उस समय बोल लेना । Please don't disturb the proceedings of the House. Batra Ji, please continue.

श्री भारत भूषण बतरा : उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह बात इस सदन के सामने दोबारा दोहराना चाहता हूं कि यह जो विपक्ष के साथियों की तरफ से इस प्रकार की बातें की जा रही हैं, ये पूर्णतया असत्य हैं । चाहे पी.जी.आई., रोहतक की ओ.पी.डी. हो या प्रदेश की अन्य ओ.पी.डी. हो अगर उसमें कोई पैशेंट जाता है तो उसे वहां पर सरकार की तरफ से मुफ्त दवाईयां दी जाती हैं । इसके अतिरिक्त एक बात मैं विपक्ष के साथियों को और बताना चाहता हूं कि हैल्थ सर्विसिज के लिए वर्ष 2004 के अन्दर टोटल अवेलेबिलिटी ऑफ फण्ड्ज़ सिर्फ 392 करोड़ रुपये था जो कि वर्ष 2010-11 में बढ़कर 1629 करोड़ रुपये हो गया है । इस प्रकार से यह इन्क्रीज 310 प्रतिशत है जो कि अपने आप में एक रिकार्ड है । जहां तक प्रदेश में मैडीकल एजुकेशन की बात है । इस समय प्रान्त के अन्दर चार मैडीकल कालेज हैं पंडित भगवत दयाल शर्मा पी.जी.आई., रोहतक, जिसको यूनिवर्सिटी का दर्ज़ा दिया गया है, जिसके अन्दर एम.बी.बी.एस. की 150 सीटें हैं, महाराजा अग्रसैन मैडीकल कालेज, अग्रोहा में एम.एम.बी.एस. की 50 सीटें हैं, महर्षि मारकण्डेश्वर मैडीकल कालेज, मुलाना में एम.एम.बी.एस. की 105 सीटें हैं और श्री गोविंद ट्राई-सैंचरी मैडीकल कालेज, बुढेड़ा (गुडगांव) में एम.एम.बी.एस. की 100 सीटें हैं । डिप्टी स्पीकर सर, यह बड़े हर्ष का विषय है और हमें इस पर गर्व होना चाहिए। अगर आप देखें तो हमारे प्रांत के अन्दर भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय बन रहा है यह हमारे माननीय मुख्यमंत्री महोदय जी का एक बहुत बड़ा साहसिक कदम है। इस यूनिवर्सिटी के सभी प्रोजैक्ट्स चरणबद्ध तरीके से पूरे हो रहे हैं । यह यूनिवर्सिटी चालू हो गई है और इसमें जो मैडीकल और नर्सिंग कालेज है वह भी 2012 तक शुरू हो जायेगा । यह मैडीकल नर्सिंग कालेज 584 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। इस मैडीकल कालेज में एम.एम.बी.एस. की 100 सीटें होंगी जोकि सिर्फ और सिर्फ महिलाओं के लिए होंगी क्योंकि यह पूर्ण यूनीवर्सिटी सिर्फ महिलाओं के लिए ही बन रही है। खानपुर कलां सोनीपत जिला की एक बहुत छोटी सी जगह है लेकिन इसको बहुत अच्छे तरीके से डिवैल्प किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 500 बैडिड हॉस्पिटल भी वहां पर बनाया जा रहा है जो कि काफी फेज़िज में कंस्ट्रक्ट हो रहा है और वर्ष 2012 तक ये सभी काम पूरे हो जायेंगे । डिप्टी स्पीकर

सर, अगर मैं मेवात की बात करूं तो मेवात के अन्दर एक जगह है नल्लड़ जहां पर हमारी सरकार द्वारा एक मैडीकल कालेज और एक डैंटल कालेज खोलने का बजट में प्रावधान किया गया है जिसके लिए 507 करोड़ रुपये की राशि बजट के अंदर आंबटित की गई है । इस मैडीकल कालेज में एम.एम.बी.एस. की 100 सीटें होंगी और 500 बैडों का हॉस्पिटल होगा । इसलिए मैं मेवात क्षेत्र के सभी विधायकों से यह अपील करूंगा कि उनको इसके लिए सरकार का तहेदिल से धन्यवाद करना चाहिए और इस काम के लिए कांग्रेस की मौजूदा सरकार की प्रशंसा भी करनी चाहिए । सरकार ने यह वादा भी किया है कि वर्ष 2012 में यह मैडीकल और डैंटल कालेज चालू कर दिये जायेंगे ।

श्री मोहम्मद इलियास : उपाध्यक्ष महोदय, मैडीकल कॉलेज के लिए मैं धन्यवाद करता हूँ लेकिन साथ ही साथ ये यह भी तो बतायें कि मेवात में जितने भी 10+2 के स्कूल हैं उनकी क्या पोजीशन है ? बाकी शिक्षा पर भी तो माननीय मंत्री जी ध्यान दें । वहाँ पर शिक्षा नाम की कोई चीज नहीं है । वहाँ पर न ही तो अध्यापक हैं और न ही कोई स्कूल अपग्रेड हुआ है । (शोर एवं व्यवधान)

शिक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल) : उपाध्यक्ष महोदय, हमने मेवात के लिए शिक्षा का अलग कैडर बना दिया है । हम मेवात में शिक्षा का पूरा ध्यान रखेंगे ।

श्री भारत भूषण बतरा : उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से बड़े गर्व का विषय है कि हम करनाल में कल्पना चावला जिसने सारे विश्व में भारतवर्ष और हरियाणा का नाम रोशन किया, के नाम से मैडीकल कॉलेज बना रहे हैं । यह 50 बैड का हॉस्पीटल है तथा साथ ही जो करनाल का जिला हस्पताल है उसको भी अपग्रेड करके 300 बैड का बनाया जा रहा है । इस काम के लिए सरकार 25 करोड़ रुपये सैंक्शन कर चुकी है । इसके अलावा 10 जिला हस्पताल हैं जिनको सरकार ने अपग्रेड कर दिया है तथा इस काम में 200-250 करोड़ रुपया लगेगा । इसी तरह से जो छोटे हस्पताल और गांवों में डिस्पैंसरीज हैं उनकी भी रिस्ट्रक्चरिंग की जा रही है और अपग्रेड किया जा रहा है । इस प्रकार सबसे ज्यादा मैडीकल सुविधाएं देने के लिए सरकार वचनबद्ध है तथा इस बारे में सरकार काफी प्रयत्नशील है । इसी प्रकार से मैं शिक्षा के बारे में बताना चाहूँगा कि हरियाणा में शिक्षा का बहुत विस्तार हुआ है । शिक्षा के बारे में हरियाणा में जितना कुछ हुआ है उसके बारे में भी मैं आपको बताना चाहता हूँ । आगे कुछ कहने से पहले मैं एक बात कहना चाहूँगा कि :

कहाँ से आ गई दुनिया कहाँ
मगर देखो कहाँ-कहाँ से अभी कारवां गुजरता है ।

यह प्रोग्रैस अभी कितनी आगे तक जायेगी इसके बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता यह तो अभी आने वाला समय ही बतायेगा । शिक्षा के क्षेत्र में हरियाणा प्रदेश ने जितनी तरक्की की है वह बहुत ही उल्लेखनीय है । प्रदेश में 1966 में सिर्फ एक विश्वविद्यालय था और जब 2004-05 में विपक्ष की सरकार थी, उस समय हरियाणा में सिर्फ 5 विश्वविद्यालय थे और आज हरियाणा प्रदेश में 21 विश्वविद्यालय हैं । कॉलेज की बात की जाये तो 2004-05 में प्रदेश में 166 कॉलेज थे लेकिन आज 2010-11 में प्रदेश में 664 कॉलेज हैं । यह बड़ी खुशी की बात है कि

[श्री भारत भूषण बतरा]

टैक्नीकल ऐजूकेशन के मामले में इंजीनियरिंग कॉलेज, बी.बी.ए., एम.सी.ए., बी.फार्मेसी के हमारे कोर्स आये हैं । 2004-05 में इसमें स्टूडैंट्स की जो कुल स्ट्रैंथ थी वह 27112 थी और इस समय 118505 हो गई है । इसी प्रकार से आई.टी.आई. और आई.टी.सी. में 2004-05 में स्टूडैंट्स की स्ट्रैंथ 16464 थी और इस समय वह संख्या बढ़ कर 43784 हो गई है । हमें बड़ा गर्व है कि रोहतक के गरनावठी गाँव में आई.आई.एम. का संस्थान भी काम कर रहा है तथा मुरथल में दीन बंधु सर छोटूराम विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है । जहाँ तक विश्वविद्यालयों की बात की जाये तो जैसे मैंने आपको 21 विश्वविद्यालय बताये वहीं पर 22वां पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय आ रहा है । स्टेट की चार यूनिवर्सिटीज के बारे में मैंने बताया है । इसके बाद रिवाड़ी के अंदर मीरपुर में रिजनल सैंटर ऑफ एम.डी.यू., रोहतक और जींद में पोस्ट ग्रेज्यूएशन आया है । डिप्टी स्पीकर सर, मैं थोड़ा सा और बता देता हूं । (विघ्न) राजीव गांधी ऐजूकेशन सिटी के अंदर आप जाकर देखिए । मैं विपक्ष के और सत्ता पक्ष के और दूसरे मैम्बर्ज से कहना चाहूंगा कि वे वहां पर जाकर देखें । वहां पर किसी भी फॉरेन कंट्री से कम सैटअप नहीं है । इसी तरह से ओ.पी.जिंदल ग्लोबल लॉ यूनिवर्सिटी में आप जाकर देखें । वहां भी जाकर लगता है कि हम कहां पर हैं ।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने राजीव गांधी ऐजुकेशन सिटी तथा दूसरी यूनिवर्सिटीज का जिक्र किया । जहां तक ओ.पी.जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी की बात है । मैं बताना चाहूंगा कि उसमें जमीन तो हरियाणा के किसानों की गयी है लेकिन हरियाणा के किसान का एक भी बच्चा वहां पर पढ़ नहीं सकता क्योंकि उसकी एक साल की लॉ की फीस सात लाख रुपये है ।

श्री भारत भूषण बतरा : सर, उसमें हरियाणा के बच्चों का 25 परसैंट रिजर्वेशन है इसके अलावा रिकार्ड में आप जाकर देखें कि हरियाणा के बच्चों के लिए फीस में भी कंसैशन है । मैं अरोड़ा साहब से कहना चाहूंगा कि वे सदन के सामने असत्य बात न कहें ।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : सर, अगर उस यूनिवर्सिटी की लॉ की सालाना फीस सात लाख रूपये न हो तो आप बता दें ।

श्री भारत भूषण बतरा : डिप्टी स्पीकर सर, फीस सात लाख रुपये तो है लेकिन कम से कम वहां बच्चे पढ़ तो रहे हैं । वह यूनिवर्सिटी फॉरेन कौलोबरेशन से बनी हुई है । वहां पर आक्सफोर्ड से प्रौफेसर पढ़ाने के लिए आते हैं । क्या ये ऐजुकेशन के स्टैंडर्ड को बढ़ावा नहीं देना चाहते हैं ? (विघ्न)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अगर वहां पर एक भी हरियाणा का बच्चा पढ़ता हो तो बता दें ।

श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल : उपाध्यक्ष महोदय, हम लोग प्राईवेट यूनिवर्सिटीज

बिल लेकर आए हैं और प्राईवेट यूनिवर्सिटीज ऐक्ट हमारे यहां बना भी है । हम ऐजूकेशन को और ज्यादा बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से प्रयासरत हैं । इसमें हमारी कंडीशन है कि जो भी प्राईवेट यूनिवर्सिटीज हरियाणा में हैं या हरियाणा में आती हैं उनमें 25 परसैंट हरियाणा के बच्चों के लिए सीट्स रिजर्व हैं ।

श्री भारत भूषण बतरा : डिप्टी स्पीकर साहब, पांच परसैंट सीट्स वहां हरियाणा के बच्चों के लिए भी फ्री हैं । गोहाना के विधायक बता रहे हैं कि ऐसा है। उनका तो ऐक्सपीरियैन्स भी है । (विघ्न) विपक्ष ने तो किसी भी अच्छे काम के लिए मुबारिकबाद नहीं देनी है । अरोड़ा साहब ने तो वैसे भी मुबारिकबाद नहीं देनी है ।(विघ्न) सर, राईट टूं ऐजुकेशन ऐक्ट की जितनी सराहना की जाए वह कम है । राईट टूं ऐजुकेशन ऐक्ट के लिए प्रदेश में इम्प्लीमेंटेशन के लिए रूल्ज बनाए जा रहे हैं इसके बाद इसके माध्यम से बहुत फैसिलिटीज मिलेंगी, बच्चों को फ्री शिक्षा दी जाएगी । मैं राईट टूं ऐजुकेशन ऐक्ट के बारे में बहुत ज्यादा जानकारी दे सकता हूं लेकिन सदन का समय ज्यादा लग जाएगा । यह ऐक्ट बहुत अच्छा ऐक्ट है । उपाध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी कहा था कि उद्योग से प्रगति का रथ चलता है । 1.1.2011 को इंडस्ट्रियल डिवैल्पमैंट पौलिसी, 2011 आयी है । यह पौलिसी बहुत ही सराहनीय है । इसके बाद प्रान्त के अंदर एक नये आयाम की शुरूआत हुई है और स्टेट इकोनोमी बहुत मैच्योरिटी से और सही दिशा में चलनी शुरू हो गयी है । 84 परसैंट स्टेट डौमेस्टिक प्रोडक्ट्स जो हैं वह टरसरी और सैकेण्डरी सैक्टर से आते हैं । डिप्टी स्पीकर सर, वर्ष 2009-10 के अंदर 42 हजार करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट हरियाणा का है । 2005 से पहले की बात तो मैं नहीं कहता लेकिन 2005 से लेकर आज तक 53 हजार करोड़ रुपये की इन्वैस्टमैंट हुई है। फौरेन डायरैक्ट इन्वैस्टमैंट 12908 करोड़ रुपये की हुई है, 9428.96 करोड़ रुपये का जो रेवेन्यू आया है वह हमारी इंडस्ट्रियल पॉलिसी के आने के बाद यानी वर्ष 2005 के बाद आया है। स्टेट के पास इस टाइम एक हजार ऐसे प्रोजैक्ट हैं जो फारेन टैक्नीकल एंड फाइनैंशियल हैल्प से चलते हैं। यह हमारे प्रदेश के लिए एक अचीवमैंट है। उपाध्यक्ष महोदय, आज प्रदेश में 1356 लार्ज स्केल और 81 हजार माइक्रो एंड स्माल स्केल यूनिट है। पिछले 6 वर्ष में लार्ज और मीडियम स्केल में 2819 करोड़ रुपये का और माइक्रो और स्माल स्केल इंडस्ट्रीज में 4800 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। मैं रोहतक से विधायक हूं और आपका धन्यवाद करता हूं कि रोहतक में आई.एम.टी. की स्थापना की जा रही है इससे उद्योग और बढ़ेंगे। इसी तरह फरीदाबाद और रोज–का–मेव में भी आई.एम.टी. की स्थापना की जा रही है। यह फैक्टर्ज हमारी स्टेट के लिए बहुत ही जरूरी हैं। इसी तरह से के.एम.पी. प्रोजैक्ट किसके समय में शुरू हुआ था इस कंट्रोवर्सी में तो मैं नहीं पड़ना चाहूंगा, लेकिन यह कहना चाहूंगा कि के.एम.पी. का काम तीव्र गति से शुरू हो चुका है और जब आपके सामने आएगा तो हमारे प्रदेश का एक नया ही परिदृश्य होगा। इसके बाद जब दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रियल कोरीडोर प्रदेश में आएगा तो प्रदेश उन्नति के पथ पर अग्रसर होगा। ज्यादा विस्तार से तो नहीं लेकिन खेलों के बारे में भी यह कहना चाहूंगा कि हमारे मुख्यमंत्री जी भी खिलाड़ी हैं और इधर से माननीय विपक्ष के विधायक श्री अभय सिंह चौटाला जी भी स्पोर्ट्स में इंट्रस्ट रखते हैं। स्पोर्ट्स के बारे में जो गवर्नमैंट

[श्री भारत भूषण बतरा]

की पालिसी आई और उस पॉलिसी की वजह से हमारे प्रदेश के खिलाड़ियों को बहुत ज्यादा प्रोत्साहन मिला है। इतनी अच्छी और प्रोग्रैसिव हैल्थ पॉलिसी के लिए हमें माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी का धन्यवाद करना चाहिए। 19वें कॉमनवैल्थ और 16वें एशियन गेम्स में हरियाणा ने क्रमशः 35 परसैंट और 31.25 परसैंट मैडल यहां पर जीते और प्रोत्साहन स्वरूप 13.24 करोड़ रुपये की राशि मैडल विनर्स को इनाम के रूप में दी गई है। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।)** अध्यक्ष महोदय, पिछले विधान सभा सत्र में आपस में आर्गूमैंट हो रहे थे, उस समय ये बात सामने आई कि 187 रुरल स्टेडियम्स की डिवैल्पमैंट हुई है, जब डिवैल्पमैंट हुई है तो मैं अभय चौटाला जी को यह भी बताना चाहूंगा कि इसके अंदर भी कोच आएंगे, सारा इन्फास्ट्रक्चर आएगा, अभी तो बिल्डिंग वगैरह बनी है।

Mr. Speaker : Hon'ble Member, you have been speaking for last 32 minutes.

Shri Bharat Bhushan Batra : Sir, is there any restriction on my speaking ?

Mr. Speaker : No, it is not restriction but I am constraint.

Shri Bharat Bhushan Batra : Sir, I will try to summarise. मैं सरकार से इस बात का अनुरोध करूंगा कि जो सरकार ने स्पोर्ट्स के लिए बजट की एलोकेशन रखी है, स्पोर्ट्स के लिए केवल 45 करोड़ रुपये की राशि दी गई है इसको बढ़ाया जाए क्योंकि जो जोश हमारे जवानों में हैं। (विघ्न)

श्री अभय सिंह चौटाला : ऑन ए प्वायंट ऑफ ऑर्डर स्पीकर सर। बतरा जी ने बोलते हुए स्पोर्ट्स का जिक्र किया है। मैं आपके माध्यम से बतरा जी से और माननीय स्पोर्ट्स मिनिस्टर से पूछना चाहूंगा कि जो बात इन्होंने कही है कि हमने 187 स्टेडियम बनाए हैं। इस बात की चर्चा मैंने पीछे क्वैशचन ऑवर में भी की थी और पूछा था कि 187 स्टेडियम कहां बनाए गए हैं? उसके साथ–साथ मैंने यह भी पूछा था कि किनके लिए बनाए हैं और उनमें कितने इंस्ट्रक्टर लगाए हैं, कोच लगाए हैं, उनके बारे में जानकारी दें। उसके साथ–साथ यह भी बताएं कि जो नर्सरी और जो विंग हमारे समय में चलती थी, वे बंद कर दी। एक तरफ तो स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने की बात करते हैं दूसरी तरफ स्पोर्ट्स पर राजनीति करते हैं क्योंकि जो स्पोर्ट्स सैंटर थे जहां पर खिलाड़ियों को कुछ सिखाया जाता था और ट्रेनिंग दी जाती थी जो नर्सरीज थी और खेल विंग थी वे सारी इस सरकार ने बन्द कर दी हैं । अगर स्पोर्ट्स को बढ़ावा देना है तो और ज्यादा नये विंग और नर्सरी बनानी चाहिएं ।

Mr. Speaker : Batra ji, conclude please.

Shri Bharat Bhushan Batra : Hon'ble Speaker Sir, I will try to summarize my speech. मैं ज्यादा लम्बी बात नहीं करूंगा । हमारे बजट के अन्दर भी आदरणीय वित्त मंत्री जी ने कौशल्या डैम, ओटू झील का जिक्र किया है और इनके लिए जो

साहसिक कदम उठाने जा रहे हैं, हमें इस बात के लिए सरकार की प्रशंसा करनी चाहिए । ओटू झील का निर्माण ओटू गांव के नजदीक 1834 में किया गया था। आज तक किसी सरकार ने इस झील पर काम करने के लिए नहीं सोचा । आज हम घग्गर पर फ्लड की बात करते हैं कि उससे नुक्सान हुआ। अगर इस घग्गर रिवर को प्रोपर मेनटेन किया जाए तो मैं सरकार से गुजारिश करूंगा कि जो इस बारे में सी.डब्ल्यू.सी. की एक कमेटी बनी हुई है उसके हिसाब से यह हमारे हरियाणा के लिए वरदान साबित हो सकती है । लेकिन विपक्ष की सरकार जब भी आई है उसने घग्गर प्रोजैक्ट के बारे में कोई काम नहीं किया । विपक्ष की सरकार 1977 से 1978, 1987 से 1990 तक और 1999 से 2004 तक रही, किसी ने इस बारे में सोचने की कोशिश नहीं की कि ओटू वीयर झील के काम को हम किस प्रकार प्रोग्रैस करें । इस सरकार की सोच है । इस सरकार ने पहली बार साहिसक कार्य किया है कि ओटू में जाकर वहां पर उस झील के पुनर्निर्माण की कोशिश की है कि उसमें पानी किस प्रकार से पहुंचाया जाए । उसकी चार फुट की खुदाई हो रही है । कल ही मैं हमारे वित्त मंत्री जी से बात कर रहा था कि बजट में आपने इस पैसे का स्पेस्फिकली जिक्र नहीं किया है । वे कहते हैं कि हमने आलरैडी इसके लिए बजट में काफी पैसा अलॉट किया है । (शोर एवं व्यवधान) ।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर सर, बतरा जी को यह ही नहीं पता कि ओटू कहां पर है । मैं आपको बताना चाहूंगा कि जहां ये मिट्टी की खुदाई की बात करते हैं जब ओटू बान्ध टूटा तो वहां पर खुदाई की थी वह मिट्टी वहां से उठाकर किसी दूसरी जगह ले गये । अगर वहां वह मिट्टी उन बान्धों पर डाली होती तो बाढ़ वहां पर आती ही नहीं ।

श्री भारत भूषण बतरा : स्पीकर सर, ओटू पर बाढ़ की बात नहीं है। आज तक ओटू झील को टोटली एक्सप्लॉयट किया गया था। यह सरकार प्रयत्नशील है कि वहां पर जो ओटू में पानी जायेगा वहां पर खरीफ की फसल के लिए एक लाख एकड़ भूमि की सिंचाई होगी । इनको इस बात का अन्दाजा नहीं होगा । आज तक विपक्ष की सरकार ने इस झील के लिए कोई स्टैप्स नहीं उठाये । 90 दिन इरीगेशन होगी । पानी बहुत ज्यादा आयेगा । हम गरीब जहां पानी के लिए तरसते हैं इस बात की फिक्र इन्होंने कभी नहीं की ।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, नहरें बनाने का काम किस सरकार ने किया? आपके कार्यकाल में तो नई नहरों का निर्माण नहीं हुआ । आपने तो अब जाकर वहां पर पत्थर रखे हैं । नई नहरें तो हमारे राज में बनाई गई थी । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर सर, दूसरी नहरों की बात नहीं हो रही जो ओटू झील से नहर निकली हैं उनका जिक्र हो रहा है ।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, ये कह रहे हैं कि हमने नहरें बना दी थी लेकिन ओटू झील नहीं बनाई वह सूखी रहा करती थी उनको चलाया हमने है और भी हम बहुत बना रहे हैं । इस बारे में मैं जवाब में बता दूंगा ।

श्री अभय सिंह चौटाला : स्पीकर सर, मंत्री जी को शायद ध्यान नहीं है । इस झील को बनाने के लिए उस समय केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी और यहां पर हरियाणा में चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी की सरकार थी । उस समय के केन्द्रीय टूरिज्म मिनिस्टर ने वहां ओटू में आकर यह कहा था कि इस झील का बड़ा आकार किया जायेगा । उस समय केन्द्रीय सरकार द्वारा पैसा दिया गया था । उस पैसे से उस झील की खुदाई होनी थी । जो खुदाई उस झील की होनी थी उस झील की खुदाई करते-करते उन ठेकेदारों को आपने छूट दे दी कि उस झील की मिट्टी बरम पर लगाने की बजाए उस मिट्टी को बाहर बेचते रहे । एक-एक ट्राली मिट्टी की एक हजार रुपये कीमत आपके ठेकेदारों ने रखी है । आपने तो ठेकेदारों को पूरी छूट दे दी ।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, इन लोगों ने कोई वहां पर काम नहीं किया । ये हाउस को मिसलीड कर रहे हैं । हमने इतना बड़ा काम किया है ।

श्री भारत भूषण बतरा : स्पीकर सर, जब बात आती है पानी की, जब बात आती है किसान की, आप लोगों को इस बात के लिए गर्व होना चाहिए कि हमारे मुख्यमंत्री जी जो एक किसान के बेटे हैं स्वतंत्रता सेनानी के बेटे हैं । जब बान्ध की बात आती है और पानी की बात आती है तो सब कुछ बिरासत से लेकर इस बात के लिए बात करते हैं कि हरियाणा में ज्यादा से ज्यादा पानी किस तरह से लाया जाए । आज हमें उनकी इस बात की प्रशंसा करनी चाहिए । यह उस आदमी के प्रयत्न हैं और उस आदमी की यह सोच है कि हमें मैक्सीमम पानी कहां से मिल सकता है । हांसी बुटाना लिंक नहर की सोच किसकी थी । वह सोच हमारे मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की थी जो आज हमारे सामने बैठे हैं । आज तक ऐसी सोच किसी और ने नहीं रखी । अध्यक्ष महोदय, पानी कंजर्वेशन की जो यहां बात की गई उसके लिए मैं इनका धन्यवाद करता हूं । मैं एक बात कहना चाहता हूं कि पानी के समान बंटवारे के मामले में हम बात करें तो यह भला भी हमारे ये मुख्यमंत्री महोदय ही करेंगें और कोई नहीं कर सकता ।

Mr. Speaker : Mr. Batra ji, please conclude your speech.

श्री भारत भूषण बतरा : अध्यक्ष महोदय, बात इन्फ्रास्ट्रक्चर की करें, इंडस्ट्रीज की डिवैल्पमैंट की बात करें या फिर किसी और पहलू पर बात करें तो इन सब के बारे में आज के दिन हम हरियाणा वासियों को गर्व होना चाहिए । जब हम गुड़गांव की तरफ देखते हैं तो गुड़गांव आज के दिन किसी और फोरन कंट्री के अच्छे देश से कम नहीं है। इन्फ्रास्ट्रक्चर का आना, मल्टी स्टोरीज बिल्डिंग्ज का आना, मल्टी नैशनल कम्पनियों का आना, फोरेन इन्वैस्टमैंट का आना, बिजनैस सैंटर का आना केवल गुड़गांव तक ही नहीं बल्कि गुडगांव, फरीदाबाद, राई, कुंडली और पलवल तक पहुंच गया है । पलवल के बारे में यहां हमारे साथी कुछ न कुछ कह रहे थे । पलवल में तो बहुत ज्यादा डिवैल्पमैंट हो रही है । मेरा वहां आना जाना होता है इसलिए मुझे पता है कि वहां काफी डिवैल्पमैंट हो रही है । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मानेसर, धारूहेड़ा, सोनीपत, पानीपत, कुंडली, राई, खरखोदा और बहादुरगढ़ की बात करें तो वहां कितना इन्फ्रास्ट्रक्चर है और स्टेट की कितनी डिवैल्पमैंट हो रही है यह सबको पता है। यह मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि हरियाणा नम्बर एक पर है । सारा भारतवर्ष, सारा संसार और सारे प्रांत इस बात को मानते हैं, केवल विपक्ष

इस बात को नही मानता है । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं दो पहलुओं का जिक्र और करना चाहता हूं ।

Mr. Speaker : Mr. Batra ji, you have to conclude in 15 seconds.

Shri Bharat Bhushan Batra : Speaker Sir, if there will be no interruption, I will conclude my speech within 10 minutes. Speaker Sir, as I am the first- time Legislator who is initiating his speech on budget. So, I should be given sufficient time. However, I will not take more than ten minutes to conclude my speech.

Mr. Speaker : No, please conclude.

Shri Bharat Bhushan Batra : This is only I say that अध्यक्ष महोदय, इस प्रदेश के बहुत सारे मुख्यमंत्री रहे हैं । मैं एक बात दावे के साथ सदन में कहना चाहता हूं कि जहां पर सभी मुख्यमंत्रियों की सोच खत्म होती है उसके बाद हमारे मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सोच शुरू होती है । जहां तक एक किसान के बेटे की बात है और एक स्वतंत्रता सेनानी के बेटे की बात है तो मैं एक बात कहना चाहता हूं कि लैंड ऐक्वीजिशन पॉलिसी की बात करें तो कोई उसकी तह तक नहीं जाना चाहता कि उस पॉलिसी के क्या फायदे हैं, उस पॉलिसी में कहां कहां पर अमैंडमैंट की गई है और उस पॉलिसी को कैसे क्रियान्वित किया गया । आउसटीज पॉलिसी कैसी बनाई गई । आउसटीज पॉलिसी में आज तक किसी सरकार ने नहीं किया कि किसी जमींदार की जमीन जा रही है और उसके 5 बेटे हैं यानि 5 हिस्सेदार हैं तो उसको जो प्लॉट मिलेगा चाहे वह रैजीडैंशियल हो या इंडस्ट्रियल हो उसका हिस्सा पांचों के पांचों बेटों को मिलेगा न कि केवल खेवट वाले को मिलेगा । आज से पहले किसी ने ऐसा नहीं सोचा । ऐसी सोच सिर्फ हमारे मुख्यमंत्री महोदय जी की थी । अध्यक्ष महोदय, मेरा एक छोटा सा मुद्दा और है । विपक्ष के सदस्यों ने उस दिन वाक आउट भी किया और हमारे मैनीफैस्टो में भी है कि हरियाणा के अंदर जो हरको और मिनी बैंक छोटे लैवल पर हैं वहां कृषि के लिए क्रौप लोन 4 प्रतिशत ब्याज दर पर दिया जाता है इसमें कोई कंट्रोवर्सी नहीं है । इस बारे में कल सदन में विपक्ष की तरफ से डाक्यूमैंट्स लहराये गये थे कि चार प्रतिशत पर लोन नहीं दिया जाता वे बिलकुल गलत थे । (शोर एवं व्यवधान) आप कृपा करके मेरी बात सुनिये । (शोर एवं व्यवधान) With conviction I am saying that this is a matter of policy. It is the order of the Chief Minister. It is the order of the Finance Ministry. (विघ्न) आपकी कंप्लेंट मेरे पास है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वॉयंट आफ आर्डर है ।

श्री अध्यक्ष : आपका प्वायंट ऑफ आर्डर क्या है ?

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर यह है कि सरकार ने कहा कि किसानों को चार प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक लोन देते हैं । (शोर एवं व्यवधान) लेकिन दी

[श्री कृष्ण लाल पंवार]
हरियाणा स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक और ऐग्रीकल्चर एंड रूरल डिवैल्पमैंट बैंक ने स्पीकर सर, 13 प्रतिशत (शोर एवं व्यवधान)

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, मैंने यह कहा है कि जो टाईमली पेमैंट जमा करवाते हैं उनको क्रौप लोन 4 प्रतिशत ब्याज पर दिया जाता है which is fact. आप तथ्यों को तोड़-मरोड़कर क्यों पेश कर रहे हो? (शोर एवं व्यवधान) आप ऐसी बात क्यों कर रहे हो ।

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, मेरे पास डिपार्टमैंट की चिट्ठी हैं । 27.11.2010 को नाबार्ड से 8.25 प्रतिशत ब्याज दर पर लोन लिया और किसानों को (शोर एवं व्यवधान) मैं लैंड डिवैल्पमैंट बैंक की बात कर रहा हूं । (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी क्रौप लोन के बारे में बात कर रहे हैं जो को-ऑपरेटिव बैंक्स द्वारा दिया जाता है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण लाल पंवार : को-ऑपरेटिव बैंक का लैटर भी मेरे पास है, वह भी दिखाऊंगा । (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Please send these letters to me.

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथी कभी तो पंजाब नैशनल बैंक की बात करते हैं, कभी लैंड डिवैल्पमैंट बैंक की बात करते हैं । मेरा यह दावा है कि मैंने यह कहा था कि हम उन किसानों को जो टाईम पर अपने पैसे जमा करवाते हैं क्रौप लोन को-ऑपरेटिव बैंक्स के थ्रू 4 प्रतिशत ब्याज दर पर देते हैं और भविष्य में भी देंगे । (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, क्रौप लोन 7 प्रतिशत ब्याज दर पर दिया जाता है चिट्ठी मेरे पास है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, जो समय पर पैसे जमा नहीं करवाते उनके लिए 7 प्रतिशत है । (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इनको मौका दिया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Shri Krishan Lal ji, you may bring this topic when you speak. (Interruption)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : जो किसान से ऐग्रीमैंट होता है वह 7 प्रतिशत के हिसाब से होता है उसके बाद जो आप कह रहे हो कि जो समय पर भरता है उसको इनसैंटिव देते हो । यह नहीं है कि 4 प्रतिशत पर देते हो । डील तो 7 प्रतिशत की ही होती है ।

श्री भारत भूषण बतरा : अध्यक्ष महोदय, जो टाईम पर पेमैंट दे देते हैं उनको तो 4 प्रतिशत ब्याज पर ही मिलता है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के साथियों को बताना चाहूंगा कि इनसैंटिव नहीं सब-वैंशन मिलता है । 2 प्रतिशत सब-वैंशन भारत सरकार देती है और उसमें एक

प्रतिशत हम ऐड करके टोटल 3 प्रतिशत सब-वैंशन देते हैं । 2 प्रतिशत सब-वैंशन मिलने के बाद क्रौप लोन 5 प्रतिशत बनता था लेकिन उसमें हमने एक प्रतिशत की बढ़ौत्तरी करके क्रौप लोन 4 प्रतिशत ब्याज पर किया है । इस साल के बजट में सैंटरल गवर्नमैंट ने भी क्रौप लोन 4 प्रतिशत पर कर दिया है । ये लोग पढ़कर तो आते नहीं हैं । (विघ्न)

श्री भारत भूषण बतरा : अध्यक्ष महोदय, यह 4 प्रतिशत पर आप्लीकेबल होता है इसके अतिरिक्त जो बाकी लोन हैं उन पर भी 5 प्रतिशत का रिबेट दिया जाता है और मिनी डेयरी के लिए, आर्टीशन के लिए जो लोन दिया जाता है वह 7 प्रतिशत पर दिया जाता है जो टाईमली पेमैंट जमा करवाते हैं । अध्यक्ष महोदय, जिस बैंक का माननीय साथी जिक्र कर रहे हैं वह बैंक क्रौप लोन नहीं देता । जो मैंने आज बजट के बारे में हरियाणा प्रांत की प्रगति के लिए कहा उसके बारे में एक बात दोहराना चाहूंगा कि -

विकास की असली उड़ान अभी बाकी है,
हमारे इरादों का इम्तिहान अभी बाकी है,
अभी तो नापी है मुट्ठी भर जमीन हमने,
आगे सारा आसमान अभी बाकी है । (शोर एवं व्यवधान)

जब प्रदेश में प्रगति हो रही है अर्थात हमारे मुख्यमंत्री द्वारा हरियाणा प्रदेश की जो प्रोग्रैस की जा रही है, उसके बारे में मैं कहना चाहूंगा :-

"कौन कहता है कि आसमान में छेद नहीं हो सकता,
एक पत्थर तो तबीयत से उछालकर देखो यारों।"

स्पीकर सर, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका हार्दिक धन्यवाद ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला (उचाना कलां): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए अवसर प्रदान किया इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं । बजट सरकार का एक साल का लेखा-जोखा होता है जिसमें यह दर्शाया जाता है कि कहां से आमदनी होगी, किस प्रकार से उसको खर्च किया जायेगा और उससे लोगों को क्या सुविधायें मिलेंगी । सरकार ने अपनी तरफ से जो बजट प्रस्तुत किया है उसमें यह दर्शाने की कोशिश की गई है कि यह टैक्स-फ्री बजट है । पिछले बजट अधिवेशन में भी बजट को टैक्स-फ्री बताया गया था और उसके बाद बजट सैशन के बाद इन्होंने बिजली पर भी टैक्स बढ़ाया था, ट्रांसपोर्ट पर भी टैक्स बढ़ाया था और स्टॉम्प ड्यूटी पर भी टैक्स बढ़ाया था । अब भी मुझे यही अंदेशा है कि ये इस बजट अधिवेशन के बाद इस पर और ज्यादा टैक्स लगाने की बात करेंगे क्योंकि ये तो सिर्फ वाहवाही लूटना चाहते हैं । अध्यक्ष महोदय, आज इस प्रदेश की यह हालत हो गई है । हरियाणा बनने के बाद 2005-06 तक हरियाणा प्रदेश की सरकार के ऊपर 23,319 करोड़ रुपये का कर्ज़ा था और अब अंदेशा यह है कि अब यह बढ़कर 52,700 करोड़ रुपये से भी अधिक हो जायेगा । अध्यक्ष महोदय, इसके कारण यही हैं कि जो आमदनी के ज़रिया थे उनसे पूरी आमदनी नहीं आ रही है और अखराजात निरंतर बढ़ाये जा रहे हैं । आने वाले समय में इसका परिणाम यह निकलेगा कि आज हरियाणा प्रदेश की सरकार की यह हालत है (विघ्न)

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सर, आदरणीय चौटाला जी ने यह कहा है कि हरियाणा सरकार के ऊपर 52,700 करोड़ रुपये कर्ज़ हो जायेगा । माननीय वित्तमंत्री जी ने जो फिगर बजट के अन्दर दी है, वह वास्तव में वर्ष 2010-11 तक 44,515 करोड़ रूपये का एस्टीमेटिड कर्ज़ा है और यह फिगर 52,700 करोड़ रुपये नहीं है । श्री चौटाला जी कृपा यह फिगर ठीक कर लें। (विघ्न)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर सर, (विघ्न)

Mr. Speaker : Mr. Arora, please don't disturb the Hon'ble Minister. Let him complete please.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, पूरे सदन की जानकारी के लिए मैं एक और महत्वपूर्ण बात बताना चाहता हूं कि जो आदरणीय चौटाला जी ने कहा कि अब तक प्रदेश सरकार पर इतना कर्ज़ा बढ़ गया है । स्पीकर सर, वर्ष 2000-01 में जब श्री चौटाला जी ने हरियाणा प्रदेश की सत्ता सम्भाली उस समय सरकार के ऊपर 13,851 करोड़ रूपये का कर्ज़ा था और वर्ष 2005 में ये सत्ता छोड़कर गये तो इस कर्ज़े में 68 प्रतिशत बढ़ौतरी हो गई और यह बढ़कर 23,319 करोड़ रूपये हो गया । इस सरकार के कार्यकाल में अर्थात 2005-06 से 2010-11 तक सिर्फ 49 प्रतिशत की बढ़ौतरी हुई है। श्री चौटाला जी कृपया इस आंकड़े को भी नोट कर लें कि इन्होंने अपने कार्यकाल में 68 प्रतिशत अतिरिक्त कर्ज़ा लेकर प्रदेश के कर्ज़ में वृद्धि की थी ।

Mr. Speaker : Mr. Chautala Ji, please continue.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं यह सब अपनी तरफ से नहीं कह रहा हूं बल्कि यह मैं सरकार के आंकड़े ही बता रहा हूं । सरकार के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2011-12 में 52,702 करोड़ रुपये का कर्ज़ा है । यह सरकार कह रही है । यह मैं नहीं कह रहा हूं । ये सरकारी आंकड़ें मैं अपनी तरफ से प्रस्तुत नहीं कर रहा हूं । सरकार किस नज़रिये से कहती है यह तो उसकी सोच है लेकिन आज प्रदेश की हालत यह हो गई है कि उस कर्ज़े का ब्याज तक देने के लिए भी सरकार को कर्ज़ लेना पड़ रहा है और अब तो यहां तक हालत हो गई है कि सरकार की तरफ से सभी बोर्डों और कारपोरेशनों को एक चिट्ठी दी जा चुकी है कि अगर तुम्हें किसी मद के लिए कर्ज़े की ज़रूरत है तो उसके लिए तुम्हें सरकार की श्योरिटी नहीं मिलेगी। तुम अपनी प्रोपर्टी गिरवी रखकर कर्ज ले सकते हो । अध्यक्ष महोदय, यह बात मैं अपनी तरफ से नहीं कह रहा बल्कि यह सरकारी चिट्ठी है जो सभी बोर्डों और कारपोरेशनों को भेजी गई है । अध्यक्ष महोदय, जो कर्जा लिया जा रहा है उस कर्ज से तो पूरा ब्याज भी नहीं उतर पा रहा है । अगर इसी प्रकार से कर्ज की हालत बढ़ती जायेगी तो हरियाणा प्रदेश के लोगों का तो एक-एक बाल कर्जदार हो जायेगा। यह सरकार के कुप्रबन्धन की वजह से हो रहा है । हमारी सरकार के समय में हरियाणा राज्य एक सरप्लस स्टेट थी । हमारे प्रदेश में हर प्रकार की सेवाएं हरियाणा प्रदेश के लोगों के लिए थी । आज हालत यह हो गई है कि कर्ज लेने के लिए भी प्रोपर्टी गिरवी रखनी पड़ती है । किसी भी एक मद को लेकर सरकार के कुप्रबन्धन को देखा जा सकता है जैसे कि अभी बतरा जी द्वारा बिजली का जिक्र किया गया था । अध्यक्ष महोदय, हम मानते हैं कि बिजली की बहुत जरूरत

है । सार्वजनिक जीवन में भी बिजली बहुत आवश्यक है । खेती के लिए, उद्योग के लिए, व्यापार के लिए तथा हर स्तर पर बिजली अत्यन्त आवश्यक है । सरकार अपने लैवल पर यह दर्शाने की कोशिश करती है कि हमारी सरकार के समय में बिजली का बहुत उत्पादन हुआ है । मैं माननीय सदस्यों को सूचित करना चाहूँगा कि 1999-2005 तक की अवधि में राज्य में बिजली उत्पादन की क्षमता में 724.4 मैगावाट की वृद्धि हुई है जबकि हमारी सरकार के 5 वर्ष के कार्यकाल के दौरान 1643 मैगावाट की वृद्धि हुई है । ये जो 1643 मैगावाट बिजली की बात कर रहे हैं । अध्यक्ष महोदय, 1981 में यमुनानगर थर्मल पावर प्लांट के लिए सरकार ने भूमि अधिग्रहण की थी और उस पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई । प्रधान मंत्री श्री पी.वी. नरसिम्हा राव के पास समय नहीं था और उन्होंने फरीदाबाद से ही रिमोट कंट्रोल से उसकी आधारशिला रखी थी। वे बहुत व्यस्त थे और वह रिमोट कंट्रोल ही रह गया उसमें कोई काम नहीं हुआ । उसके बाद हमारी सरकार ने दीन बंधु सर छोटूराम थर्मल पावर प्लांट की आधारशिला रखी और हमारी सरकार के समय में ही एक समयबद्ध सीमा तय की गई थी कि इतने अर्से में आप इससे उत्पादन शुरू कर देंगे । उस समय जो एग्रीमैंट हुआ था उसके मुताबिक कम्पनी उसमें कोई चेंजिज नहीं कर सकती थी और उस समय यह रिलायंस कम्पनी को दिया गया था । उन्होंने उसमें अमैंडमैंट करने के लिए, चेंज करने के लिए दूसरी कम्पनी बदलने के लिए हमारी सरकार के समय में भी एक दरख्वास्त दी थी लेकिन सरकार ने उसको इसलिए रद्द कर दिया था क्योंकि एग्रीमैंट के मुताबिक ये सम्भव नहीं था । हमारी सरकार जाने और मौजूदा सरकार के सत्ता सम्भालने के बाद कम्पनी ने मौजूदा सरकार को भी एक दरखवास्त दी कि हमें इस कम्पनी को चेंज करने की अनुमति प्रदान की जाये लेकिन सरकार ने उसे स्वयं रद्द कर दिया क्योंकि एग्रीमैंट के मुताबिक वे उसमें चेंज कर ही नहीं सकते थे । उसके बाद कुछ दिनों के बाद एक नई दरख्वास्त लेकर पता नहीं क्या सोच कर सरकार ने उनको अनुमति दे दी और उसका परिणाम यह निकला कि वह पूरी तरह चलने में आज भी सक्षम नहीं है । इसके लिए मैंने माननीय मुख्य मंत्री जी को एक चिट्ठी लिखी थी ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है ।

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, यमुना नगर का थर्मल पावर प्लांट आज भी 95 प्रतिशत पी.एल.एफ. पर चल रहा है ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, प्लांट 95 परसैंट पी.एल.एफ. पर चलता है । भारत सरकार ने प्लांट को गोल्ड शील्ड दी है तथा इस पर पंजाब स्टेट इलैक्ट्रीसिटी बोर्ड को ऐतराज है । उनके इंजीनियर्स के द्वारा न जाने किस राजनीतिक पार्टी के साथ मिलकर इस प्लांट के खिलाफ चिट्ठियाँ लिखवाई जाती हैं और फिर विधान सभा के अन्दर वो प्लांट जो 95 परसैंट पी.एल.एफ. पर चलता है, उसके खिलाफ दुष्प्रचार भी किया जाता है । हम अपने स्टेट के लोगों को इसकी सर्विस कर रहे हैं । क्या हम अपने स्टेट के लोगों का अनहित कर रहे हैं ?

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि विपक्ष के नेता ने कहा कि इन्होंने यमुनानगर के थर्मल पॉवर प्लांट का शिलान्यास किया । उसका शिलान्यास तो हमारे से पहले भी कई बार हो चुका था । एक बार पहले भी फरीदाबाद से हुआ था और फिर इन्होंने कर दिया

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]
लेकिन उसे बनाया तो किसी ने नहीं । बनाया तो हमने ही है । शिलान्यास के पत्थरों का तो ये ट्रक भरकर रखते थे जहाँ मर्जी आती थी रख दिया करते थे ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमने केवल आधारशिला ही नहीं रखी थी बल्कि बाकायदगी से कम्पनियों को बुला कर उसके मुताबिक काम अलॉट कर दिया था । आधारशिला तो उसके बाद रखी गई थी।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अर्ज करूँगा कि आप आदरणीय विपक्ष के नेता से पूछिए कि क्या वहाँ पर निर्माण कार्य चालू हो गया था ? इस एक ही बात से सबूत मिल जायेगा ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने बताया था कि इनके वक्त में रिमोट कंट्रोल के द्वारा आधारशिला रखी गयी थी लेकिन किसी को काम अलॉट नहीं किया गया था । अध्यक्ष महोदय, यह मैं अब अपनी तरफ से नहीं कह रहा हूं बल्कि भारत सरकार की जो कैग की रिपोर्ट है इसके मुताबिक आप स्वयं इसको देख लें कि कितना उत्पादन बढ़ा है, कितना कुछ चल रहा है । हालत तो आज यह हो गयी है कि सारे थर्मल पॉवर प्लांटस के बारे में जो इन्होंने अपने आंकड़े प्रस्तुत किए हैं उनके मुताबिक अगर में एक एक का जिक्र करूं तो पानीपत सुपर थर्मल पॉवर प्लांट का मौजूदा कोल स्टॉक 60 हजार मीट्रिक टन, यमुनानगर के थर्मल पॉवर प्लांट का कोल स्टॉक बीस हजार मीट्रिक टन और हिसार के थर्मल पॉवर प्लांट का कोल स्टॉक बीस हजार मीट्रिक टन है । पानीपत के थर्मल पॉवर प्लांट की कोल खपत बीस हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन है, खेदड़, हिसार के थर्मल पॉवर प्लांट की कोल खपत 22 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन और यमुनानगर के थर्मल पॉवर प्लांट की कोल खपत 9 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन की है । जिन कम्पनियों जैसे बी.सी.एल.,एन.सी.एल., सी.सी.एल. और डब्ल्यू.सी.एल. से जो कोल हमें मिल रहा है वह एफ ग्रेड किस्म का घटिया कोल मिल रहा है जब कि डी ग्रेड का कोल मिलना चाहिए । एफ ग्रेड के कोयले में अधिकतर पत्थर होते हैं । अध्यक्ष महोदय, इसकी वजह से हिसार के थर्मल पॉवर प्लांट का वैगन ट्रिपलर ब्रोकन हो गया है जिसको ठीक करवाने के लिए करोड़ो रूपये खर्च हो गए हैं, हिसार के थर्मल पॉवर प्लांट का कोल स्टॉक रिक्लेमर ब्रोकन हो गया है इसको ठीक कराने में करोड़ों रुपये खर्च होते हैं। मैं सरकार के कुप्रबन्धन का जिक्र कर रहा हूं कि सरकार की यह सोच है । इसी के मुताबिक आज हर स्तर पर नुक्सान होता जा रहा है । अध्यक्ष महोदय, 85 हजार मीट्रिक टन एक साल में कोयला लगता है लेकिन सरकार केवल 66 लाख मीट्रिक टन ही कोयला लेती है। कोयले के अभाव की वजह से बिजली का उत्पादन कम हो रहा है जिसकी वजह से आज किसान को भी बिजली कम मिल रही है ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। विपक्ष के नेता ने एक गंभीर आरोप लगाया है । आरोप यह है कि कोयले के कुप्रबन्धन के कारण 85 हजार मीट्रिक टन कोयला मिलने के बजाए उससे कम कोयला मिल रहा है । यह बात सही है लेकिन यह स्थिति केवल हरियाणा के अंदर ही नहीं है बल्कि पंजाब के अंदर और दूसरी जगहों पर भी यही

स्थिति है । हरियाणा और पंजाब के अंदर कोयला नहीं है बल्कि कोयला बिहार और उड़ीसा से आता है । कोयले का स्टॉक कम है यह बात सच्ची है लेकिन कोयले का स्टॉक आज से नहीं पिछले पांच साल से कम है । हमारे पास 2 दिन से लेकर 15 दिन, 20 दिन और एक महीने का ही स्टॉक रहता है लेकिन इतने स्टॉक से ही पिछले पांच साल से थर्मल पावर प्लांटस चलते हैं । मुख्यमंत्री जी हर रोज इंटरवीन करते हैं, पावर मिनिस्टर हर रोज इंटरवीन करते हैं । हम कोल मिनिस्टर से बात करते हैं, दिल्ली की सरकार से इंटरवैंशन करवाते हैं लेकिन कोल की कमी की वजह से हमने थर्मल पावर प्लांट्स बंद नहीं होने दिए। कोयले का स्टॉक कम हो सकता है । यह बात ठीक है कि कोल प्लांट में तीस दिन का स्टॉक रखना चाहिए । परन्तु कोई भी प्लांट इसकी कमी की वजह से बंद नहीं हुए । अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ कोल प्लांटस के लिए जो इम्पोर्टेड कोल की भारत सरकार की रिक्वायरमैंट है, वह और डौमेस्टिक कोल दोनों तरह के कोल की ब्लैंडिंग करवाते हैं । अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के इतिहास में पहली बार माननीय भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार ने थर्मल पॉवर प्लांटस के लिए कोल ब्लॉक्स एलोकेट करवाए हैं । ऐसा पहले कभी नहीं था । पहले जो कोल माईंस हैं उनसे हम हिस्सा लेते थे। It is for the first time in the history of Haryana that people of Haryana are owners of coal blocks.

श्री अध्यक्ष : क्या आपने कोई बिजली के प्लांट लगाए हैं ? आपसे ज्यादा तो चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने पानीपत में ताऊ देवीलाल के नाम से प्लांट लगाये हैं ।

बिजली मंत्री (श्री महेन्द्र प्रताप सिंह): अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय साथी जो बता रहे थे उससे सारी पिक्चर क्लीयर हो जाती है । बजट के मुताबिक इस बारे में फिगर्ज दी हैं कि इनके समय में जो पावर जैनरेशन थी वह 1557-58 मेगावाट के करीब रही थी और आज हमारी सरकार के पांच साल के समय में यह जैनरेशन लगभग 3480 मेगावाट बढ़ी है इसलिए यह सरकार की कार्यकुशलता है, परफोरमैन्स है या कुप्रबन्धन है यह तो खुद ये विचार कर लें । जो हमारे साथी ने कहा है कि कोल कैपेसिटी एक महीने की होनी चाहिए । जो इन्होंने फरमाया है कि कोल की कमी रही है तो इसका कारण यह है कि जो कोल सप्लाई होता है वह दूसरों सूबों से होता है, रेलवे के द्वारा कम्पनी यह कोल सप्लाई करती हैं लेकिन वह पूरा सप्लाई नहीं कर पा रही हैं। अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि कम्पनी उतना कोल सप्लाई नहीं कर रही है जितना करना चाहिए। जहां तक पावर की बात है जब इनकी सरकार थी तो उस समय तकरीबन 578 लाख यूनिट पर डे सप्लाई थी जबकि आज 900 से ज्यादा यूनिट पर डे सप्लाई है।

Mr. Speaker: Let him speak uninterruptedly. He is a very senior Member and he is the Leader of the Opposition.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : पावर की कमी की प्रदेश के किसी भी कोने से कहीं से भी शिकायत या कोई समस्या नहीं है । समस्या वैसे तो कुछ न कुछ रहती है लेकिन पहली बार ऐसा है कि कोई समस्या नहीं है ।

श्री अध्यक्ष : आपने कोई पावर प्लांट लगाया भी है ?

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, बिजली ही आज विकास का आधार है, जीवन का आधार है। पहली बार अगले 20 साल की जरूरतों को मद्देनजर रखते हुए प्रोजैक्ट बनाए गए हैं। आज के दिन 5 हजार मेगावाट बिजली की बढ़ौतरी की बुनियाद मुख्यमंत्री जी की सोच की वजह से ही संभव हुई है।

श्री अध्यक्ष : आपने पांच प्लांट लगाए हैं तो चौटाला साहब ने भी पानीपत में एक ताऊ देवी लाल थर्मल पावर प्लांट लगाया है।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : सर, लगे होंगे। इनके समय में पत्थर लगे होंगे, एकाध कोई पावर प्लांट भी लगा होगा, उसको हम नहीं नकार रहे। सवाल यह है कि तुलनात्मक रूप से देखें तो आज बिजली की क्षमता उस समय से पांच साल में पर यूनिट के लिहाज से भी तकरीबन डबल नहीं तो 80-90 फीसदी तो बढ़ी ही होगी।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, आप जो बात हमसे कहलवाना चाहते हो वह आप खुद ही कह लें।

श्री अध्यक्ष : मैंने कहा है कि एकिजेशन क्यों करते हो । मुझे सारी बातों का पता है कि फिर आप क्यों बार-बार कहते हैं । जब तक चौटाला साहब बोल रहे हैं मैं चाहता हूं कि कोई इंट्रप्ट न करें। आप अपना रिप्लाई बाद में दे देना ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपकी बात पर ये सहमत हो जाएं तो बहुत ही अच्छी बात है । इनको अवसर मिलेगा, तब ये रिप्लाई दे सकते हैं । मैं यही बता रहा था कि हिसार थर्मल पावर प्लांट में एयर प्रिमी हीटर के बेयरिंग बार-बार टूट रहे हैं और इन पर सरकार का करोड़ों रुपये का खर्च आ रहा है। आम तौर पर ये बेयरिंग 15-20 साल तक चेंज नहीं होते हैं । सरकार के कुप्रबंधन का यह असर है कि 25-30 करोड़ रुपये का नुकसान प्रति वर्ष हो रहा है। (विघ्न)

श्री राम किशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। क्या कभी चलती गाड़ी का बेयरिंग टूटता है।

श्री अध्यक्ष : प्लीज। आप चौटाला साहब को अनइन्ट्रप्टली बोलने दीजिए । चौटाला साहब बहुत सीनियर लीडर हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, पानीपत थर्मल पॉवर प्लांट में एक टर्टो कंपनी को प्लांट ऑपरेशन चलाने के लिए 11 करोड़ 15 लाख रुपये का ठेका दिया गया । कुप्रबंधन की बात बता रहा हूं। कंपनी की कार्यशैली ठीक न होने से और समय पर कोयले के वैगन अनलोड न होने की वजह से रेलवे को 11.5 करोड़ रुपये की पैनल्टी एच.पी.जी.सी.एल. को देनी पड़ी। यह कंपनी 7 महीने काम करने के बाद काम छोड़ गई और कंपनी के खिलाफ कोई ऐक्शन नहीं लिया गया । ये हालत आज इस सरकार के कुप्रबंधन की है । सरकार आंकड़े गलत पेश करती है। सोलर ऐनर्जी के नाम पर इन्होंने गवर्नर के अभिभाषण में महामहिम राज्यपाल को भी गुमराह कर

दिया । कह दिया कि पूरे सिरसा जिले में सोलर लाइट लग चुकी है । मैं जब अपने गांव जाता हूं तो उस रास्ते पर किसी एक गांव में भी सोलर लाइट नहीं लगी। अध्यक्ष महोदय, सरकार की तरफ से गलत इन्फर्मेशन दी जाएगी तो कैसे काम चल पाएगा ? बिजली के मामले में सरकारी रिपोर्ट के आधार पर आज इनके हालात ये हैं कि 21 बोर्ड और कॉर्पोरेशन है जिनमें से 14 ठीक चल रहे हैं 7 में नुक्सान हैं और उन सात में सबसे बड़ा नुक्सान बिजली निगम का है । एक में 1100 कुछ करोड़ का नुक्सान है और दूसरे में 700 कुछ करोड़ रुपये का नुक्सान है। चेयरमैन रैगुलेटरी कमीशन ने 5.10.2010 को एक लंबी चिट्ठी लिखी है जिसमें कहा गया है कि डी.एच.बी.वी.एन. और यू.एच.बी.वी.एन. बंद होने के कगार पर हैं । ये कंपनीज कभी भी बंद हो सकती हैं इस चिट्ठी की प्रतिलिपि चीफ सैक्रेटरी को, पी.एस.टू सी.एम. को, पावर के एफ.सी. को और कंपनीज के एम.डीज. को भेजी जा चुकी है। इस साल का 5500 करोड़ और 4700 करोड़ का एफ.एस. अभी पैंडिंग है, ये हालत बिजली निगम की है। ये घाटा कवर कहां से होगा, कैसे किया जाएगा ? डी.एच.बी.वी.एन.एल. का घाटा वर्ष 2009-2010 में 3690 करोड़ रूपये और वर्ष 2008-2009 में 2278 करोड़ रूपये का है और दूसरी कम्पनी का साल में वर्ष 2008-2009 का घाटा 1260 करोड़ रूपये है और वर्ष 2009-2010 का घाटा 1894 करोड़ रूपये है । यह चिट्ठी मैं अपनी तरफ से नहीं कह रहा हूं । यह सरकार के आंकड़े प्रस्तुत किये जा रहे हैं । उसके मुताबिक बता रहा हूं । ये दावा करते हैं कि हमने इतनी बिजली पैदा कर दी, आज बिजली की यह हालत ही इसका घाटा है। आप अंदाजा इसी बात से लगाओ कि जो लोग ज्यादा बिजली इस्तेमाल करते हैं और एक-एक पैसा जो ईमानदारी से देते हैं उनको तो बिजली मिल नहीं रही है । जो लोग आज बिल नहीं दे रहे हैं जिनकी वजह से घाटा बढ़ता जा रहा है उनको बिजली ज्यादा मात्रा में दी जा रही है । इस कुप्रबन्धन की वजह से आज समू चे प्रदेश में हालात खराब हो गए हैं । अगर बिजली पर्याप्त मात्रा में मिलेगी तो हरियाणा प्रदेश फिर पैदावार की लिहाज से आज इस समूचे देश के भरण पोषण में सक्षम हो सकेगा । जैसा कि गवर्नर के अभिभाषण में स्वंय सरकार ने इस बात को माना है कि हमारी उन कमियों की वजह से आज हरियाणा प्रदेश का उत्पादन कम हुआ है । उस उत्पादन के पीछे चाहे वह आपकी उपजाऊ जमीन अधिग्रहण करने का मामला है । चाहे फ्लड की वजह से जो नुक्सान हुआ है । आज भी रोहतक और झज्जर में मेरे ख्याल से 50 हजार एकड़ जमीन बिना बोए खड़ी रह गई होगी । यह हालत आज इस प्रदेश की है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी ने यह कह दिया । सर, एक बहुत गम्भीर आरोप लगा दिया । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी ने असत्य बात इस सदन के पटल पर कही । उन्होंने कह दिया कि यहां पर गवर्नर साहब ने अपने अभिभाषण में कहा कि यहां पर उत्पादन कम हो गया है । सर, गेहूं का उत्पादन वर्ष 1999-2000 में हरियाणा में 96.50 लाख मीट्रिक टन था और वर्ष 2008-2009 में यह 113.60 लाख मीट्रिक टन हो गया जिसमें 17.72 प्रतिशत का इजाफा हुआ है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : सर, मैं समझ गया, ये चीज तो मैं रिकार्ड मंगाकर देख लूंगा ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, दिक्कत यह है कि जनरल में हरियाणा

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

एग्रीकल्चर एक पलैट्यू पर पहुंच गया है। Agriculture has reached certain plateau across the world. It is not a phenomena across the Asia or across this country or the State. It has hit a certain plateau. Land cannot increase like this. So, we have to expand the productivity of land like this. Therefore, our Government had expanded the productivity of the land and now that productivity is reflected in the growing figures of production not only of wheat and paddy but of sugarcane and other crops also.

Mr. Speaker : What is your number in wheat production in the country?

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, जो इन्होंने कहा कि जब इनैलो की चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार थी उस समय गेहूं की 4165 किलो प्रति हैक्टेयर उत्पादकता थी और आज यह बढ़कर 4614 किलो प्रति हैक्टेयर हो गई है । जैसा कि अभी माननीय मंत्री जी ने बताया कि 96.50 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 113.60 लाख मीट्रिक टन हो गया । धान की उत्पादकता इनके समय मे 1385 किलो प्रति एकड़ थी जो अब 3008 किलो प्रति एकड़ हो गई है, इस प्रकार इसमें 28 प्रतिशत इनक्रीज हुई है । सरसों का उत्पादन 5.9 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 8.4 लाख मीट्रिक टन हो गया है । जोकि 50.25 प्रतिशत अधिक है । गेहूं और सरसों की उत्पादकता में हरियाणा पंजाब से ही नहीं बल्कि पूरे देश में सबसे आगे है ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह सब मैं अपनी तरफ से तो नहीं कह रहा हूं । गवर्नर के अभिभाषण में उन्होंने खुद इस बात को तसलीम किया है कि इन कारणों से हमारा उत्पादन कम हुआ है । अब आप उसको नकारते हो तो बात अलग है ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, उत्पादन कम नहीं हुआ है और जो बढ़ सकता है वह होरीजन्टल ग्रोज है । अगर वर्टीकल हम खेती करें तो बढ़ सकता है। उसके लिए आगे आप पढ़ेंगे कि क्या-क्या हम कदम उठा रहे हैं ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, उसमें यह तसलीम किया है कि अच्छे बीज न मिलने की वजह से, खाद न मिलने की वजह से, बिजली न मिलने की वजह से, पानी न मिलने की वजह से । उन्होंने उसमें लिखा हुआ है । मैं अपनी तरफ से नहीं कह रहा हूं ।

14-00 cts

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब का जो अभिभाषण था, उसका जवाब देने के लिए जब मैं खड़ा हुआ था उस वक्त ये वाक आउट कर गए। उस वक्त इनको हमारे जवाब को सुनना चाहिए था ।

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, गवर्नर महोदय का अभिभाषण यहां पर आया और इन्होंने उस पर अपना भाषण दिया । जब जवाब देने के लिए मैं खड़ा हुआ तो ये कोई बहाना करके वाक आउट कर गए । यह कोई औचित्य नहीं था बहाना बनाने के लिए । ये हमारे जवाब को सुनते तो इनको अपनी बात का जवाब मिलता और हाउस का समय व्यर्थ न होता । हमने अच्छी तरह जवाब दिया था ।

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, आप कह रहे हैं कि आप मुझे बोलने देंगे लेकिन मुझे बोलने नहीं दे रहे ।

श्री अध्यक्ष : मैं चौटाला साहब पर आपको प्वायंट आफ आर्डर नहीं दूंगा ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मेरे पर नहीं बल्कि लीडर आफ दि हाउस पर प्वांयट आफ आर्डर किया है । आप उसको समय न दें यह अलग बात है।

Mr. Speaker : Ram Pal Majra Ji, I have allowed you almost a 30 minute speech on Governor's Address. I will allow you to speak for 20 minute on Budget. Although you are promised that you will not speak on Budget but I will allow you because you are a significant contributor to the House debates. लेकिन जब चौटाला साहब बोलते हैं तो I do not like any point of order from any side.

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मैं कोई गलत बात नहीं कहता। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, औद्योगिक विकास का भी जिक्र आया है । लीडर आफ दि हाउस बार बार यह बात कहते रहे हैं कि हमारी सरकार में उद्योगों को बहुत बढ़ावा मिला है । हमने कई मर्तबा सरकार से आग्रह भी किया कि इस मामले में व्हाइट पेपर ईशू किया जाए । मुख्यमंत्री महोदय जी कई मर्तबा विदेश भी गए हैं और आने के बाद यह कहा है कि बहुत भारी निवेश आया है । अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार के आंकड़े प्रस्तुत कर रहा हूं । ये सरकारी आंकड़े हैं मैं अपनी तरफ से नहीं कह रहा । हरियाणा प्रदेश के अंदर फैक्ट्रियों की संख्या 1990 से लेकर 1995 तक 1368 रही है । 2000 में जब हमारी सरकार आई उस वक्त हमें 924 मिली । हमारी सरकार के दौरान ये बढ़कर 1445 हो गई । जब दोबारा इनकी सरकार आई तो इन फैक्ट्रियों की संख्या घटकर 1235 हो गई यानि फिर कम हुई । उसके बावजूद भी ये दावे करते हैं कि उद्योग बढ़े हैं । यहां से उद्योग धन्धे इस वजह से पलायन कर रहे हैं क्योंकि जो सारी सुविधा सरकार की तरफ से उद्योगपतियों को मिलनी चाहिएं, वे नहीं मिल रही हैं । इसका मुख्य कारण बिजली का है, मुख्य कारण लॉ एण्ड आर्डर का भी है, मुख्य कारण लेबर अनरैस्ट का भी है, मुख्य कारण रा-मैटिरियल का भी है और मुख्य कारण मार्किटिंग की व्यवस्था और सिंगल विंडो सिस्टम भी है । ऐसे कई कारण रहे हैं जिसकी वजह से यहां से उद्योग पलायन कर रहे हैं । अध्यक्ष महोदय, ये सरकारी आंकड़े हैं जो सरकार ने लिखकर दिए हैं । अध्यक्ष महोदय, यहां कहा

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

गया कि उद्योगों को बढ़ावा मिला है । इसी प्रकार सिंचाई के मामले पर बात करूं तो मैं उस इशू को दोबारा नहीं छेड़ना चाहता क्योंकि दोनों रैजोल्यूशन यूनानीमसली पास हो गए हैं । सरकार की तरफ से किसान को जो सुविधाएं पानी के मामले में मिलनी चाहिए वह सरकार के कुप्रबंधन की वजह से पूरी तरह से नहीं मिल पा रही । अध्यक्ष महोदय, दादूपुर नलवी नहर की बात करें तो इस बारे में ये कहते हैं कि इसको किश्तों में कम्पलीट करने का काम करेंगें तो ऐसे कैसे काम चलेगा । अभी घग्घर का यहां जिक्र आया था कि हमारी सरकार के वक्त में घग्घर को खोदकर उसकी मिट्टी को उसके बड़े बांधों के दोनों तरफ ऊपर ऊंचा रखने की हमारी योजना थी । हम चाहते थे कि इस पर एक सड़क बनाई जाए ताकि आवागमन के साधन सुलभ हों और व्यापारिक दृष्टि से भी लाभ मिले । इन्होंने कल भी इस बारे में कहा था । वह मिट्टी खोदकर सारी बेच दी गई है । जो बरसाती नदियां आती हैं आप चाहे उनमें से जितनी भी खुदाई कर लें वे सारी बरसात के बाद फिर दोबारा भर जाती हैं ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, घग्घर की कोई मिट्टी नहीं निकाली गई। आप बात ओटू लेक की कर रहे हो और कह घग्घर रहे हो । शायद आप ओटू कहना चाहते हैं ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : ओटू लेक की मैं बात कर रहा हूं । ओटू लेक में घग्घर नदी का पानी आता है । घग्घर नदी की खुदाई आप नहीं कर सकते क्योंकि वह दूसरे राज्यों में से होकर गुजरती है ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, अभी थोड़े देर पहले भाई अभय सिंह जी ओटू डैम की खुदाई की बात कर रहे थे । मुझे लगता है उसी से चौधरी साहब का मतलब है ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : ओटू डैम की ही बात कर रहा हूं और आपको ज्ञान होना चाहिए कि ओटू डैम में घग्गर का पानी जाता है ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : यह मुझे मालूम है ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मालूम नहीं है, मालूम होता तो इस तरह से बीच में कहने की जरूरत नहीं पड़ती । (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, दिक्कत यह है कि चौधरी साहब का मतलब कुछ और होता है और निशाना कहीं और होता है तथा कहते तीसरी बात कुछ और हैं ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : क्योंकि अध्यक्ष की निगाह ठंडी है इसलिए काम चल रहा है वरना तो इस किस्म के लोगों को कहां कोई अवसर दे सकता है ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, आपकी निगाह सबके लिए बराबर हैं । इसमें ठंडी और गर्म की बात कहां से आ गई । क्या आपके ऊपर गर्म है ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : नहीं, मेरे ऊपर तो बहुत ठंडी है ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : आप ठंडी और गर्म का मतलब बतायें ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मेरे ऊपर तो बहुत ठंडी निगाह है । मैं तो यह कह रहा हूँ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : फिर आप यह बतायें कि गर्म किसके ऊपर है ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : गर्म उसके ऊपर होगी जिसके खोट्टे कर्म होंगे । (हंसी)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : आप हमारे ऊपर भी ठंडी निगाह बता रहे हो फिर क्यों चर्चा कर रहे हो ।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आपने कहा है कि मेरी इन पर ठंडी निगाह है ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : नहीं, ठंडी मैंने मेरे पर कही है ।

श्री अध्यक्ष : वैसे नज़रों के ऊपर मैं कहना चाहता हूँ -

करती हैं राजो ईश्क का पर्दा फाश,
आंखे जुबां नहीं, पर बेजुबां भी नहीं ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह अर्ज कर रहा था कि ओटू की खुदाई के मामले को लेकर के इन्होंने ऐसे लोगों को ठेके दे दिए माफ करना जो सारे के सारे रोहतक के हैं । पैसे का किसी पर प्रबन्ध नहीं वे सारी की सारी ओटू झील की मिट्टी बेचकर खा गये । उसका परिणाम यह निकला कि बरसाती नदी में जब बरसात होगी तो वह फिर भर जायेगी । उस ओटू डैम का लाभ तो तब होता जब उसकी मिट्टी को खोद करके उसके दोनों किनारे मजबूत किए जाते । लेकिन इन्होंने तो उसकी मिट्टी बेचकर खाने का काम किया है ।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, रोहतक हरियाणा का ही हिस्सा है, ये कहीं बाहर से थोड़ी आये हैं ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हिस्सा तो हरियाणा का है लेकिन सोचना तो चाहिए ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, इनकी पार्टी का हैड ऑफिस कहां पर है ये इस बारे में भी बतायें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी पूरे हरियाणा प्रदेश की पार्टी है और उसका हर जिले के हैड क्वार्टर पर ऑफिस है । अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से आज जितनी भी ये बरसाती नदियां हैं उनकी वजह से फ्लड आने का एक मुख्य कारण मैं उसको फिर से दोहराना चाहूंगा, उस रैजोल्यूशन के हिसाब से नहीं लेकिन ना समझी की वजह से उसको खोद करके उसकी मिट्टी भी बेच करके खा गये तथा उनके बैंक 11 कि.मी. तक 10 फिट ऊंचे बनाये गये, आगे 9 कि.मी. तक 7 फिट बनाये गये । यही वजह रही कि जब बरसात का पानी आया चाहे वह घग्गर का आया, मारकण्डा का आया, चाहे सोहना का आया, चाहे पटियाला नदी का आया उसकी वजह से हरियाणा प्रदेश के 34 गांव प्रभावित हुए और 34 कैजुअल्टीज हरियाणा प्रदेश के लोगों की हुई हैं । वह पानी 40 कि.मी. तक उल्टा चला ।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है । माननीय चौटाला जी ने कहा था कि हांसी बुटाना लिंक नहर बनने से बहुत नुक्सान हुआ । मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जब बाढ़ आई उस समय पूरे गुहला चीका का पानी इस नहर ने ओटा था । दूसरी बात इन्होंने कही कि ओटू झील से कोई फायदा नहीं हुआ उससे सिरसा के अंदर 90 दिन तक सिंचाई हुई है जबकि इनके समय में उस झील से एक दिन भी सिंचाई नहीं हुआ करती थी । इसके लिए इन्हें सरकार का शुक्रिया अदा करना चाहिए ।

श्री राम किशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है ।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, क्या प्वायंट ऑफ आर्डर पर प्वायंट ऑफ आर्डर हो सकता है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम किशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, * * *

Mr. Speaker : Nothing is to be recorded.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जो प्वायंट ऑफ आर्डर की भाषा नहीं जानते उनको भी आप अलाऊ कर देते हैं ।

Shri Randeep Singh Surjewala : Speaker Sir, we take a very serious objection to it. फौजी साहब पढ़े लिखे व्यक्ति हैं। फौजी साहब ने इस देश की सेवा की है। (Interruption) We take a very serious objection to it. Nobody has this right to cast an aspersion on any Member. Sir, Ch. Om Prakash Chautala must apologize to Shri Ram Kishan Fauji. He cannot cast an aspersion on any Member. No Member has such a right. तीसरी बार चुनकर आये हैं फौजी साहब। पढ़े लिखे व्यक्ति हैं। देश की सेवा की है इन्होंने। सर, ये एक सैनिक के प्रति अपमान की भाषा इस्तेमाल कर रहे हैं। Speaker Sir, you are the custodian of the House. Sir, we need your ruling on the issue. एक ऐसे माननीय सदस्य हैं जो पढ़े-लिखे भी हैं, सक्षम भी है और सरकार में मुख्य संसदीय सचिव भी है ।

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी, क्या आप फौजियों का सम्मान करते हैं ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं हर फौजी का सम्मान करता हूं। जो फौजी देश की सीमाओं पर देश की रक्षा करते हैं और जो हिमालय पर्वत की 18000 फुट ऊंचाई पर अपने प्राणों की परवाह किए बगैर देश की रक्षा में तत्पर हैं मैं उन सभी फौजियों का सम्मान करता हूं और मैं उनके साथ श्री रामकिशन फौजी जी को भी जोड़ता हूं और उनका भी सम्मान करता हूं।

Shri Randeep Singh Surjewala : Speaker Sir, we are not here to listen general comments. There was something said about Shri Ram Kishan Fauji. We only want to hear about that. I want your ruling in this regard, Sir. (Interruption)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया ।

श्री अध्यक्ष : फौजी साहब, चौटाला जी आपका भी सम्मान करते हैं और जो कुछ आप कहते हैं ये उसका भी सम्मान करते हैं ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : नहीं अध्यक्ष महोदय, जो कुछ ये कहते हैं मैं उसका सम्मान नहीं करूंगा । मैं सिर्फ रामकिशन फौजी का सम्मान करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाह रहा था कि किसानों को जो सिंचाई के साधन ठीक ढंग से उपलब्ध होने चाहिए सरकार के कुप्रबंधन की वजह से उनका उल्टा नुकसान हो रहा है । जिस प्रकार से पिछले समय में फ्लड आने की वजह से जहां इतना नुकसान हुआ है वहीं फ्लड रिलीफ के तौर पर सरकार की तरफ से किसी को कुछ भी नहीं दिया गया है और अगर आंकड़ें आप देखेंगे तो आप देखेंगे कि कहीं पर बाढ़ राहत के तौर पर 51 रुपये दिए गए हैं और कहीं 37 रुपये दिये गये । यह बर्ताव आज इस प्रदेश के किसान के साथ हो रहा है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, हमारी सरकार ने 5-5 और 6-6 हज़ार रुपये तक बाढ़ राहत मुआवज़ा दिया है ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, लोगों को चैक मिले हुए हैं । यह मैं बता रहा हूं ।

Shri Randeep Singh Surjewala : Speaker Sir, on a point of order I want to say something. आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी ने एक बार फिर सदन के पटल पर असत्य बात की है । आपदा प्रबंधन की जो राशि है उसका निर्धारण प्रान्त सरकार और केन्द्रीय सरकार करती हैं । मैं आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहूंगा कि गेहूं की फसल के 26 प्रतिशत से 50 तक के खराबे के लिए विपक्ष के साथियों की सरकार के समय में प्रति एकड़ 1000 रुपये दिये जाते थे । मैंने अपनी आंखों से 15-15 पैसे के चैक देखें हैं, 25-25 पैसे के चैक हुआ करते थे । वर्ष 2009-10 में जब हमारी कांग्रेस पार्टी की सरकार आई तो गेहूं के 26 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक के खराबे के लिए हमने पूर्व निर्धारित मुआवज़े की राशि को बढ़ाकर 2500 रुपये प्रति एकड़ किया । इस प्रकार से हमने 150 प्रतिशत का एक ही बार में ईजाफा किया। गेहूं की फसल के 51 प्रतिशत से 75 प्रतिशत तक के खराबे के लिए विपक्ष के साथियों की सरकार के समय में 1500 रुपये मुआवज़ा था जिसे हमने 2009-10 में बढ़ाकर 3500 रुपये प्रति एकड़ किया । अगर गेहूं की फसल का 76 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक खराबा होता था तो विपक्ष के साथियों की सरकार के समय वही राशि मुआवज़े के तौर पर दी जाती थी जो 51 प्रतिशत से 75 प्रतिशत तक के खराबे के लिए दी जाती थी लेकिन वर्ष 2009-10 में हमने एक और नई श्रेणी बनाई और 76 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक के खराबे के लिए हमने मुआवज़ा राशि को 4500 रुपये प्रति एकड़ किया । इसके साथ-साथ जो ट्यूबवैल्ज़ की डैमेज़ थी, उसका मुआवज़ा भी बढ़ाकर 7500 रुपये किया ।

Mr. Speaker : Mr. Surjewala Ji, am I sitting to hear that a cheque can be drawn for fifteen paise?

Shri Randeep Singh Surjewala : Speaker Sir, a cheque can be drawn for twenty five paise, one rupee, one rupee and fifty paise also at that time because उस समय 50-50 पैसे का मुआवज़ा दिया जाता था । इसके लिए आप उस समय का रिकार्ड मंगवा लें यह बात रिकार्ड में दर्ज़ है।

Mr. Speaker : You cannot draw cheque for paise.

Shri Randeep Singh Surjewala : Speaker Sir, this is how they used to distribute.

Mr. Speaker : How can you have a cheque for less than Hundred rupees?

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, the cheque as well as the amount are used to go through Patwari. स्पीकर सर, आप रिकार्ड मंगवा कर देख लें यह उस समय के रिकार्ड की बात है ।

श्री अध्यक्ष : सुरजेवाला जी, यह बात आपकी ठीक है कि चौटाला जी की सरकार के समय में 15-15 पैसे और 20-20 पैसे का मुआवज़ा बाढ़ पीड़ित किसानों में बांटा गया होगा लेकिन वह चैक के द्वारा डिस्ट्रीब्यूट किया गया होगा this is not possible हां, यह हो सकता है कि यह कैश रूप में दिया गया हो ।

Shri Randeep Singh Surjewala : Yes Sir, you are right. Sir, through Patwari 'muawja' used to come. Sir, you can call the record for that time. Revenue Minister is here he can produce the record.

Mr. Speaker : Mr. Chautala Ji, you continue your speech, please.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, यह सब मैं अपनी तरफ से नहीं कह रहा हूं यह 11.12.2010 दैनिक ट्रिब्यून अखबार में लिखा है कि बाढ़ पीड़ित किसानों को 28 रुपये व 37 रुपये मुआवज़ा दिया गया । अगर आप कहें तो मैं इस न्यूज आईटम को आपको पढ़कर सुना देता हूं :- यमुनानगर, 10 दिसम्बर, 2010 बाढ़ आने पर सरकार द्वारा तरह-तरह के वायदे मुआवज़ा देने के लिए किये जाते हैं (विघ्न)

Shri Randeep Singh Surjewala : Speaker Sir, newspaper clipping cannot be read out in the House. (Interruption).

Mr. Speaker : Chautala Sahib, you may read it but it is not recorded because newspapers clipping cannot be a part of the proceedings.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यहाँ तो होती रही हैं । आप मुझे न पढ़ने दो, यह बात अलग है ।

Mr. Speaker : I know the rule that the newspaper's reporting cannot be recorded in the proceedings of the House. However, I allow you to read it only.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : रिकॉर्ड न करें लेकिन हम दिखा तो सकते हैं । एक और भी दिखाना चाहता हूँ-- "Mission aborted before take off." यह रिलायंस कम्पनी के साथ उनका एग्रीमैंट हुआ है । *******

Shri Bhupinder Singh Hooda : This type of language I don't expect from the Leader of Opposition. यह सौदे वगैरह की बात इनके समय में होती होगी और जिसकी जैसी फितरत होती है वह वैसा ही दूसरे को समझते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, कई बार आप बहुत अच्छी और गहराई की बातें कहते हो लेकिन जिन बातों से किसी को पीड़ा होती हो ऐसी बातें नहीं कहनी चाहिएं । मैं आपको कहने वाला कोई नहीं हूँ । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप मानें या न मानें लेकिन जो कुछ छपा है वह तो मैं दिखा ही सकता हूँ । *******

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी ने जो शब्द यहाँ पर इस्तेमाल किये हैं वे सदन की कार्यवाही से निकाल दिये जायें ।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, ये शब्द सदन की कार्यवाही से निकाल दिये जायें ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मनरेगा में घोटाले की चर्चा रोज छप रही हैं। यह एक अच्छी स्कीम थी जिसकी वजह से गरीब आदमी को रोजगार मिलता था, हम इसकी सराहना करते हैं लेकिन हरियाणा प्रदेश में इसके बड़े भारी घोटाले हो रहे हैं और यह चर्चा मैं अपनी तरफ से नहीं कर रहा हूँ । अधिकारियों की तरफ से अधिकारियों के खिलाफ इल्जाम लगाये जा रहे हैं और साबित भी हो गये हैं लेकिन सरकार उसके खिलाफ कोई एक्शन नहीं ले रही है इससे ज्यादा सरकार के कुप्रबन्धन की और क्या बात हो सकती है ?

Mr. Speaker : Have you suppressed from such complaints?

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, Vigilance enquiry has already been ordered in the issue that Chautala Ji, has raised today. Immediately, Hon'ble Chief Minister has ordered for enquiry in the matter. (interruption).

Mr. Speaker : So, you had taken action. You are not suppressed.

Shri Randeep Singh Surjewala : I can assure the House that guilty people will be brought to book. Not even guilty person will be spared.

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, अगर इन्होंने राज्यपाल महोदय का अभिभाषण सुना होता तो यह बात यहाँ नहीं कहते । इन्होंने पढ़ा नहीं ये वाक-आउट कर गये उस दिन सब बातें हो गई थी ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने वाक-आउट नहीं किया था । मैं आपकी सरकार का मुल्जिम था तथा पेशी के लिए दिल्ली गया हुआ था ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, सब बातों का जवाब दे दिया गया था । विजिलैंस इन्क्वायरी हो रही है और उसमें जो भी दोषी पाया जायेगा, उसको बक्शा नहीं जायेगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, किसी सरकारी कर्मचारी के खिलाफ अगर रपट भी दर्ज हो जाती है तो उसको सस्पैंड कर दिया जाता है लेकिन जिसके खिलाफ विजिलैंस इन्कवायरी की बात कर रहे हैं वह आज भी अपने उसी पद पर बाकायदगी से कायम है । ऐसे लोगों को कोर्ट तो जो फैसला देगी, वह देगी लेकिन क्या सरकार यह भी बतायेगी कि ऐसे लोगों को उस पद पर फिर बिठाये रखोगे जिस पद पर बैठकर उन्होंने पैसा कमाया है ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मैंने कह दिया है कि विजिलैंस इन्कवायरी चल रही है और जो दोषी पाया जायेगा वह दंडित किया जायेगा ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : वह आज भी उसी पद पर बैठा हुआ है जिस पद पर बैठ कर उसने पैसे खाये हैं लेकिन ये तो उसी पद पर बैठ कर और भी लूटे जा रहे हैं। उसको पद से तो हटाया जाना चाहिए । सरकारी कर्मचारी सस्पैंड भी तो हो सकता है । अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से शिक्षा के मामले में ऐजूसैट का घोटाला बहुत बड़ा घोटाला है इसके आगे मुझे कुछ बोलने की जरूरत नहीं है क्योंकि इसके बारे में सभी को पता है । सरकार को इस मामले में पूरी तरह से इन्कवायरी करवा कर जो दोषी लोग हैं, उनको सजा देनी चाहिए ।

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, on a point of order, I want to clarify it. Sir, Education Minister had already clarified on this issue. You know Sir, there is a change of satellite. I can't understand if some people do not understand that there is a change of satellites happening from one to the other and that's why EDUSAT has not been working for a little time. Indian Space Research Organization has told Government of Haryana the movement that change of satellite is affected then the necessary operations will immediately take place. Hon'ble Education Minister has already said that 'X' number, which she had given, are already functioning and remaining will also start functioning soon. Instead of commending such a beautiful scheme like EDUSAT, which will take technical education the best of teachers to village rural areas to remotest of the rural areas, I fail to understand why an attempt is being made to mislead this House.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यहां तक कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा लाने का प्रयास किया गया था लेकिन आज उसकी हालत यह है कि यह सारा ठप्प हो गया है । उसका पैसा कहां गया है, इसका किसी को पता नहीं है । ऐजुकेशन सिटी के नाम से ढाई हजार एकड़ के करीब सोनीपत में जमीन अधिग्रहण की गयी थी और यह कहा गया था कि इससे हमारे बच्चों को शिक्षा देने के लिए अच्छी विदेशी यूनिवर्सिटीज से सम्पर्क स्थापित किया जाएगा । हम यह मानकर चलते थे कि कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड जैसी कई यूनिवर्सिटीज आएंगी जिनके द्वारा हमारे बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी लेकिन एक भी बच्चे को नौकरी नहीं मिल रही है । अभी तक इस पर किसी प्रकार का काम नहीं हुआ है । अध्यक्ष महोदय, शिक्षा का स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है। इस सरकार ने सत्ता संभालने के बाद बड़ा वायदा किया था कि दो लाख युवकों को हर वर्ष हम विदेशों में भेजने का काम करेंगे । 6 साल के अर्से में अगर हजारों की संख्या में वे कहीं गए हों तो यह बता दें । ये इस बारे में किसी व्हाईट पेपर के द्वारा हमें बता दें । अध्यक्ष महोदय, एस.ई.जैड. के नाम से हमारे बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए, रोजगार देने के लिए कहा गया था कि इससे 20 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा लेकिन अब यह सारा मामला ठप्प हो चुका है । कहीं किसी को एक नौकरी भी नहीं मिल पायी है। हर स्तर पर चाहें आप किसी भी मामले को देख कर चले तो आपको ऐसा ही मिलेगा । जो आंगनवाड़ी का मामला है आंगनवाड़ियों में नियुक्तियॉं तो अभी नहीं हो पायी हैं पता नहीं इसके पीछे क्या अड़चन है ? आंगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध सुविधाओं का आंकलन व इस मद में तय राशि का किस प्रकार उपयोग होता है, इसका खुलासा भी कैग की रिपोर्ट में हुआ है । यह मैं अपनी तरफ से नहीं कह रहा हूं । कैग की रिपोर्ट के पृष्ठ दस पर यह खुलासा किया गया है । अध्यक्ष महोदय, इस रिपोर्ट को पढ़कर स्वयं अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदेश सरकार महिलाओं व शिशुओं के कल्याण के प्रति कितनी सजग है । वर्ष 2005-10 के दौरान 29 प्रतिशत आंगनवाड़ी केन्द्रों की बढ़ोत्तरी हुई है परन्तु उसके लाभार्थियों की संख्या में मात्र दो प्रतिशत वृद्धि हुई है। राज्य में 17444 आंगनवाड़ी केन्द्र हैं जिनमें से 12760 आंगनवाड़ी केन्द्रों में पेयजल की व्यवस्था और 9922 आंगनवाड़ी केन्द्रों में शौचालय की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। यह हालत आज इस प्रदेश की है । किसी भी स्तर पर जाकर आप देख लें, किसी भी मामले को लेकर आप चलें, कहीं से भी बात सिरे नहीं चढ़ रही है ।

शिक्षा मंत्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल): अध्यक्ष महोदय, मैं अपने सम्मानित सदस्य को कहना चाहूंगी कि जहां एक तरफ प्रदेश मे बहुत ज्यादा चर्चा है वहीं दूसरी तरफ पूरे देश में चर्चा है कि हरियाणा में जिस ढंग से आंगनवाड़ी हैं वह देखने योग्य हैं । हरियाणा एक ऐसा राज्य है जहां हम 8255 नयी आंगनवाड़ी लेकर आये हैं और इन 8255 आंगनवाड़ी में इस समय रिक्रूटमैंट का कार्य चल रहा है । ज्यादातर जिलों में हमारे आंगनवाड़ी वर्कर्ज और हैल्पर्ज लग चुके हैं। मुख्यमंत्री जी ने सबसे बड़ी घोषणा इस सदन में की है कि हरियाणा की आंगनवाड़ियों में हमारी आंगनवाड़ी बहनों को पांच हजार रुपये और हैल्पर्ज को ढाई हजार रुपये दिए जाएंगे । सबसे बड़ी बात उनकी अप्वायंटमैंट के बारे में कही गयी है । जो विधवा बहने हैं, विडोज हैं, डैजरटेड विमैन हैं, गांवों की बहुए हैं उनको हमने प्रिफरैन्स के आधार पर इसमें नियुक्तियां दी हैं । अध्यक्ष महोदय, यह महिला सशक्तिकरण की तरफ एक बड़ा कदम है । जहां तक आंगनवाड़ी की बात इन्होंने कही

[श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल]

है मैं कहना चाहूंगी कि इस समय हमारी आंगनवाड़ियों में कंस्ट्रक्शन का काम बड़े जोरो से चल रहा है । ज्यादातर आंगनवाड़ी केन्द्र हमारे प्राईमरी स्कूल के कैम्पस में हैं । हमने कम से कम 3500 से ज्यादा आंगनवाड़ियों में बहुत सुंदर कलरफुल टेबल और चेयर पहुंचा दी है । दूसरी जगहों पर भी हम आजकल में ही पहुंचाएंगे । आंगनवाड़ीज में तकरीबन 35 हजार मैटेलिक बीन्स जोकि अनाज को स्टोर करने के लिए होती हैं, उनका हम आर्डर दे चुके हैं । 20-25 दिन के अंदर उनकी डिलीवरी आ जाएगी । इसके अलावा हमने आंगनवाड़ी की जो हमारी बहनें हैं लैक्टिक्स मदर्स और बच्चों को खाना देने के लिए उनको जो मशक्कत करनी पड़ती थी इसलिए उनको एक-एक गैस कनैक्शन, चूल्हा और 12-12 लीटर के कुकर भी देंगे । इसके साथ ही साथ मैं यह भी कहना चाहूंगी कि गवर्नमैंट ऑफ इंडिया ने हरियाणा के आंगनवाड़ी वर्करों को उनके कार्य के लिए सराहा है और उसके लिए हमें बहुत शाबासी भी दी है । यह भी कहा है कि अन्य प्रदेशों को भी इस मामले में हरियाणा को फौलो करना चाहिए । यह मैं कहना चाहूंगी। आज हमारी जो आंगनवाड़ी में कार्य करने वाली महिलाएं हैं, बहनें हैं, वे बहुत ही अच्छे ढंग से कार्य कर रही हैं । फलस्वरूप बच्चों की सेहत में भी बहुत सुधार हुआ है। जहां हम लैक्टिक्स मदर्स को राशन देते हैं वहीं हम बच्चों की सेहत का भी पूरा ध्यान रख रहे हैं । जो हमने इंदिरा गांधी बाल स्वास्थ्य योजना के तहत 29 लाख बच्चों के हैल्थ चैकअप की बात की है । (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप टाइम मुझे दे रहे हैं और भाषण मंत्री महोदय द्वारा दिये जा रहे हैं जिनका मेरी बात से कोई संबंध नहीं है । जो बात मैंने कही थी उस पर मंत्री महोदया ने कुछ नहीं कहा । (विघ्न) 17444 आंगनवाड़ीज की बात मान ली, लेकिन 12760 केन्द्रों के बारे में मैंने कहा कि पेयजल की व्यवस्था नहीं है और 9922 केन्द्रों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है । मैंने जो बात कही थी, उसका तो जवाब दिया नहीं और ही ********* शुरु कर दिया। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने एक महिला के लिए इस तरह के शब्दों का उपयोग कर दिया । यह जो '****' शब्द है । (शोर एवं व्यवधान) Sir, we want your ruling on this issue. (interruption)

श्री अध्यक्ष : मंत्री महोदया, क्या आपको चौटाला साहब द्वारा ये बात कहने से कोई तकलीफ हुई है ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, एक महिला को यह कहना कि भाषण **** दिया, क्या यह संसदीय है । इतने वरिष्ठ सदस्य द्वारा एक महिला को इस तरह के शब्द कहना क्या ठीक है । (शोर एवं व्यवधान) ये पढ़ी लिखी हैं, वकील हैं। माननीय सदस्य द्वारा इनको क्या ऐसा कहना ठीक है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : ऐसा क्या कह दिया है। 'भाषण *****' कहना क्या कोई गलत बात है ? (विघ्न)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : क्या किसी महिला के बारे में ये शब्द कहना वाजिब है। (शोर एवं व्यवधान) सर, शायद एक बार कृपा राम पूनिया के साथ भी इन्होंने ऐसा ही व्यवहार किया था ।

श्री अध्यक्ष : इन्होंने हरिजन के बारे में कोई बात कही है क्या ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, क्या चौटाला साहब एक दलित महिला के बारे में 'भाषण .....' शब्द का इस्तेमाल कर सकते हैं । सर, हम इस बारे में आपकी रूलिंग चाहते हैं । (शोर एवं व्यवधान) इनको माफी मांगनी पड़ेगी । Speaker Sir, we want your ruling on this issue. (Interruption) He has to take back his words. The House can't run in this fashion. One can't use unparliamentaly words against a Dalit Mahila Minister, a lawyer and a very capable Minister. He has to apologize for it. (Interruption) No, Sir, this is not the way. One Hon'ble Member of the House should not use this type of language against another Hon'ble Member of the House. All that Chautala Ji has said, he has to withdraw these words. Speaker Sir, this conduct of Shri Chautala Ji is completely unacceptable. Sir, we want your ruling on this issue. If the words Chautala ji has uttered, are parliamentary and correct, then there is no problem. Speaker Sir, If you give a ruling, we will all sit down.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : ये राजनीतिक बातें यहां मत करो। (शोर एवं व्यवधान) हम दलित का भी पूरा सम्मान करते हैं, महिलाओं का भी पूरा सम्मान करते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker : Hon'ble Members, is it the pleasure of the House that the time of the sitting of the House be extended by 10 minutes ?

Voices : Yes.

Mr. Speaker : The time of the sitting of the House is extended for another 10 minutes.

वर्ष 2011-2012 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भण)

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, we want your ruling on this. महिला मंत्री के खिलाफ ऐसे शब्द कहे जा रहे हैं । Whether Shri Chautala has said is parliamentary or not? If yes, then no problem. You may give your ruling, we will sit down. If it is not parliamentary then he must withdraw

[Shri Randeep Singh Surjewala]
his words. If you feel and think that what he has said is parliamentary and correct, we will sit down otherwise he must withdraw his words.

श्री जगदीश नय्यर : सदन में महिला को दलित कह रहे हैं ।

Shri Randeep Singh Surjewala : We cannot proceed like this. This is not the way to proceed. This is not the way. We want your ruling and it is the humble request. Shri Chautala has made a particular phrase for the Hon'ble Minister. We need your ruling that whether it is parliamentary or not? (interruption)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, please resume your seats. Yesterday, one of the leading members of the House Shri Ajay Singh Chautala has come out with a very healthy suggestion that derogatory remarks or language which do not conform the parliamentary standard or termed as 'unparliamentary language' should not be used by one member against the other. First of all, I would like to know from the Hon'ble Minister, are you humbled at the remarks made by Shri Chautala? Whether those remarks have lowered your prestige?

Smt. Geeta Bhukkal Matanhail : Yes, Sir.

Mr. Speaker : O.K. That remarks may be expunged.

Smt. Geeta Bhukkal Matanhail : Not only expunged but he should also feel sorry for that because I am giving the reply as a Minister. Should he say like this? I am going to clarify what he has mentioned in his speech about the CAG's Report. He has said '17444 Anganwaris'. I am going to say one thing. We are going to construct very good angawaris in all villages. We are going to provide water facilities in all the anganwaris. We are going to provide toilets in the anganwaris and we want to make strong our children and women also. But the only thing is they do not want anything, they do not want women should come upward and feel empowered.

Mr. Speaker : Hon'ble Minister, I am happy that somebody is coming from poor sections of the society and is performing so well in the House. I appreciate your worthiness and your talent as a Minister.

If you feel offended over language used by the Leader of the Opposition, I have got those remarks expunged, I think this should satisfy you.

Smt. Geeta Bhukkal Matanhail : Yes, Sir.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, किसी भी एक मद को लिया जाए सरकार के कुप्रबन्धन की वजह से बड़ा भारी नुक्सान होता जा रहा है । इसके दृष्टिगत हम यह मानकर चलें कि यह घाटा निरन्तर बढ़ता जा रहा है क्योंकि आमदन का जो जरिया है ।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी आपके समय में स्कूलों में कुछ संख्या भी बढ़ी है । नये स्टूडैण्ट्स पढ़ने आये हैं क्योंकि चौटाला साहब का ऐलीगेशन यह है कि स्कूलों में संख्या घटती जा रही है ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : नहीं जी । यह तो मैंने नहीं कहा ।

श्री अध्यक्ष : यह नहीं है तो चलो फिर ठीक है ।

श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल : स्पीकर सर, मैं एक बात कहना चाहूंगी that I am one of the most qualified Ministers of Vidhan Sabha, whatever I speak in Vidhan Sabha मैं सोचने समझने के बाद बोलती हूं । शिक्षा के बारे में मैं इतना कहना चाहूंगी कि शिक्षा के क्षेत्र में हरियाणा ने बहुत ज्यादा तरक्की की है । माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने हरियाणा को शिक्षा का हब बनाने की बात की है । प्राइमरी स्कूल से लेकर यूनिवर्सिटी तक हरियाणा ने तरक्की की है।

Mr. Speaker : I am happy about your performance.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि जहां से आमदनी आनी चाहिए वहां से वह नहीं आ रही । हरियाणा में मिनरल और माइनिंग की वजह से. . . .(विघ्न)

Mr. Speaker : Five minutes are left. I have already extended the House for 10 minutes. You have already spoken for one hour.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं खत्म करने जा रहा हूं क्योंकि ये मुझे बोलने तो देंगें नहीं । मिनरल और माइनिंग को लेकर जहां अंदाजन 400-500 करोड़ रूपये का रिवैन्यू हरियाणा के खजाने में आना चाहिए था परंतु सरकार की नालायकी की वजह से उसमें एक नया पैसा भी नहीं आ रहा । वह पैसा दूसरे ऐसे लोगों की जेब में जा रहा है जो सरकार के मंजूरे नजर हैं । इल्लीगल माइनिंग हो रही है । इल्लीगल तरीके से हालात यह हो गई है कि आज आटे से ज्यादा रेत मंहगी हो गई है । 22 रुपये प्रति वर्ग फुट के हिसाब से रेत बिक रही है । रोड़ी और बजरी की कीमत 45 रुपये प्रति वर्ग फुट से भी ज्यादा बढ़ रही है जिसकी वजह से कंस्ट्रक्शन लागत बढ़ेगी ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश चौटाला जी को यह पता होना चाहिए कि उच्चतम न्यायालय ने माइनिंग पर स्टे किया हुआ है । हम ऐसे हाउस को मिसलीड

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]
नहीं कर सकते । Supreme Court has stayed mining in the State of Haryana. Then how can you do mining in the State? He cannot even understand that much.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, माइनिंग पर स्टे तो पंजाब में भी था, उन्होंने क्लीयर करवा लिया । राजस्थान में भी स्टे था । इन्होंने जान बूझ कर उसको क्लीयर नहीं करवाया । (शोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, पंजाब में स्टे नहीं था । उनको इजाजत दे दी गई थी और अब हमें भी इजाजत मिल गई है ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अब इजाजत मिली है न । इससे पहले आप पैरवी नहीं कर रहे थे इसलिए आपको परमीशन नहीं मिली थी । लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए इल्लीगल माइनिंग करवा रहे थे ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार आने के बाद ट्रांसपेरेंट सिस्टम से ओपन आक्शन पर माइनिंग की गई । अलॉटमैंट तो इनके वक्त में होती थी और फेवरेबल आदमियों को माइंज अलॉट कर दी जाती थी । (शोर एवं व्यवधान)

श्री सुभाष चौधरी : अध्यक्ष महोदय, अवैध माइनिंग कौन चला रहा है । इस बारे में हमने लिखकर भी भेजा हुआ है । फिर कहते हैं कि रेत की कमी हो गई । मुख्यमंत्री जी खुद जाकर वहां पता कर लें वहां अवैध माइनिंग हो रही है । (शोर एवं व्यवधान)

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, the matter is still sub-judice in the Supreme Court before a constitutional bench headed by Chief Justice of India. It is High Court's Division Bench which has granted us an interim permission in some areas as also Punjab. Finally, the matter would be settled after Reddy Brothers' issue is settled. We are at No. 2. in the line. There are two petitions pending.

Mr. Speaker : Who are Reddy Brothers?

Shri Randeep Singh Surjewala : Reddy Brothers of Karnataka are who belong to the party of Shri Anil Vij. Their illegal case is pending before the Chief Justice in the Supreme Court of India.

Shri Anil Vij : Sir, I want to say something.

Shri Randeep Singh Surjewala : Mr. Vij, I know you have no share in it. I can assure you.

श्री ओम प्रकाश चौटाला: अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के राज में माइनिंग पट्टे पर दी जाती थी । हमारी सरकार बनने के बाद इसकी ओपन ऑक्शन शुरू हुई थी । इस सरकार के आने के बाद इन्होंने फिर इसकी ओपन ऑक्शन को रोकने का काम शुरू किया ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : हमने तो ओपन ऑक्शन की थी ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : ओपन ऑक्शन की थी तो इल्लीगल माइनिंग कैसे हो रही है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय चौटाला जी फिर असत्य बोल रहे हैं । जब 2004-05 में इनकी सरकार थी तो माइंस से टोटल रिवैन्यू 92.4 करोड़ रुपये था । 2009-10 में जब ओपन ऑक्शन पोलिसी शुरू हुई उस समय उन्हीं माइंस से तीन गुणा बढ़कर यानि 248 करोड़ 66 लाख रुपये रिवैन्यू आया ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, संक्षिप्त में मैं कहना चाहता हूं कि सरकार के कुप्रबंधन की वजह से राजस्व घाटा निरंतर बढ़ रहा है । आमदनी कम होती जा रही है । उसका परिणाम यह निकल रहा है कि देनदारियां निरंतर बढ़ रही हैं । जो आज लोगों से कर्जा लिया जाता है वह ब्याज पर पूरा होने के बाद भी नहीं पूरा हो रहा । अध्यक्ष महोदय, आप बुद्धिमान आदमी हैं । अंत में मैं यह बात कहकर अपनी बात समाप्त करना चाहूंगा कि दार्शनिक चारवाक ने कहा है - ''यावत जीवन सुखम जीवन'' यानि जीना है तो सुख से जीओ, चाहे कर्जा लेकर घी क्यों न पीओ। आज ये हालात हो गए हैं कि कर्जा लेते जा रहे हैं और घी पीते जा रहे हैं । मौज लूटते जा रहे हैं सरकार के हालात क्या हैं इस बात का इन्हें पता नहीं है ।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, the speech is over. Shri Om Prakash Chautala has spoken for 65 minutes and now we get at 2.40 P.M. The time was extended for 10 minutes and it is over now. Now, the House stands adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 14th March, 2011.

*14.04 Hrs. (The Sabha then *adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 14th March, 2011.)

48758—H.V.S.—H.G.P., Chd.